3 बस्तर संभाग
पापनपाल में विधायक ने किया बाबा साहब के मूर्ति का ...

6 अभिमत
किसानों को सीधे भुगतान जरूरी

10 संस्कारधानी
वेंटिलेटर और ऑक्सीजन सपोर्ट साथ में शुरू करना एक...

11 छत्तीसगढ़
डेडीकेटेड कोविड अस्पताल में 50 ऑक्सीजन बेड ...

रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित
हमेशा सच के साथ
RNI NO. CHHHIN/2016/70655

पायनियर

www.dailypioneer.com रायपुर, शुक्रवार 16 अप्रैल 2021 पृष्ठ-12 वर्ष-05, अंक- 234 मूल्य 3.00 ₹

दलगत राजनीति से ऊपर उठकर कार्य करना होगा ताकि मानव जीवन को बचाया जा सके : उइके

कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए महाराष्ट्र से आने वाले लोगों की जांच आवश्यक, क्वारेंटाइन सेंटर भी बनाए जाएं

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्यपाल अनुसुईया उइके ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जनजागरण में राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रमुखों से आग्रह किया कि वे अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से गांव-गांव में इस बीमारी से बचाव के उपायों के बारे में लोगों को जागरूक करें। राज्यपाल राज्य में कोरोना संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के संबंध में विचार विमर्श के लिए आयोजित सर्वदलीय वर्चुअल बैठक को सम्बोधित कर रही थीं। बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में कोरोना संक्रमण के विस्तार को रोकने के लिए सीमावर्ती महाराष्ट्र राज्य से आए लोगों की जांच किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य की सीमा पर प्रबंध किया जाना चाहिए और क्वारेंटाईन सेंटर बनाए जाने चाहिए। उन्होंने रेमडेसीविर इंजेक्शन के उचित उपयोग के बारे में लोगों को जागरूक करने की जरूरत बताई। राज्यपाल ने कहा कि अकेली राज्य सरकार के लिए कोरोना महामारी से निपटना काफी कठिन है। इस महामारी से निपटना हम सब का सामूहिक दायित्व और कर्तव्य है। हम सभी एकजुट होकर इस संकट से उबरने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों तक राहत और सुविधाएं पहुंचाने में राजनीतिक दल शासन-प्रशासन के साथ मिलकर काम करें। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर संकट के इस समय में मानव जीवन को बचाने का प्रयास करें। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि राज्य सरकार कोरोना संक्रमण की रफ्तार को रोकने के लिए हर संभव उपाय कर रही है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे कोरोना के लक्षण दिखने पर लोगों को जल्द से जल्द टेस्ट कराने के लिए जागरूक करें। जब तक टेस्ट की रिपोर्ट नही आ जाती, तब तक संक्रमित व्यक्ति स्वयं को आइसोलेट रखें और रिपोर्ट ➢शेष पेज 8 पर

कोरोना महामारी से निपटने सामाजिक संगठनों का सहयोग जरूरी : सीएम भूपेश

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश में कोरोना के बढ़ते संक्रमण से उत्पन्न स्थिति पर विभिन्न समाज के प्रमुखों से आज वीडियो कॉन्फ्रेंस से चर्चा की। उन्होंने कोरोना महामारी से निपटने सामाजिक संगठनों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार के पास संसाधन सीमित हैं। सरकार के साथ समाज के जुड़ने से संसाधन कई गुना बढ़ जाता है। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए पिछले वर्ष की तरह इस बार भी सभी समाज के लोगों का सक्रिय सहयोग जरूरी है। उन्होंने वर्तमान में विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सहायता के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री के सलाहकार विनोद वर्मा और मुख्य सचिव अमिताभ जैन भी वीडियो कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर ज्यादा घातक है। इसका वायरस ज्यादा संक्रमित करने वाला है। इस बार अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है। राज्य शासन अपने पूरे संसाधन के साथ इस महामारी से निपटने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ रहे संक्रमण की रोकथाम के लिए लॉकडाउन जरूरी है। उन्होंने समाज प्रमुखों से लोगों को स्वअनुशासित रहने और संक्रमण से बचाव के उपायों का गंभीरता से पालन करने के लिए प्रेरित करने कहा। बघेल ने कहा कि बचाव ही सुरक्षा है। इसके लिए लोगों का जागरूक होना जरूरी है। मास्क के उपयोग, शारीरिक दूरी और हाथों की अच्छी साफ-सफाई से संक्रमण से बचा जा सकता है। यदि घर में किसी को लक्षण दिखें तो उसे आइसोलेट करें। उसकी कोरोना जांच करवाएं और रिपोर्ट पॉजिटिव आए तो एसओपी के मुताबिक पूरा उपचार लें। इलाज में देरी से संक्रमण बढ़ता है और यह जानलेवा हो सकता है। मुख्यमंत्री ने समाज प्रमुखों को रेमेडेसिविर इंजेक्शन के उपयोग के बारे में बताया कि यह आईसीयू या वेंटीलेटर में उपचाररत गंभीर मरीजों को दिया जाता है। इसके लिए डॉक्टरों की निगरानी जरूरी है। होम आइसोलेशन और अस्पताल में सामान्य मरीजों के लिए इसका प्रयोग नहीं होता है। अस्पतालों को उनकी जरूरत के मुताबिक रेमेडेसिविर की आपूर्ति की जा रही है। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में बताया कि अभी प्रदेश ➢शेष पेज 8 पर

कहां है स्वास्थ्य मंत्री, सर्वदलीय बैठक में स्वास्थ्य मंत्री नदारद, विपक्ष ने उठाए सवाल

नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि कोरोना को लेकर निर्मित परिस्थियों को प्रतिपक्ष के दबाव में प्रदेश की सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इससे पूर्व राज्यपाल अनुसूईया उइके से मुलाकात करके प्रदेश की वर्तमान हालत पर हम सब ने चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि प्रदेश कोरोना का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है और इस सर्वदलीय बैठक में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को नही होना कई सवालों को जन्म देता है। जब स्वास्थ्य मंत्री का बैठक में होना और उनका सुझाव महात्वपूर्ण है तब वे बैठक में नही है। इससे यह स्पष्ट है कि प्रदेश सरकार में सामूहिकता का अभाव है। स्वास्थ्य मंत्री पत्र लिखना बंद करना चाहिये। जिसका खामियाजा पूरे प्रदेश को भुगतना पड़ रहा है। नेता प्रतिपक्ष कौशिक ने कहा कि कोरोना से लड़ने के लिये समूचित व्यवस्था का आभाव है। जिसके कारण ही लगातार परिस्थियां बिगड़ती जा रही है।। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय का दो स्थानों से संचालन होने से आम लोगों की दिक्कतें लगातार बढ़ती जा रही है। इसके बाद भी जिम्मेदारी कोई भी लेने को तैयार रही है। पूरे प्रदेश में वेटिलेटर से लेकर आवश्यक चिकित्सा उपकरण का आभाव है। इसी तैयारी की चिंता पहले से की जानी थी लेकिन मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री में संयोजन का आभाव में प्रदेश के हालत लगातार बिगड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी इस संशय में है कि आखिर कौन आदेश पर अमल किया जाये। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व वरिष्ठ विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा कि सामूहिकता से साथ कदम नही उठाये जाने के लिये प्रदेश की सरकार ही जिम्मेदार है और यही कारण है कि हालत लगातर बिगते जा रहें हैं। निजी व सरकारी छात्रावासों में अस्थाई कोविड अस्पताल बनना चाहिये। कोरोना जांच के लिये प्रयोगशाला बढ़कर जांच रिर्पोट भी जल्द भेजना चाहिये। उन्होंने कहा कि सरकारी व निजी अस्पतालों में बिस्तर बढ़ाया जाना चाहिये। इसके साथ मेडिकल स्टॉफ की भर्ती को युद्धगति से किया जाना चाहिये। पूरे प्रदेश में दवा ,आक्सीजन सहित वेटिलेंटर की आपूर्ति करने के लिये जल्द पहल होना चाहिये। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कार्ड के साथ ही आर्थिक रूप असक्षम लोगों की निशुल्क उपाचार की व्यवस्था भी तत्काल किया जाना चाहिये। विधायक शर्मा ने कहा कि कोरोना से लड़ने के लिये समाज की जन सहभागिता पूरी है लेकिन प्रदेश सरकार में ही सहभागिता का आभाव दिखता है। जिसके कारण ही यह परिस्थियां बनी है।

दिल्ली में हर सप्ताहांत लागू होगा कर्फ्यू

वार्ता < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने हर सप्ताहांत में कर्फ्यू लागू करने की घोषणा की है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। दिल्ली में शुक्रवार रात 10 बजे से सोमवार सुबह छह बजे तक के लिए सप्ताहांत कर्फ्यू लगाने की घोषणा की गयी है। राजधानी में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए दिल्ली सरकार की ओर से जारी किए गए दिशा-निर्देशों के मुताबिक सप्ताहांत में कर्फ्यू के दौरान आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों के अलावा शादी समारोह में शामिल होने वाले लोगों के लिए कर्फ्यू पास जारी किए जायेंगे। इस दौरान दिल्ली में सभागार, मॉल, जिम और स्पा पूरी तरह से बंद रहेंगे। सिनेमाघरों को 30 प्रतिशत क्षमता के साथ चलाने की अनुमति दी गयी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल अनिल बैजल और अन्य अधिकारियों के साथ मुलाकात करने के बाद यह घोषणा की है। देश के कई अन्य

राज्यों की तरह राजधानी दिल्ली में भी कोरोना संक्रमण काफी तेजी से फैल रहा है। दिल्ली में बुधवार को कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 17,282 नये मामले सामने आये थे जबकि 104 लोगों की इस महामारी से मौत हुई थी। श्री केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के अस्पतालों में कोरोना मरीजों के लिए बिस्तरों की कोई कमी नहीं है और मौजूदा समय में 5,000 से अधिक बिस्तर खाली हैं लेकिन इस मामले में अपनी पसंद के अस्पताल में भर्ती होने की इच्छा जताने से थोड़ी दिक्कत हो सकती है।

पेट्रोल-डीजल 15 दिन बाद सस्ता हुआ

नयी दिल्ली। पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार 15 दिन स्थिर रहने के बाद तेल विपणन कंपनियों ने गुरुवार को इनमें कटौती की। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 90.40 रुपये प्रति लीटर रह गया। डीजल की कीमत भी 14 पैसे घटकर 80.73 रुपये प्रति लीटर पर आ गई। इससे पहले लगातार 15 दिन तक दोनों जीवाश्म ईंधनों के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ था। अन्य महानगरों में भी पेट्रोल और डीजल के दाम आज घटे हैं। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल 15-15 पैसे सस्ता होकर क्रमशः 96.83 रुपये, 92.43 रुपये और 90.77 रुपये के भाव बिका। मुंबई में डीजल 15 पैसे सस्ता होकर 87.81 रुपये, चेन्नई में 13 पैसे सस्ता होकर 85.75 रुपये और कोलकाता में 14 पैसे सस्ता होकर 83.61 रुपये प्रति लीटर पर रहा। पेट्रोल-डीजल के दाम की रोजाना समीक्षा होती है।

महामारी के खिलाफ हमारे मूल्य और कर्तव्य की भावना सबसे बड़ी ताकत : पीएम मोदी

वार्ता < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ वैक्सीन के साथ साथ हमारे मूल्य और कर्तव्यपरायणता की भावना सबसे बड़ी ताकत है और इसके बल पर महामारी का मुकाबला किया जा सकता है। श्री मोदी ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से राज्यों के राज्यपालों के साथ देश में कोरोना महामारी की ताजा स्थिति और टीकाकरण अभियान की समीक्षा की। इस मौके पर उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष जब महामारी का कहर बढा था तो लोगों ने एकजुट होकर इसका मुकाबला किया था और अभी भी लोगों को इसे अपना कर्तव्य समझकर जनभागीदारी की भावना से आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि इसमें राज्यपालों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि वे राज्य

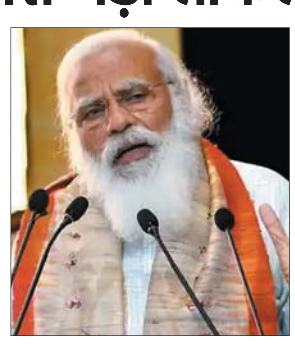

सरकारों और समाज के बीच सेतु की तरह काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सामुदायिक संगठनों, राजनीतिक दलों, गैर सरकारी संगठनों और सामाजिक संस्थानों की सामूहिक शक्ति का इस्तेमाल किये जाने की जरूरत है। राज्यपाल सरकारों तथा सामाजिक संगठनों के बीच तालमेल सुनिश्चित कर माइक्रो कंटेनमेंट जोन की व्यवस्था को सख्ती से लागू कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी को स्वास्थ्य ढांचे को सुनिश्चित करते हुए उसे मजबूत बनाना है और जरूरी चीजों की आपूर्ति सुनिश्चित करनी है। इसके साथ ही टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए टीके के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री नायडू ने महामारी से लड़ने में वैज्ञानिकों और स्वास्थ्यकर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि राज्यपालों को सर्वदलीय बैठकों का नेतृत्व कर कोरोना से संबंधित व्यवहार के बारे में जागरूकता फैलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया की भावना के साथ राज्यपालों को राज्यों के अभिभावक के रूप में भूमिका निभानी चाहिए। श्री शाह ने हर एक व्यक्ति की जान बचाने पर जोर दिया। केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कोरोना की स्थिति और टीकाकरण के बारे में एक प्रस्तुति भी दी। राज्यपालों ने भी अपनी ओर से राज्यों की स्थिति के अनुसार सुझाव दिये ।

13 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर प्रचार अभियान थमा

एजेंसी < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

दस राज्यों की 13 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों के उपचुनाव के लिए प्रचार शनिवार शाम यानी 15 अप्रैल को समाप्त हो गई। मतदान से 48 घंटे पहले चुनाव प्रचार थम जाता है। आंध्र प्रदेश में तिरुपति लोकसभा और कर्नाटक में बेलगाम लोकसभा सीटों के साथ ही राजस्थान में तीन, कर्नाटक में दो और गुजरात, झारखंड, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, तेलंगाना और उत्तराखंड की एक-एक सीट के लिए मतदान शनिवार को होगा। विधानसभा उपचुनाव की 13 सीटों के लिए कुल 161 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। नागालैंड में नोकसेन विधानसभा सीट के लिए एच चुबा चांग निर्विरोध चुन लिए गए हैं। आंध्रप्रदेश की तिरुपति लोकसभा सीट पर उपचुनाव के लिए कुल 28 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं। तेलुगु देशम पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री पनाबाका लक्ष्मी चुनाव लड़ रहे हैं, वहीं कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ नेता चिंता मोहन चुनाव मैदान में हैं। भाजपा के रत्नाप्रभा और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेल्लोर यादगिरी भी पूरे जोर-शोर से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, कर्नाटक की बेलगाम लोकसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भाजपा ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश अंगाडी की पत्नी मंगला आंगडी को चुनाव मैदान में उतारा है। अन्य उम्मीदवारों में कांग्रेस की ओर से प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सतीश जर्कीहोली मैदान में हैं।

संक्रमितों की संख्या एक करोड़ 40 लाख 74 हजार 564 हो गयी

देश में संक्रमण के रिकॉर्ड दो लाख नये मामले

वार्ता < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और पिछले 24 घंटों के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में रिकॉर्ड दो लाख नये मामले दर्ज किए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 2,00,739 नये मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही संक्रमितों की संख्या एक करोड़ 40 लाख 74 हजार 564 हो गयी है। वहीं इस दौरान 93,528 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसे मिलाकर अब तक 1,24,29,564 मरीज कोरोना मुक्त भी हो चुके हैं। देश में कोरोना के सक्रिय मामले 14 लाख को पार कर 14,71,877 हो गये हैं। इसी अवधि में 1038 और मरीजों की मौत के साथ इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,73,123 हो गयी है। देश में रिकवरी दर

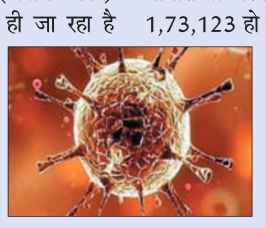

घटकर 88.31 फीसदी और सक्रिय मामलों की दर बढ़कर 10.46 प्रतिशत हो गयी है, जबकि मृत्युदर घटकर 1.23 फीसदी रह गयी है। महाराष्ट्र कोरोना के सक्रिय मामलों में शीर्ष पर है और राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 19,050 बढ़कर 6,13,635 हो गयी है। इस दौरान राज्य में 39,624 और मरीज स्वस्थ हुए, जिसे मिलाकर कोरोना को मात देने वालों की तादाद 29,05,721 पहुंच गयी है जबकि 278 और मरीजों की मौत से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 58,804 हो गया है।

छत्तीसगढ़ में 15 दिन के भीतर तकरीबन 1000 लोगों की मौत

छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा है जिसके कारण प्रदेश में वेंटिलेटर की कमी की खबरें लगातार सुर्खिया बनी हुई है। हालांकि राज्य सरकार कई भवनों तथा सार्वजनिक स्थलों में ऑक्सीजन बेड की समुचित व्यवस्था करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। रायपुर को लॉकडाउन किए तकरीबन एक सप्ताह हो चुका है। लेकिन अभी तक संक्रमण की चैन कम नहीं हो पाया है। वहीं मौत का आंकड़ा भी दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहा है। वहीं प्रदेश में सिर्फ अप्रैल माह की बात करें तो अब तक प्रदेश में हजारों की संख्या में कोरोना संक्रमण से लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं वर्तमान में कुल सक्रिय केसों की संख्या में भी लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। 14 अप्रैल तक प्रदेश में कुल सक्रिय केसों की संख्या 118636 दर्ज की गई है। वहीं अब तक 486244 व्यक्ति कोरोना संक्रमण के शिकार हो चुके है।

विश्व में कोरोना संक्रमितों की संख्या 13.82 करोड़ के पार

दुनिया में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और अभी तक इस वायरस के संक्रमण से 13.82 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हो चुके हैं तथा 29.73 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केंद्र (सीएसएसई) की ओर से जारी ताजा आँकड़ों के अनुसार दुनिया के 192 देशों एवं क्षेत्रों में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 13,82,76,238 तक पहुंच गयी है, जबकि अभी तक इस संक्रमण से 29,73,058 लोगों की मौत हो चुकी है।

भविष्य की चुनौतियों से निपटने की दीर्घकालिक रणनीति बनाये वायु सेना : राजनाथ सिंह

एजेंसी < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्वी लद्दाख में उत्पन्न चुनौती से निपटने के लिए वायु सेना दिखाई गयी मुस्तैदी की सराहना करते हुए कहा है कि इस तरह के खतरों से निपटने के लिए दीर्घकालिक रणनीति तथा योजना का खाका तैयार किया जाना चाहिए। श्री सिंह ने गुरूवार को वायु सेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह अच्छा संयोग है कि सम्मेलन मार्शल ऑफ द एयर फोर्स अर्जन सिंह की जयंती के मौके पर हो रहा है। उन्होंने कहा यह खुशी की बात है कि वायु सेना ने पिछले वर्ष पूर्वी लद्दाख में अचानक उत्पन्न घटनाओं का तुरंत और करारा जवाब दिया। उन्होंने सलाह दी कि कमांडरों को भविष्य में इस तरह के खतरों से निपटने के लिए दीर्घावधि योजना

तथा रणनीति बनानी चाहिए जिसके आधार पर क्षमता निर्माण किया जा सके। रक्षा मंत्री ने कोरोना महामारी से निपटने में सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियान में वायु सेना की भूमिका की भी सराहना की। अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनैतिक बदलावों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अटलांटिक से प्रशांत की ओर फोकस बढा है। साथ ही युद्ध के बदलते आयामों में अब उन्नत प्रौद्योगिकी पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है इसलिए वायु सेना को भी इन पहलुओं पर अधिक से अधिक ध्यान देना चाहिए। प्रधानमंत्री के 'आत्म निर्भर' विजन पर बल देते हुए उन्होंने रक्षा ढांचे में आत्मनिर्भरता को बढावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वायु सेना के तेजस के आर्डर से घरेलु रक्षा उद्योग को बढावा मिलेगा। रक्षा मंत्री ने कमांडरों को उनके लक्ष्य हासिल करने में सरकार के पुरजोर समर्थन का आश्वासन दिया। इस मौके पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया भी मौजूद थे।

रेमडेसिविर इंजेक्शन के लिए अंबेडकर अस्पताल के रेडक्रॉस में लगी कतार

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े अंबेडकर अस्पताल में गुरुवार सुबह से ही रेडक्रॉस दवा दुकान में रेमडेसिविर इंजेक्शन के लिए कतार लग गई। सैकड़ों की संख्या में लोग इंजेक्शन के लिए सुबह छह बजे से ही लाइन में लग गए। लेकिन इंजेक्शन न मिलने की वजह से लोगों में काफी नाराजगी देखने को मिल रही है। एक मरीज को लगातार छह दिनों तक छह इंजेक्शन लगने हैं। कोविड मरीजों के लिए यह इंजेक्शन काफी हद तक कारगर साबित हो रहा है। डॉक्टर भी पर्ची ने इस इंजेक्शन को लेकर आने के लिए बोल रहे हैं। इंजेक्शन के लिए लोग परेशान हो रहे हैं।

तीन दिनों से इंजेक्शन नहीं : अंबेडकर अस्पताल में भर्ती मरीजों को रेड क्रॉस से इंजेक्शन मिलने हैं, लेकिन तीन दिनों से इंजेक्शन नहीं मिलने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए यहां पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया है। इसी बीच पुलिस और मरीजों के स्वजनों के बीच धक्की-मुक्की भी देखने को मिली।

रात नौ बजे तक जब इंजेक्शन नहीं मिला

रेमडेसिविर इंजेक्शन का इंतजार कर रहे कोरोना पीड़ित मरीजों के स्वजनों ने अंबेडकर अस्पताल के रेडक्रॉस दवा दुकान में हंगामा कर दिया। मरीजों के लगभग 150 स्वजन सुबह छह बजे से रेडक्रास के बाहर इंजेक्शन के लिए इंतजार कर रहे थे। लेकिन रात नौ बजे तक जब इंजेक्शन नहीं मिला तो स्वजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। गौरतलब है कि यह वह लोग हैं जिनके स्वजन अंबेडकर अस्पताल में भर्ती हैं। उनको डॉक्टर ने अंदर से इंजेक्शन के लिए पर्ची दे रखी थी। दूसरी जगह इंजेक्शन नहीं मिल रहा। इंतजार कर रहे लोगों ने बताया कि वह सुबह छह बजे से लाइन में लगे थे। लेकिन दिन भर रेडक्रास दवा दुकान नहीं खुली। पहले उन्हें बोला गया कि सुबह 11 बजे खुलेगी। इसके बाद दोपहर तक इंतजार करने के लिए कहा गया। शाम हो गई लेकिन दुकान नहीं खुली। जबकि वहां 24 घंटे दवा दुकान खुली रहेगी उसका नोटिस लगा हुआ है। बात दें कि रेमडेसिविर इंजेक्शन की सप्लाई सीधे अस्पतालों को की गई है। इसके अलावा जिन मेडिकल स्टोर में आ रहा है, वहां से बिना कलेक्टर की अनुमति किसी को नहीं दिया जाएगा।

चरमराई अंबेडकर अस्पताल की व्यवस्था : डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल में कोरोना पीड़ित मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण व्यवस्था चरमरा गई है। पूरे अस्पताल परिसर में कोरोना पीड़ित और उनके परिजन जहां भी स्थान मिल रहा है, वहां पड़े हुए दिख रहे हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या के बीच इनडोर स्टेडियम में 360 बेड का स्थापित कोविड सेंटर भी छोटा पड़ गया है। ऐसे में स्थानीय प्रशासन ने रायपुर जिले में दस-दस हजार बेड वाले कोविड सेंटर स्थापित करने का फैसला लिया है।

इधर, व्यवस्था बिगड़ने का कारण जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल भी है। उल्लेखनीय है कि सुरक्षा उपकरणों की कमी के विरोध में अंबेडकर अस्पताल के जूनियर डॉक्टर भी मंगलवार से हड़ताल पर हैं। इसकी वजह से भी अंबेडकर अस्पताल की व्यवस्था अस्त व्यस्त हो गई है। ओपीडी में काम बंद हैं। उपचार के लिए मरीजों की लंबी लाइन लगी।

हालत और खराब

दो दिनों से हड़ताल जारी है। आपातकालीन सेवा और कोविड वार्ड में तो जूनियर डॉक्टर सेवा दे रहे। ऐसे में सीनियर डॉक्टरों के भरोसे सब कुछ रहेगा। ओपीडी में रोजाना 1200 मरीज चेपअप के लिए आते हैं। वहीं 18 तारीख से कोविड वार्ड में भी सेवा बंद करने का एलान कर दिया है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है।

अस्पताल में जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर हैं। ऐसे में पूरी व्यवस्था की जा रही है कि मरीजों को किसी तरह की दिक्क त न हो। वहीं, डॉक्टरों को ड्यूटी में वापस आने के लगातार बात की जा रही है। उनकी जो मांगे हैं उन्हें पूरा किया जाएगा।

- डॉ. मीरा बघेल,
स्वास्थ्य अधिकारी, रायपुर

पांच दिन पूजा के बाद घर पर ही बाल्टी में प्रतिमा का विसर्जन

विश्व से कोरोना महामारी के खात्मा की प्रार्थना की गई

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

पांच दिन पहले नौ अप्रैल को सिंधी समाज के घर-घर में भगवान झूलेलाल की प्रतिमा विराजित की गई थी। प्रतिदिन सुबह-शाम आरती में भक्ति उल्लास छाया था। लॉकडाउन में नदी, तालाब न जा सकने के चलते बुधवार को अंतिम दिन घर पर ही बाल्टी में रखकर प्रतिमा का विसर्जन किया गया। समाज, देश और संपूर्ण विश्व से कोरोना महामारी का खात्मा करने की प्रार्थना की गई। इसी के साथ पांच दिवसीय महोत्सव का समापन हुआ।

10 हजार प्रतिमा बांटे गए

राजधानी में घर-घर प्रतिमा विराजित करने का सिलसिला लगभग नौ साल पहले सिंधु एकता संघ के सुभाष बजाज के नेतृत्व में किया था। संत युधिष्ठिरलाल एवं संत सांई लालदास की प्रेरणा से निःशुल्क प्रतिमाएं देकर घर में विराजित करने का अभियान चलाया था। शुरुआत में 500-1000 प्रतिमाएं बांटने से शुरू हुआ सिलसिला इस साल 10 हजार प्रतिमा तक पहुंच गया। इसी दौरान राष्टीय सिंध युवा ब्रिगेड के विशाल कुकरेजा ने भी संतों से प्रेरणा लेकर अभियान शुरू किया। राजधानी से होते हुए अन्य शहरों में भी प्रतिमाएं विराजित की जाने लगी। इससे सिंधी समाज के बच्चों, युवाओं में धर्म के प्रति रूचि जागृत हुई। प्रतिमा विसर्जित करने के बाद उस मिट्टी को घर में ही तुलसी पौधे में डालने के लिए प्रेरित किया गया।सिंधु एकता संघ के नेतृत्व में सुभाष बजाज, संयोजक महेश दरयानी अध्यक्ष चंद्र कुमार माखीजा, रिक्की जुड़ानी भारत चंदवानी, ज्ञानू उदासी, संतोष डोडानी ,सुनील रामवानी, विजय लहरवानी, दिनेश भोजवानी, गुरमुख आहूजा, तनेश आहूजा, राजेश गंगवानी, श्याम गजवानी, भरत बजाज, कुमार बोधवानी, योगेश नानवानी, सुरेंद्र जसरानी, राकेश लुडवानी, सूरज जेठानी समेत अनेक सदस्यों ने अपने परिवार में विसर्जन किया ओर ओम जय दूलह देवा भजन गाकर भक्ति भाव जगाया।

स्टील उद्योगपतियों का बड़ा फैसला, हर महीने सात दिन उत्पादन बंद रखेंगे

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

स्टील उद्योगपतियों ने फैसला लिया है कि वे हर महीने सात दिनों के लिए उत्पादन बंद रखेंगे। इसके तहत स्टील उद्योगपति अपनी सुविधा के अनुसार लगातार सात दिन या शिफ्ट के अनुसार सात बंद रखेंगे। स्टील उद्योगपतियों का कहना है कि इस प्रकार के फैसले की सबसे बड़ी वजह तो यह है कि इस महीने से बिजली में मिलने वाली सब्सिडी बंद हो गई है। इसके साथ ही आयरन ओर की बढ़ी कीमतों की वजह से बढ़ रही स्पंज आयरन की कीमतें है। इस प्रकार सात दिनों तक उत्पादन बंद होने से 25 से 30 फीसद उत्पादन प्रभावित होगा। स्टील उद्योगपतियों ने बताया कि इस महीने 15 अप्रैल से 22 अप्रैल तक बंद रखने का फैसला भी किया गया है और इन दिनों स्टील उद्योग बंद रहेंगे। जानकारी के अनुसार, राजधानी रायपुर में सर्वाधिक 115 मिनी स्टील प्लांट हैं और 180 रोलिंग मिलें हैं। स्पंज आयरन उद्योगों की संख्या 76 है। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ समय से स्टील प्लांट संचालकों की स्पंज आयरन वालों से कीमतों को लेकर नहीं जम रही है। छत्तीसगढ़ मिनी स्टील प्लांट एसोसिएशन के महामंत्री मनीष धुप्पड़ का कहना है कि स्पंज आयरन की कीमत अधिक होने से स्टील प्लांट को भी नुकसान हो रहा है। स्पंज आयरन की कीमत अधिक होने के कारण स्टील की कीमतें भी अधिक होती है, लेकिन गोविंदगढ़ से कीमतें तय होने के कारण यहां के प्लांट को नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके चलते ही इस प्रकार से हर महीने सात दिनों का उत्पादन बंद रखने का फैसला किया गया है।

राज्य सरकार असम से लाए गए नेताओं की सेवा में व्यस्त : केदार

- असम से आए प्रत्याशी को सरकार ने चित्रकोट के रेस्ट हाउस में रुकवाया

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदार कश्यप ने राज्य सरकार पर तीखे हमले बोले हैं। असम के बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के विधानसभा उम्मीदवारों का चित्रकूट के रेस्ट हाउस में आवभगत करने का विरोध किया है। छत्तीसगढ़ की जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रही है। वहीं, राज्य सरकार असम से लाए गए नेताओं की सेवा में व्यस्त है।

छत्तीसगढ़ कोरोना पेसेंट के मामले में सबसे ऊपर है। प्रतिदिन 15 हजार से अधिक मामले आ रहे है। सैकड़ों की रोजाना अकाल मृत्यु हो रही है, पर सरकार की चिंता चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की नहीं है। सरकार की चिंता तो असम से आए हुए 25, 30 प्रत्याशी की है, जिन्हे सरकार ने चित्रकोट के रेस्ट हाउस में रुकवाया है। सरकार उनकी आवभगत करने में ही व्यस्त है। सरकार का तंत्र बस उनकी खातिरदारी में लिप्त है। मंत्री, सांसद, विधायक सेवा में लगे हुए हैं, जबकि पूरे बस्तर में धारा 144 लगी हुई है। लॉकडाऊन लग रहा है। फिर दूसरे प्रदेश के लोग बस्तर में आ रहे हैं और रेस्ट हाउस में ठहराए गए हैं। ये किसके निर्देश पर रुके हुए हैं? केदार कश्यप ने कहा कि मेरा सरकार से आग्रह है जल्द उन्हें प्रदेश से बाहर किया जाए। बस्तर की चरमराती चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करें।

बस्तर में असम से विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों को चित्रकोट के सरकारी रेस्ट हाउस में ठहराया गया है। बेफिक्री से ये सियासी मेहमान वहां दावत का लुत्फ ले रहे हैं। जिले का प्रशासनिक अमला इनकी आवभगत में लगा हुआ है। इस पर अब सियासी हंगामा छिड़ गया है। पूर्व मंत्री और बस्तर से भाजपा के बड़े नेता केदार कश्यप ने कहा है कि प्रदेश में हर रोज 15 हजार से ज्यादा मरीज मिल रहे हैं, दर्जनों लोगों की असमय मौत हो रही है और असम से आए इन लोगों को सरकार बकरा भात खिला रही है। ये किस नियम के तहत सरकारी रेस्ट हाउस में रुके हैं, जबकि जिले में धारा 144 लगी है। सरकार को बस्तर की चरमराती चिकित्सा व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए। बस्तर में न सिर्फ असम से आए ये प्रत्याशी ठहरे हुए हैं बल्कि इनकी गाड़ियों का काफिला इधर से उधर घूमता दिख रहा है। पूर्व मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि अब सरकार की पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ असम के प्रत्याशियों का काफिला बस्तर से रायपुर की ओर रवाना होता दिखा है। जहां आम नागरिकों को अभी एक जिले से दूसरे जिले में जाने के लिये जिला प्रशासन से अनुमति लेनी पड़ती है वहां ये काफिला बेरोकटोक भ्रमण कर रहा है। पूर्व मंत्री केदार कश्यप ने कहा है 5 की संख्या में आम आदमी कहीं जमा नहीं हो सकते, मगर ये काफिला सरकारी सुरक्षा में घूम रहा है।

राजस्थान भी भेजे गए हैं प्रत्याशी

अब तक विधायकों की खरीद फरोख्त के डर से इस तरह की बाड़े बंदी की जाती थी, लेकिन यह पहली बार है कि चुनाव होने के बाद प्रत्याशियों को ही इस तरीके से प्रदेश से बाहर दूसरे प्रदेशों में भेजा गया है। असम में कांग्रेस अपने सहयोगी दलों, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फंट और बोडोलैंड पीपुल्स फंट के साथ सियासी मैदान में उतरी थी। अपने उम्मीदवारों को कांग्रेस शासित प्रदेश राजस्थान और छत्तीसगढ़ भेजा गया है। असम से विपक्षी गठबंधन के 22 उम्मीदवारों को जयपुर भी भेजा गया है।

राज्य प्रशासनिक सेवा संघ, इंजिनियर्स एसोसिएशन और संसदीय सचिव ने की सीएम फंड में मदद

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण विकराल रूप ले चुकी है. हर दिन 10 हजार से ज्यादा नए मरीज सामने आ रहे हैं. सरकार इस कठिन परिस्थिति से निपटने में हर संभव प्रयास कर रही है. वहीं सामाजिक संगठन,नेता व आम लोग भी सरकार की मदद के लिए आगे आए हैं। इसी तहर छत्तीसगढ़ डिप्लोमा इंजिनियर्स एसोसिएशन द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष में एक दिन का वेतन देने की घोषणा की है। प्रांताध्यक्ष आर के रिछारिया एवं महामंत्री के पी बोपचे ने जानकारी दी है कि कॅरोना के दूसरी लहर के दुष्प्रभाव से निपटने के लिए नए कोविड सेंटर खोलने, दवाइयां, मेडिकल उपकरण की व्यवस्था एवं छत्तीसगढ़ की गरीब जनता और मजदूरों को राशन एवं दैनिक उपयोग की सामग्री उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री की अपील पर संघ के सदस्य जो कार्मिक एवं गैर कार्मिक विभागों में उप अभियंता ,पदोन्नत सहायक अभियंता एवं कार्यपालन अभियंता के पद पर पदस्थ है, एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री कोष में दान करेंगे. इस संबंध में संघ द्वारा मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ को पत्र लिखकर इस माह के वेतन से कटौती कर मुख्यमंत्री सहायता कोष में राशि जमा करने हेतु सभी विभाग अध्यक्ष को निर्देशित करने हेतु अनुरोध किया जाएगा।

संसदीय सचिव निषाद ने दिया एक माह वेतन

गुंडरदेही विधायक व संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद ने अपने एक माह का वेतन मुख्यमंत्री सहायता कोष में दान किया है. उन्होंने 1 लाख 20 हजार का चेक तहसीलदार को सौंपा है. साथ ही इस आपदा की घड़ी में बढ़ चढ़कर की मुख्यमंत्री सहायता कोष में दान करने की लोगों से अपील की।

राज्य प्रशासनिक सेवा संघ ने एक दिन का वेतनदेने का निर्णय लिया

छतीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा संघ (अपर कलेक्टर/संयुक्त कलेक्टर/डिप्टी कलेक्टर) ने भी छत्तीसगढ़ शासन के साथ मिल कर सहयोग करने की ठानी और इसके लिए संघ द्वारा सभी अधिकारियों के माह अप्रैल 2021 के 01 दिन का वेतन मुख्यमंत्री सहायता कोष में देकर सहायता करने का निर्णय लिया गया है। छतीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के अध्यक्ष आशुतोष पांडेय ने कहा है कि कोरोना की इस संकट की घड़ी में संघ के सभी सदस्य शासन-प्रशासन के साथ कंधा से कंधा मिला कर कार्य करने और सहयोग के लिए हमेशा तत्पर हैं।

निजी अस्पतालों एवं पैथालॉजी केन्द्रों में कोविड जांच के लिए शुल्क निर्धारित

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

कोविड संक्रमण की रोकथाम के लिए राज्य शासन ने आम जनता को राहत देने की दृष्टि से निजी पैथोलॉजी लैबों और अस्पतालों में कोविड-19 की जांच के लिए आरटीपीसीआर, एंटीजन तथा ट्रूनाट रैपिड टेस्ट की दरों में काफी कमी की है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार निजी पैथोलॉजी लैबों और अस्पतालों में आरटीपीसीआर टेस्ट हेतु यदि कोविड-19 टेस्ट का सेम्पल कलेक्शन पैथोलॉजी सेन्टर में किया जाता है तो जांच शुल्क 550 रुपये प्रति टेस्ट लिया जायेगा। यदि सेम्पल कलेक्शन मरीज के घर अथवा प्राइवेट अस्पताल में जाकर लिया जाता है तो अतिरिक्त राशि शुल्क 200 रुपये प्रति टेस्ट लिया जायेगा। उक्त शुल्क में सेम्पल कलेक्शन, ट्रांसपोर्ट शुल्क, जांच शुल्क एवं कज्युमेबल. पीपीई कीट इत्यादि का शुल्क सम्मिलित है।ट्रू नाट टेस्ट हेतु यदि कोविड-19 टेस्ट का सेम्पल कलेक्शन पैथालॉजी सेन्टर में किया जाता है तो जाच शुल्क राशि 1300 रुपये प्रति टेस्ट लिया जायेगा। यदि सेम्पल कलेक्शन मरीज के घर अथया प्राइवेट अस्पताल में जाकर लिया जाता है तो अतिरिक्त शुल्क रू 200 रुपये प्रति टेस्ट लिया जायेगा। उक्त शुल्क मे सेम्पल कलेक्शन, ट्रांसपोर्ट शुल्क, जांच शुल्क एवं कंज्युमेबल, पीपीई कीट इत्यादि का शुल्क सम्मिलित है। रेपिड एंटीजन टेस्ट हेतु यदि कोविड-19 टेस्ट का सेम्पल कलेक्शन पैथोलॉजी सेन्टर में लिया जाता है तो जांच शुल्क 150 रुपये प्रति टेस्ट लिया जावेगा। यदि सेम्पल कलेक्शन मरीज के घर अथवा प्राइवेट अस्पताल में जाकर लिया जाता है तो अतिरिक्त शुल्क 200 रुपये प्रति टेस्ट लिया जायेगा।

हलवाइयों के यहां दूध की आपूर्ति ठप, गांवों में दूध के दाम पांच रुपये लीटर गिरे

लॉकडाउन में दूध की सामान्य दिनों की अपेक्षा बढ़ गई खपत

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण को रोकने लिए राजधानी में 19 अप्रैल तक लगे लाकडाउन से पशु पालकों की हालत खराब कर दी है। वहीं पैकेट के दूध की खपत सामान्य दिनों की अपेक्षा लगभग पंद्रह फीसद बढ़ गई है। संक्रमण के बढ़ते प्रभाव से लोगों ने भी दूधिये से गाय और भैंस का दूध लेना भी कम कर दिया है। सरोना से भैंस का दूध शहर में बेच रहे दिनेश साहू का कहना है कि शहर में संचालित होटल, मिठाई की दुकान से लेकर चाय के ठेले लाकडाउन की वजह से बंद हैं। इससे पहले की अपेक्षा गांवों से आ रहे दूध की सप्लाई ठप हो गई है। पैकेट के दूध की सप्लाई घरों में जरूर बढ़ी है। उनके जैसे कई दूधिया जो गांव से दूध लाकर शहरी क्षेत्रों में सप्लाई कर रहे थे उनके सामने आर्थिक संकट पैदा हो गया है।

दूध से मठा, दही, घी तैयार करना शुरू कर दिए

ऐसे में रोजाना बीस लीटर दूध बेच रहे चंदखुरी रहवासी दिनेश कश्यप घर में दूध से मठा, दही, घी तैयार करना शुरू कर दिए हैं, ताकि भारी नुकसान से स्वयं को बचाया जा सके। हालांकि कश्यप का कहना है कि तैयार हो रही इस सामग्री की मांग गांव में भी नहीं है, क्योंकि अधिकांश घरों में तैयार किया जा रहा है, इसलिए शहर में बेचने के लिए जाना पड़ता है, लेकिन लाकडाउन से आना-जाना बंद है।

गांव में 47 रुपये लीटर तक दूध बिक रहा

मिठाई की दुकानें बंद होने के बाद हलवाइयों के यहां दूध की आपूर्ति नहीं हो रही है। पशुपालक और शहरी क्षेत्रों में सप्लाई करने वाले दूधिया डेयरियों पर ही सप्लाई करना पड़ रहा है। इसकी वजह से गांवों में दूध के दाम लगभग पांच रुपये प्रति लीटर तक गिर गए हैं। दूधिया पहले मिठाई की दुकानों पर बड़ी मात्रा में दूध सप्लाई कर देते थे। इससे उन्हें दूध बेचने के लिए गलियों में घूमना नहीं पड़ता था। दाम गिरने से गांव में 47 रुपये लीटर तक दूध बिक रहा है, जबकि यही दूध 50 से 60 रुपये दूधिया शहर में लोगों को बेचता था। इसी तरह से पशु पालकों दुधिया 40 रुपये लीटर खरीदना हैं ।

पैकेट दूध की बढ़ी मांग

दतरंगा निवासी दूधिया रमेश चंद्र ने बताया कि अब दूध बाहर नहीं जा रहा, इसलिए कम कीमत पर बेचा जा रहा है। रायपुर, अभनपुर में भी यही स्थिति है। यहां भी दूध की कीमत घट गई है। शहर में रह रहे लोगों में देवभोग सहित निजी कंपनियों के दूध पैकेट की मांग बढ़ गई है।नवरात्री में फल आदि दुकाने बंद होने के कारण पैकेट दूध की खपत सामान्य दिनों की अपेक्षा 75 हजार लीटर बढ़ी है, जिससे चाय इत्यादि के उपयोग में ले रहे है।

60 हजार लीटर की थी खपत

रायपुर शहर में 60 हजार लीटर दूध की खपत होती थी। मिठाई के ए ग्रेड के लगभग 20 शोरूम हैं। जिन पर एक हजार लीटर तक दूध खपता था। अन्य मिठाई की 200 से अधिक दुकानें हैं। इसी तरह 50 ऐसे हलवाई हैं, जिन पर 200 से 700 लीटर दूध सुबह शाम फुटकर में बिकता था। यहां लगभग दस हजार लीटर दूध की सप्लाई बंद है। देशी घी, पनीर, मावा व दही में दूध की खपत होती थी, वह भी थम गई है।

कोविड 19 मरीजों के उपचार के लिए निजी चिकित्सालयों एवं डायग्नोस्टिक केन्द्रों में सीटी स्कैन की दरें निर्धारित

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के दिशानिर्देश पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश में कोविड-19 संक्रमित मरीजों के निजी चिकित्सालयों में उपचार के दौरान हाई रिजॉल्यूशन सीटी स्कैन की आवश्यकता होने पर समस्त निजी चिकित्सालयों एवं डायग्नोस्टिक केन्द्रों के लिए दरें निर्धारित की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार चेस्ट (फेफड़े) के सीटी स्कैन (एचआरसीटी) बिना कंट्रास्ट हेतु 1870 रुपये शुल्क, चेस्ट (फेफड़े) का सीटी स्कैन (एचआरसीटी) कंट्रास्ट सहित हेतु 2354 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। आदेश में उल्लेखित है कि प्रदेश के सभी निजी चिकित्सालयों द्वारा कोविड-19 मरीजों के ईलाज हेतु छत्तीसगढ़ शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित शुल्क ही लिया जावे तथा आईसीएमआर एवं राज्य शासन द्वारा निर्धारित उपचार सम्बंधी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए केवल आवश्यक जांच ही कराई जाए।

तेंदुआ खाल के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डगांव
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के आदेशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अन्नत कुमार साहू के निर्देश तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोण्डागांव कपिल चन्द्रा के मार्गदर्शन में अपराधों की रोकथाम हेतु असामाजिक तत्वों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। सूचना प्राप्त हुई थी कि दो व्यक्तियों द्वारा वन्यप्राणी तेन्दुआ का खाल बिक्री हेतु कुम्हारपारा केंवटी जाने के रास्ते पर ग्राहक का इंतजार कर रहे है, सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए, एसडीओपी कपिल चंद्रा के नेतृत्व में थाना कोण्डागांव एवं सायबर सेल से संयुक्त टीम गठित कर आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु रवाना किया गया।

संयुक्त टीम द्वारा घटना स्थल पर पहुंचकर घेराबदी कर (1) रामेश्वर मरकाम पिता श्याम लाल मरकाम उम्र 37 साल जाति मुरिया निवासी डडीया पोस्ट मालाकोट थाना व जिला कोण्डागांव छग(2) जैलुराम मरकाम पिता स्व जुमधर मरकाम उम्र 52 वर्ष जाति मुरिया निवासी मालाकोट थाना कोण्डागांव जिला कोण्डागांव छग को पकड़कर पूछताछ कर तलाशी ली गई जिनके कब्जे से एक सफेद रंग के प्लास्टिक थैला में रखा एक नग वन्य जीव तेंदुआ का खाल जिसमें काला-भुरा रंग का निशान है, जिसके सिर से पुछ तक की लम्बाई 143 सेमी तथा पेट की चौड़ाई 41 सेमी बरामद किया गया। जिसकी कीमत लगभग 10 लाख रूपये है।

आरोपी रामेश्वर मरकाम और जैलुराम मरकाम का कृत्य वन्य प्राणी संरक्षरण अधिनियम 1972 की धारा 09, 51 का अपराध घटित करना पाये जाने से उनके विरूद्ध थाना कोण्डागांव में अपराध क्रमांक 126/2021 धारा- वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की धारा 09, 51 पंजीबद्ध किया जाकर आज दिनांक 14.04.21 के 18.30 बजे विधिवत् गिरफतार किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोण्डागांव उप निरीक्षक नरेन्द्र साहू, कैलाश केशवानी, भावनी सिंह चौहान, आनंद सोनी, सउनि ध्रुव सउनि बघेल सउनि कठार, बघेल, ध्रुव आर परसुराम वैद्य राजेश नाग,सायबर सेल से लूमन सिंह भण्डारी जितेन्द्र मरकाम का सक्रिय योगदान रहा।

छः दुकानों से लिया गया 14 हजार रुपए का जुर्माना

पायनियर संवाददाता ➤ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

जिले में लॉकडाउन के साथ ही आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी, जमाखोरी और सामग्री को सामग्री को निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्यवाही शुरु कर दी गई है। गुरुवार को कलेक्टर रजत बंसल ने स्वयं शहर के थोक और चिल्हर दुकानों का औचक निरीक्षण किया कलेक्टर ने शहर के मुख्य बाजार में स्थित थोक बाजार और चिल्हर विक्रेताओं के दुकानों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सब्जी बाजार में सब्जी विक्रेताओं से मूल्यों के संबंध में भी जानकारी ली। इस दौरान दुकानों में मास्क का उपयोग और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ चालानी कार्यवाही भी की गई। निरीक्षण के दौरान छः दुकानों से 14 हजार रूपए जुर्माना वसूल किया गया। कलेक्टर बंसल के साथ राजस्व विभाग, खाद्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के अमले ने संजय बाजार स्थित दुकानों का निरीक्षण किया और वहां आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और उनके कीमतों के संबंध में जांच की गई। दल ने चिल्हर एवं थोक विक्रेताओं के यहां जांच करते हुए दुकान संचालकों को कालाबाजारी और जमाखोरी किए जाने पर सख्त कार्यवाही की चेतावनी दी गई और सामग्री को निर्धारित मूल्य पर ही उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। साथ कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम जगदलपुर जी.आर. मरकाम, खाद्य अधिकारी अजय यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

स्कार्पियो में हथियार ले कर घूम रहे दो आरोपी गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ➤ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

कोतवाली पुलिस ने बुधवार की रात कर्फ्यू के दौरान एक स्कार्पियो वाहन मे हथियार रख कर घुमने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है कोतवाली थाना प्रभारी एमन साहू ने बताया कि कोरोना महामारी के बढ़ते हुए संक्रमण को देखते हुए जिला प्रशासन के द्वारा नाइट कर्फ्यू लगाया गया है जिसके बाद से पुलिस के द्वारा बेवजह घुमने वालो के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही इसी के चलते बीती रात एसबीआई चौक मे पुलिस के द्वारा कर्फ्यू का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही थी इसी दौरान वहा से एक स्कर्पियो वाहन क्रमांक 18टी 0692 गुजर रही थी जिसे पुलिस के द्वारा रोक कर तलाशी ली गई उक्त वाहन मे दो युवक बैठे हुए थे तलाशी के दौरान वाहन से एक लोहे की तलवार ,एक बेस बांल स्टिक,और एक चाकू बरामद किया गया पुलिस के द्वारा पूछताछ करने पर हथियारों के संबंध में कोई दस्तावेज नही होने पर दोनो युवकों को पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर मामला पंजीबद्ध किया है गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम जोगेन्द्र यादव व आकाश कुमार दोनों ही कुम्हारपारा निवासी बताए जा रहे।

इमली संग्राहकों को हुआ 8 करोड़ से अधिक राशि का भुगतान

■ जिले में लक्ष्य से अधिक की हुई

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

वन विभाग के जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित दक्षिण कोण्डागांव द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना अंतर्गत लघु वनोपज का संग्रहण वित्तीय वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 में किया गया। संघ मुख्यालय रायपुर द्वारा इमली खरीदी के लिए निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति हेतु 12 मार्च 2021 से 13 प्राथमिक लघु वनोपज समितियों के अधीन 155 ग्राम स्तर समूह एवं 31 हाट बाजार स्तर के स्व-सहायता समूहों के माध्यम से संग्राहकों एवं ग्रामीणों से न्यूनतम समर्थन मूल्य के आधार पर इमली खरीदी एवं संग्रहण कार्य प्रांरभ किया गया। वित्तीय वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 के निर्धारित लक्ष्य 20,000 क्विं के विरूद्ध 13 अप्रैल तक 32414.44 क्विं इमली ग्रामीणों से क्रय किया गया। जिसमें आटी इमली रू. 36 रूपये और फूल इमली 63 रूपये प्रति किलोग्राम की दर से क्रय किया गया है। जिसके लिए स्व-सहायता समूहों के बैंक खातों में कुल राशि 8.46 करोड़ रूपयों का स्थानांतरण किया गया है। जिससे संग्राहकों को तत्काल भुगतान सुनिश्चित हो सके। अभी तक समूहों के माध्यम से संग्राहकों को कुल 8.46 करोड राशि का नगद भुगतान किया जा चुका है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि नारंगी वन परिक्षेत्र के पेरमापाल, रेंगागोदी, कोड़कापारा, तोतर, केजंग, चमई एवं कोण्डागांव वन परिक्षेत्र के खड़पड़ी, परोदा, पुसपाल, फरसपाल, हीरामांदला, करनपुर, मुनगापदर, मोहलई, मडानार, नगरी, सोनाबाल, बोटीकनेरा, पोलंग तथा मर्दापाल वन परिक्षेत्र के कडेनार, बेचा, कीलम, टेकापाल जैसे अति संवेदनशील क्षेत्रों से भी इस वित्तीय वर्ष में कुल 3133 क्विं इमली का संग्रहण हुआ एवं 1.12 करोड़ राशि का नगद भुगतान किया गया है। इस संबंध में वनमंडलाधिकारी एवं पदेन प्रबंध संचालक उत्तम कुमार गुप्ता (भा.व.से.) ने बताया कि विभाग द्वारा ग्रामीणों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर इमली खरीदी करने का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को बिचोलियों से ग्रामीणों की आमदनी सुनिश्चित करते हुए उचित मूल्य प्रदान कर वित्तीय रूप से सशक्त करना है। जिसमें वन विभाग के समस्त कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा है ।

संसदीय सचिव जैन ने लिया रेमडेसिविर की उपलब्धता का जायजा

जगदलपुर। संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने आज गम्भीर कोरोना मरीजों के लिए उपयोगी दवा रेमडेसिविर की उपलब्धता का जायजा लिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आरके चतुर्वेदी ने बताया कि शासन द्वारा उपलब्ध कराया गया 150 एमपुल वर्तमान में उपलब्ध है। इसके साथ ही शासकीय मेडिकल कॉलेज को भी उपलब्ध कराया जाता है। इस दवा का उपयोग सिर्फ गंभीर मरीजों के उपचार के लिए किया जाता है। उन्होंने बताया कि छत्तीसग? शासन और जिला प्रशासन द्वारा कोरोना मरीजों की उपचार के लिए जरूरी सभी दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई जा रही हैं और इसमें किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि करीब 5 हजार कोरोना के मरीजों के उपचार के लिए वर्तमान में दवाइयां उपलब्ध हैं।

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष ए के सिंह ने किया किरंदुल ब्लॉक कमेटी का विस्तार

■ एस एच अजहर बने मीडिया प्रभारी

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एके सिंह ने अपने कार्यकारिणी के विस्तार करते हुए सभी पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की है।नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष सिंह ने बताया कि, मुख्यमंत्री, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, विधायक देवती महेंद्र कर्मा, छत्तीसगढ़ औषधि बोर्ड उपाध्यक्ष छवींद्र कर्मा जिला पंचायत अध्यक्ष तूलिका कर्मा, दीपक कर्मा, सुलोचना कर्मा कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष अवधेश सिंह गौतम दंतेवाड़ा जिला प्रभारी रीना रावतिया,विमल सुराना एवं ब्लॉक के सभी प्रमुख पदाधिकारियों के सहमति से यह सूची तैयार की गई है।

संगठन में तालमेल बिठाकर कांग्रेस को और मजबूती दिलाऊंगा जिसके लिए मैंने ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के साथ ही सभी सीनियर कांग्रेसियों के साथ किरंदुल के सभी वार्डों में स्वयं जाकर कार्यकर्ताओं की बैठक कर हर वार्ड के जमीनी स्तरीय कांग्रेस के प्रति निष्ठावान कार्यकर्ताओं की सूची बनाकर वरिष्ठ अनुभवी कांग्रेसियों के साथ बैठक कर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सूची तैयार कर अनुमोदन के लिए जिला कांग्रेस कमेटी को भेजा गया था जिसे जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा सभी नामों का अनुमोदन किया गया जिसमें आयतु कश्यप उपाध्यक्ष, दिलीप सिंह उपाध्यक्ष, मदन बढ़ाई उपाध्यक्ष ,दीपक गोस्वामी उपाध्यक्ष ,आर राजू उपाध्यक्ष ,ओम कुमार साहू उपाध्यक्ष ,अब्दुल कयूम सिद्दीकी उपाध्यक्ष ,कमलेश वर्मा उपाध्यक्ष, शेख नसीम उपाध्यक्ष, पी एल साहू कोषाध्यक्ष, दिनेश कुमार प्रसाद महामंत्री ,बीएल तारम महामंत्री ,राकेश लाल महामंत्री ,पति राम बघेल महामंत्री, बी दिल्ली राव महामंत्री, पुष्पा साहू महामंत्री ,गायत्री साहू महामंत्री ,अरविंद गुप्ता महामंत्री, रघु रामा राव महामंत्री, 21 संयुक्त महामंत्री 39 सचिव ,एक मीडिया प्रभारी एस एच अजहर , दो प्रवक्ताओं की नियुक्ति की गई।सिंह ने कहा सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं हम सब साथ मिलकर किरंदुल कांग्रेस को और मजबूत करेंगे।

सादगी एवं पूर्ण श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा चैत्र नवरात्रि पर्व

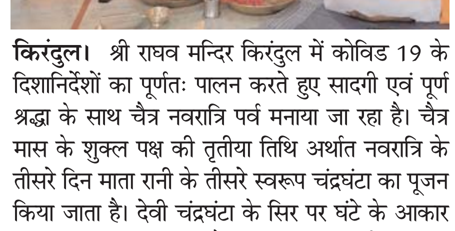

किरंदुल। श्री राघव मन्दिर किरंदुल में कोविड 19 के दिशानिर्देशों का पूर्णतः पालन करते हुए सादगी एवं पूर्ण श्रद्धा के साथ चैत्र नवरात्रि पर्व मनाया जा रहा है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि अर्थात नवरात्रि के तीसरे दिन माता रानी के तीसरे स्वरूप चंद्रघंटा का पूजन किया जाता है। देवी चंद्रघंटा के सिर पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र नजर आता है। इसलिए भक्त उन्हें चंद्रघंटा कहकर बुलाते हैं। देवी चंद्रघंटा का वाहन सिंह होता है। मां की 10 भुजाएं, 3 आंखें, 8 हाथों में खड्ग, बाण आदि अस्त्र-शस्त्र हैं। इसके अलावा देवी मां अपने दो हाथों से अपने भक्तों को आशीष देती हैं।

सुजाता के दलित विरोधी बयान का भाजपा ने किया विरोध

पायनियर संवाददाता ➤ नारायणपुर
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री सुजाता मंडल द्वारा अनुसूचित जाति समुदाय को भिखारी कहकर अपमानित करने वाले दिए बयान का विरोध करते हुए कार्रवाई की मांग को लेकर एक ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम एसडीएम नारायणपुर को सौंपा इसमें कहां है अपमानजनक बयान पर टीएमसी की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता बनर्जी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और ना ही दलित समाज से माफी मांगी है भाजपा ने कहा है कि अनुसूचित जाति समुदाय के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने वाली टीएमसी की नेत्री सुजाता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए ज्ञापन सौंपते समय भाजपा के जिला अध्यक्ष बृजमोहन देवांगन अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष मनोज चालकी सुदीप झा संजय तिवारी प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिला मुख्यालय में सर्वसमाज ने मनाई अंबेडकर जयंती

पापनपाल में विधायक ने किया बाबा साहब के मूर्ति का अनावरण

पायनियर संवाददाता ➤ बीजापुर
www.dailypioneer.com

महान समाज सुधारक, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ों अल्पसंख्यकों के मसीहा संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ बाबा साहेब भीमराव रामजी अंबेडकर की 130 वीं जयंती जिला मुख्यालय बस स्टेण्ड मे स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा मे पहूंचकर सर्व समाज के लोगों ने बाबा साहब को याद किया।सर्व प्रथम मुस्लिम समाज के लोगों ने पुष्प अर्पित कर बाबा साहब को नमन किया जिसमे मुस्लिम समाज के अध्यक्ष इम्तियाज खान, मोहशीन खान, तौकीर खान, एजाज खान, ईदरिश खान इमरान खान, हैदर खान शामिल थे।

तत्पश्चात अनुसूचित जनजाति वर्ग गोंड समाज के अमित कोरसा, सुशील हेमला, छविलाल मरकाम, परधान समाज से राकेश गिरि, विश्वास राव तोगर, सरेश फूलमाद्री, संजय नक्का, सुरेश परतागिरि, हरेश कंडिक, कँवर समाज से सत्यजीत कँवर, उराँव समाज से प्रेम उराँव, हल्बा समाज से बी एल पुजारी, बी आर अमॉद, राय सिंह माँझी, जगबंधु माँझी, रामगोपाल माँझी, विश्वनाथ माँझी उपस्थित थे।अनुसूचित जाति सतनामी समाज से डॉ. राजकुमार टंडन, ए के अनंत, झाडू राम रात्रे , राजेश अहीरवार, महार समाज से आर डी झाड़ी, डी एस राम, डी नागेश्वर, सुरेश चंद्रकार, योगेश दुर्गम, कमल झाड़ी, अजय दुर्गम , प्रकाश कावरे, मधु मोरला, बसंत मामड़ीकर, डिकेश चिलमुल, श्याम रामटेके, मयूर खोब्रागड़े, विजय चापड़ी, कैलाश रामटेके, कुस्टुड जुमड़े, केशव झाड़ी, नागेश जुमड़े, लक्ष्मण दुर्गम, थानेश्वर तोगर, रामकुमार दुर्गम, किशोर रामटेके सहित बारी -बारी से लोगों ने पूजा अर्चना कर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बाबा साहेब को याद किया।महार समाज युवा मोर्चा की ओर से मुकेश चंद्रकार, विजय मोरला, संदीप जुमार , केशव तोगर ने पुष्प अर्पित किये।महार समाज महिला मोर्चा की ओर से दुर्गेश्वरी रामटेके, गरिमा रामटेके, किरण रामटेके, देवकी कुमार ने पुष्प अर्पित कर बाबा साहेब को याद किया।अंत मे सभी ने बाबा साहेब अमर रहे वा जय भीम के नारे लगाये गये ।

वहीं ग्राम पापनपाल में स्थानीय विधायक एवं उपाध्यक्ष विक्रम मण्डावी ने बाबा साहेब की आदम कद प्रतिमा का अनावरण किया गया।मुख्य अतिथि की आसंदी से बोलते हुये विधायक ने अंबेडकर जयंती की शुभकामनाएँ देते हुये कहा कि मै प्रयास करूँगा कि हर पंचायत मे बाबा साहेब का स्टेचू लगे हर वर्ग तक बाबा साहेब का संदेश पहूंचना चाहिए।उन्होंने संविधान की रक्षा के लिए सभी आरक्षित वर्गो की एकता पर बल दिया।उन्होंने सभा को संबोधित करते हुये अबेंडकर स्टेचू के चारों ओर बाऊँड्रीवाल वा पार्क बनाने की घोषणा की।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये पापनपाल अंबेडकर समिति के अध्यक्ष जी मल्लाराम ने कहा कि हम लोग पिछले एक वर्ष से प्रतिमा लगाने के लिये प्रयासरत हैं उन्होंने कहा कि आज अनावरण होने से वे गर्व महसूस कर रहे हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप मे जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश कारम ने कहा कि बाबा साहेब ने हमे विश्व का सबसे सभा को संबोधित करते हुये कहा कि बाबा साहेब का यह स्टेचू आने वाली पीढियों को उनके संघर्ष की कहानी याद दिलायेगा वा समाज को प्रेरणा देगा।क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुये शिक्षित , संगठित एवं संघर्ष शील रहने के बाबा साहेब के मंत्र को दोहराया। कॉग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष लालु राठौर ने अपने उदबोदन में कहा कि आरक्षित वर्गो को उन्होंने इतने अधिकार दिये कि मै भी यहाँ आज खड़ ा होकर बोल रहा हूं तो बाबा साहेब की देन है। गोंडवाना समाज के अग्रज अमित कोरसा ने एससी , एसटी, ओबीसी, के हितों की रक्षा हेतु संविधान पड़ने की हिदायत दी।महार समाज के संरक्षक आर डी झाड़ी ने बाबा साहेब के जीवन के बारे मे बताया कि किस तरह से समाज को पीने के पानी के लिए भी उन्हें संघर्ष करना प?ा वा पानी पीने का अधिकार दिलाया।समाज के कोषाध्यक्ष कैलाश रामटेके ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज ग्राम पापनपाल ने एक नया इतिहास रचा वा बताया कि संविधान मे दलितों वा पिछड़ों के लिए जो विशेष अधिकार दिये वो बाबा साहेब कि दूर दर्शिता को प्रर्दशित करता है।

अंबेडकर जयंती के अवसर पर गाँव में खेल का एवं रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमे जीते हुये प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरुस्कृत किया गया।कार्यक्रम में दूर दराज गाँवों के लोग जिसमे महिलाएँ , बुर्जुग , बच्चे ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।मोरमेड, धनोरा, तोयनार, कोतापाल सहित आस पास के लोग बड़ी संख्या मे शामिल होकर बाबा साहेब को याद किये।स्टेचू अनावरण मे विशेष सहयोगी रहे पांडू राम अल्लूर, लखमू राम आरकी, जगदीश कुड़ीयम, नंद किशोर गाँधरला, मनोज आरकी, बहादूर गाँधरला , सुशील दुर्गम, श्रीमति सुनीता कुड़ीयम, सविता गाँधरला, सत्या गाँधरला, नीतू गॉधरला, काँता कुड़ीयम, सिमि झाड़ी, पुष्पा गाँधरला।कार्यक्रम का संचालन शंकर लाल गाँधरला ने बाबा साहेब के कोटेशन के साथ किया। कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि के रुप से जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ीयम, जनपद अध्यक्ष राधिका तेलम , उपाध्यक्ष सोनू पोट्टाम, सदस्य तिरुपति कटला, बब्बु राठी, कुस्टुड़ जुमड़े, मोरला दुर्गाराव, जितेन्द्र कावरे, सुशील हेमला उपस्थित थे।अंत मे बाबूलाल गाँधरला द्वारा आये हुए समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

बलौदाबाजार में लॉकडाउन का नजारा

बिलाईगढ़ प्रवेश के दौरान वन विभाग बैरियर में तैनात बिलाईगढ़ थाना पुलिस

बलौदाबाजार। ग्राम खरतोरा रायपुर-बलौदाबाजार सड़क मार्ग ग्राम सेमरिया घाट थाना भाटापारा ग्रामीण जिला प्रवेश सड़क मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग सुरक्षा में तैनात थाना सिमगा पुलिस, ग्राम अमलडीहा बलौदाबाजार-बिलासपुर जिला प्रवेश सड़क मार्ग में तैनात करही बाजार पुलिस, अंबेडकर चौक बलौदाबाजार में थाना सिटी कोतवाली पुलिस लवन बाईपास सड़क मार्ग बलोदा बाजार।

जिले में अब तक 3.41 लाख कोरोना नमूनों की जांच

रेलवे स्टेशन सहित 36 पीएचसी एवं सीएचसी पर नि:शुल्क जांच की सुविधा

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

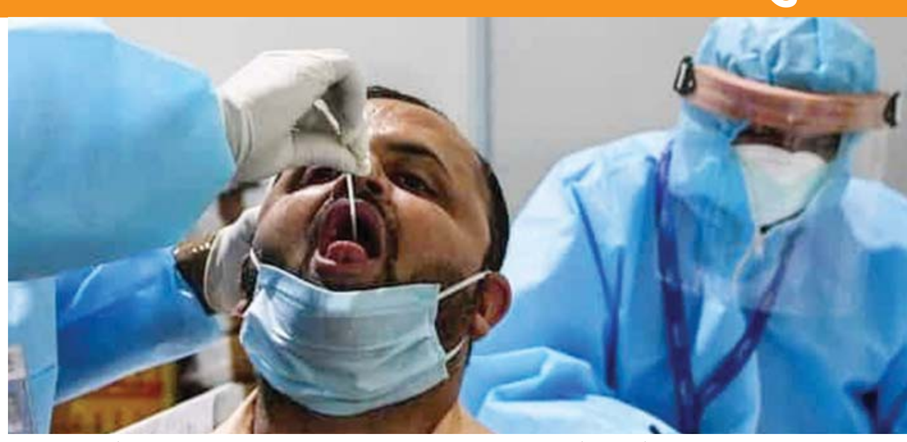

जिले में अब तक 3 लाख 41 हजार कोरोना के नमूने लेकर जांच की गई है। जिसमें 15865 नमूनें पॉजिटिव आये हैं। सबसे ज्यादा 2 लाख 66 हजार एंटीजन टेस्ट के नमूने हैं। आरटीपीसीआर के 58 हजार 869 और ट्रूनाट के 15750 सैंपल इसमें शामिल हैं। फिलहाल प्रतिदिन लगभग ढाई-तीन हजार लोगों के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ खेमराज सोनवानी ने बताया कि जिले में फिलहाल 36 स्वास्थ्य केन्द्रों पर जांच की सुविधा है। राज्य सरकार की ओर से इन केन्द्रों पर मुफ्त जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि विकासखण्ड बलौदाबाजार, भाटापारा, सिमगा और बिलाईगढ़ में 5-5 जांच केंद्र, कसडोल में 7 तथा पलारी में 9 जांच केन्द्र स्थापित हैं। जिला मुख्यालय बलौदाबाजार के जिला अस्पताल सहित सीएचसी लवन और पीएचसी लाहोद, अर्जुनी और रिसदा, भाटापारा विकासखण्ड के सिविल अस्पताल भाटापारा, रेलवे स्टेशन भाटापारा,पीएचसी निपनिया, मोपक और मोपर, सिमगा विकासखण्ड के सीएचसी सिमगा एवं सुहेला तथा पीएचसी हथबन्ध, दामाखेड़ा और रोहरा, पलारी विकासखण्ड के सीएचसी पलारी और पीएचसी ओडान, कोसमन्दी, रोहांसी, जर्वे, लच्छनपुर, दतान प, गिधपुरी एवं संडी बुङ्गला, कसडोल विकासखण्ड के सीएचसी कसडोल, पीएचसी कटगी, बरपाली, अर्जुनी ब, राजादेवरी, बार नवापारा, सोनाखान, बिलाईगढ़ विकासखण्ड के सीएचसी बिलाईगढ़, पीएचसी पवनी, भटगांव, सरसीवां एवं गोपालपुर शामिल हैं। सीएमएचओ डॉ सोनवानी ने कोरोना के संबंध में जरा सी भी शंका होने पर उक्त केन्द्रों पर पहुंचकर जांच करा लेने का आग्रह किया है।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनाई गई

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय बलौदाबाजार में डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर पूर्व विधायक एवं जिलाध्यक्ष भाजपा डॉ. सनम जांगड़े, वरिष्ठ नेता एवं जिलाध्यक्ष साहू संघ धनंजय साहू, बलौदाबाजार शहर मंडल अध्यक्ष संकेत शुक्ला ने कोरोना वायरस महामारी के चलते सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए एवं मास्क लगाकर जिला भाजपा कार्यालय पहुंचकर डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर दीप, पुष्प एवं माल्यार्पण किया।

सर्व आदिवासी समाज जिला अध्यक्ष भूपेंद्र ध्रुवंशी ने कोरोना संक्रमण से बचने के लिए की अपील

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

आज पूरा देश कोरोनावायरस संक्रमण जैसी महामारी से जूझ रहा है और हम सभी जानते हैं कोरोना संक्रमण देश के साथ छत्तीसगढ़ प्रदेश में तेजी से जिला बलौदाबाजार में भी कहर दिखाना प्रारंभ कर दिए है ऐसे में अपने और अपने परिवार की सुरक्षा करना कर्तव्य ही नहीं दायित्व बनता है नही तो फिर इसका अंजाम भयंकर रूप मे प्रदर्शित हो सकता है। आज दिनों दिन कोरोना संक्रमण के मरीज बढ़ते नजर आ रहे हैं आने वाले भविष्य के लिए मानव समाज को विभिन्न समस्याओं से भी जुझना पड़ सकता है। शासन प्रशासन स्वास्थ्य विभाग पुलिस विभाग एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी अपने जान जोखिम में डालकर आम जनता की देखरेख के लिए इस महामारी से पीड़ित व्यक्ति की सेवा में लगे हुए हैं ऐसे विषम परिस्थिति से निपटने के लिए तत्पर तैयार है हम

इनका सम्मान करते है आभार प्रकट करते है और अपील करते हैं कि इस वैश्विक महामारी कोरोना से बचने के लिए शासन के दिशा निर्देश गाइडलाइन पर चले भीड़भाड़ वाले जगहों में जाने से बचे, मास्क का उपयोग करें, दो गज की दुरी बनाये, सेनेटाइजर का उपयोग करे, साबुन से हाथ धोते रहे, घर पर रहे सुरक्षित रहे। अपने आसपास के जरूरतमंदों की मदद जरूर करें अगर आपकी उम्र 45 से अधिक है तो वैक्सीन जरूर लगायें।

कोरोना को लेकर आदिवासियों में वहम

आदिवासी समाज में कोरोना को लेकर अनेक प्रकार की भ्रांतियां देखने को मिलता है जैसे लोगों में चर्चाएं हैं कि आदिवासियों को कोरोना नहीं होता तो कहना है चाहते है कि इस वैश्विक महामारी कोरोना किसी भी जाति समुदाय धर्म को नहीं देखा जाता सब पर हावी हो रहा है जानकारों के मुताबिक शरीर के इम्यूनिटी के ऊपर प्रभाव पड़ता है आज आदिवासीयों की जल जंगल जमीन समाप्त हो रहा है तो प्राकृतिक आजीविका किस रूप से होगा आज प्राकृतिक संसाधन से ज्यादा आधुनिक भागदौड़ की जिंदगी में खान पान रहन सहन व्यतीत कर रहे हैं तो जिस प्रकार अन्य और शहरों में गांव में निवासरत हैं तो उसी प्रकार सभी की शारीरिक बनावट ढांचा स्वरूप ढला जा रहा है तो अन्य व्यक्ति यों को भी कोरोना हो रहा है तो आदिवासियों को भी हो सकता है इसलिए सतर्क रहने की आवश्यकता है दिग्भ्रमित ना हो सतर्क रहें सुरक्षित रहे सभी गाइडलाइन का पालन करें।

इस अवसर पर इन्होंने भी की अपील

सर्व आदिवासी समाज के प्रांत उपाध्यक्ष कमलेश ध्रुव, प्रान्त उपाध्यक्ष युवा प्रभाग सहदेव सिंह सिदार, संयुक्त सचिव बोधीलाल कत्थाकार, महिला प्रभाग संयुक्त सचिव भूमिका बोधिलाल कत्थाकार, प्रान्त संयुक्त सचिव सतीश नेताम, संरक्षक टेक सिंह ध्रुव, प्रताप नाग, जिलाध्यक्ष भूपेंद्र ध्रुवंशी, उपाध्यक्ष भानु ध्रुव, मनोहर ध्रुव,नन्द कुमार पैकरा,सचिव थानू ध्रुव, सहसचिव अभय ध्रुव,नर सिंग नेताम, कोषाध्यक्ष दयाराम ध्रुव, मीडिया प्रभारी काशी ध्रुव, रूपेश नागवंशी, युवा प्रभाग संरक्षक अमर मण्डावी, सदस्य मनोहर ध्रुव, रामायण ध्रुव, पुनाराम मण्डावी, नीलकण्ठ छेदेहा ने लोगों से अपील की है।

नपं अध्यक्ष ने जनता के नाम दो आक्सीजन मशीनें उपलब्ध कराई

पायनियर संवाददाता < पिथौरा
www.dailypioneer.com

नगर पंचायत अध्यक्ष आत्माराम यादव ने कहा करुणा के वैश्विक महामारी के विकट समय में अस्पतालों में दान सहयोग की आवश्यकता है, गंभीर अवस्था में मरीजों के लिए ऑक्सीजन की मांग है । आज नगर पंचायत अध्यक्ष ने पिथौरा नगर की क्षेत्र की जनता के नाम दो ऐसी मशीनें उपलब्ध कराई जो जीवनदायिनी ऑक्सीजन बनाने की दो मशीन (ऑक्सी कॉंसेन्ट्रेटर) किट सहित पांच नग अक्सीजन सिलेंडर एवम मरीजो के लिए 25 नग गद्दा तकिया चादर सेट शासकीय अस्पताल के प्रबंधक को सौंपा, मानव हितकारी समान सौपते हुए अध्यक्ष आत्माराम यादव ने अपील की है कि कोरोना संक्रमण काल का यह समय बेहद सचेत रहने का है अपनो का खयाल रखने का है, वही ऐसे समय में जो कोई भी व्यक्ति, व्यापारी मानव जीवन के लिए सहयोग करना चाहे वह बढ़-चढ़कर सहयोग करें, चूंकि मानव सेवा ही माधव सेवा है

ज्ञात हो कि पूर्व लॉकडाउन में भी नप अध्यक्ष द्वारा नर सेवा नारायण सेवा समिति बना कर अनेक घरों व अन्य राज्य से आये ड्राइवर व श्रमिको को भोजन व ठहरने की व्यवस्था कराई थी। जो अनुकरणीय रही।

इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष आत्माराम यादव उपाध्यक्ष दिलप्रीत सलूजा पार्षद किरू पटेल तरुण पटेल आकाश महंती सहित अनुविभागीय अधिकारी राकेश कुमार गोलछा तहसीलदार टीकाराम देवांगन नायाब तहसीलदार लहरी जनपद सीईओ प्रदीप प्रधान नगर पंचायत सीएमओ गुप्ता एवं खंड चिकित्सा अधिकारी तारा अग्रवाल उपस्थित रही।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अभनपुर में दबोचा

बेटे ने दादी और पिता की हत्याकर, मां की साड़ी पहनकर हुआ था फरार

पायनियर संवाददाता < धमतरी
www.dailypioneer.com

धमतरी में हुये डबल मर्डर की गुत्थी को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। इस दोहरे हत्याकांड का आरोपी कोई और नहीं बल्की मृतकों का बेटा ही निकला है। आरोपी ने मामूली सी बात पर अपने पिता और दादी की लकड़ी से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी और पकड़े जाने के डर से अपनी मां की साड़ी पहनकर मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने शातिर हत्यारें को अभनपुर के सातपारा से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम महेश वर्मा है।

जानकारी के मुताबिक घटना मगरलोड थाना क्षेत्र के करेली बड़ी चौकी की है। बुधवार की सुबह ग्राम चंदना के एक घर में पन्नालाल वर्मा (50) और उसकी मां त्रिवेणी वर्मा (80)का शव पाया गया था। दोनों के शव खून से लथपथ थे और शरीर में कई चोट के निशान भी पाये गये थे। घटना के बाद आसपास के पड़ोसियों ने इसकी शिकायत मगरलोड थाने में दर्ज करायी थी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को हत्या से जोड़ कर इसकी जांच शुरू की। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि मृतक पन्ना लाल साहू का एक बेटा भी है जिसका नाम महेश वर्मा (25) है और घटना के बाद से ही वो घर से गायब है। पुलिस ने बेटे को संदेही मानकर उसकी खोज शुरू की। इस दौरान अभनपुर में उसके होने की जानकारी मिली। मुखबीर की सूचना पर पुलिस ने संदेही महेश वर्मा को अभनपुर से गिरफ्तार किया और उससे कड़ाई से पूछताछ की गयी।

पूछताछ में आरोपी ज्यादा देर तक पुलिस को गुमराह नहीं कर पाया और उसने अपने पिता और दादी की हत्या करने की बात कबूल कर ली। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि मंगलवार की रात वो पानी पीने के लिए उठा था। इस दौरान दादी से विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने सामने रखे लकड़ी के पाटे से दादी को पीटना शुरू कर दिया। ये देख जब उसका पिता बीच बचाव के लिए आया तो उस पर भी उसी लकड़ी के पाटे से हमला कर दिया। हमले में दादी और पिता की मौके पर ही मौत हो गयी, जिसके बाद आरोपी गांव वालों को चकमा देने के लिए अपनी मां की साड़ी पहन कर रात में ही फरार हो गया था। फिलहाल सायबर सेल की मदद से आरोपी को अभनपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई मगरलोड थाना पुलिस कर रही है।

आरोपी को पकड़ने में चौकी प्रभारी संतोष साहू ,एएसआई मोहन निषाद, आरक्षक बलराम सिन्हा, मनोहर गायकवाड़, फलेन्द्र साहू, संतोष यादव, वीरेंद्र सोनकर, गणपत डिंडोलकर शामिल रहे।

लॉक डाउन का कड़ाई से पालन कराते हुए प्रशासनिक अधिकारी

पायनियर संवाददाता < पिथौरा
www.dailypioneer.com

जिले में लॉक डाउन का कड़ाई से पालन कराते हुए प्रशासन द्वारा स्थानीय बार चौक में आवागमन करने वालों राहगीरों से रोककर पूछताछ किया गया, अनावश्यक घूम रहे लोगों पर जुर्माने की कार्यवाही की गई।

महासमुंद जिले में लॉक डाउन के बावजूद अनावश्यक घूम रहे लोगो पर स्थानीय प्रसाशन सख्त हुआ, अनुविभागीय अधिकारी पुपलेश पात्रे के नेतृत्व में राजस्व विभाग व थाना प्रभारी केशव कोसले समेत जवानों के साथ पैदल मार्च किया, मार्च के दौरान घूम रहे लोगो पर पुलिस विभाग रोक कर पूछताछ की, ज्यादातर लोगों ने स्वास्थ्यकारण घूमना बताया ऐसे लोगों को हिदायत के साथ छोड़ दिया गया वही अनावश्यक घूमते लोगों पर नप द्वारा चलानी कार्यवाही की गयी, उल्लेखनीय हो कि लॉकडाउन के बावजूद नगर में बड़ी संख्या में लोग आवागमन कर रहे है, चौक चौराहों लोग भीड़ बना कर खड़े रहते है, अनेक वार्डो में अभी भी जागरूकता की कमी है लोग मोहल्लों में झुंड लगा कर वैठ रहे है, आज एसडीओपी पुपलेश पात्रे के नेतृत्व में स्थानीय बार चौक में भी सुबह से घूमने वालों को रोककर उठक बैठक कराया साथ ही चलानी कार्यवाही भी की गई। एसडीओपी पुपलेश पात्रे ने बताया कि लॉक डाउन में आवश्यक दवाई हेतु स्थानीय प्रीत मेडिकल व कौशल मानिकपुरी से होम डिलिवरी दवाई मंगाई जा सकती है, अनावश्यक कार्य के बिना घरों से न ही निकले किसी भी विपरीत परिस्थिति में स्थानीय पुलिस आपकी सेवा के लिये तैनात है।

ऑक्सीजन बंदोबस्त के लिए डीएमएफ फंड से 1.5 करोड़ स्वीकृत, प्रभारी मंत्री ने ली बैठक

सीएमएचओ ने जिले के 12 कोविड सेंटरों के लिए उपकरणों की मांग की

पायनियर संवाददाता < जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

नोवल कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। जिले में बुधवार को रिकॉर्ड 460 पॉजीटिव केस सामने आने से लोगों में हड़कंप मच गया है। जिले के हालात को देखते हुए प्रदेश के खाद्य मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत ने आपातकालीन बैठक ली और जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार के लिए हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। ऑनलाइन बैठक के दौरान उन्होंने कोविड केयर सेंटर के लिए खनिज न्यास निधि संस्थान से 1 करोड़ 50 लाख की स्वीकृति दी है। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले में 01 ई.सी.टी.सी केन्द्र एवं जिला के विधानसभा क्षेत्र जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव अंतर्गत जिले के कुल 12 कोविड केयर सेंटर के लिए कोविड-19 कोरोना वायरस के उपचार में सहायक होने वाले उपकरण की मांग की, जिससे कोविड 19 के संभावित मरीजों को बेहतर इलाज एवं स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराया जा सके। जिस पर प्रभारी मंत्री भगत ने तत्काल खनिज न्यास निधि मद से 80 ऑक्सीजन कॉन्सेन्टेटर, 10 हाईफ्लो नोजल कैनुला डिवाईस, 500 डी टाईप आक्सीजन सिलेन्डर, 100 बी टाईप आक्सीजन सिलेन्डर, 2 मोबाईल एक्स-रे मषीन 100 एमए तथा 250 आक्सीजन फ्लो मीटर के लिए 1 करोड़ 50 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की है।

रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश

खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग और जिले के प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत ने गुरूवार को मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से खनिज न्याय निधि मद और शासी परिषद कार्यकारिणी की समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर संसदीय सचिव और कुनकुरी विधायक यूडी मिंज जशपुर विधायक विनय भगत कलेक्टर महादेव कावरे वनमण्डलाधिकारी कृष्ण जाधव अजय गुप्ता, जशपुर एसडीएम आकांक्षा त्रिपाठी जनप्रतिनिधि और संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि जशपुर जिले में कोरोना संक्रमण से लोगों को बचाने के लिए हर संभव प्रयास हम सभी को करना होगा और जरूरत मंद मरीजों को तत्काल स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करानी होगी। उन्होंने कलेक्टर से मरीजों के लिए उपलब्ध दवाई, टिकाकरण के लिए उपलब्ध वैक्सीन डॉक्टरों की उपलब्धता और स्वास्थ्य विभाग में अन्य स्टाफ की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कोरोना काल को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग में रिक्त डॉक्टर और अन्य कर्मचारियों के लिए विज्ञापन शीघ्र निकाले संविदा के माध्यम से शीघ्र भरने के निर्देश दिए हैं ।

तत्काल खरीदें सामान

उन्होंने कहा कि लोगों की सुविधा के जिला अस्पताल के कोविड केयर सेंटर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आइसोलेशन वार्ड, क्वारेईंटाइन सेंटर के जरुर की मशीन की आवश्यकताओं हैं तो शीघ्र खरीदें और लोगों को मदद पहुंचाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि कोरोना को देखते हुए राज्य शासन भंडार क्रय नियम में शिथिल किया गया है। मरीजों की सुविधा को देखते हुए जरूरी स्वास्थ्य मशीन खरीदी की जा सकती है।

यूडी मिंज ने मांगे डॉक्टर

कुनकुरी विधायक और संसदीय सचिव यू डी मिंज ने प्रभारी मंत्री को अवगत कराया कि कुनकुरी के होली क्रॉस अस्पताल में मरीजों के इलाज के लिए डाक्टर और कर्मचारियों की भी आवश्यकता पड़ेगी। उन्होंने जशपुर जिले के लिए एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ एक रेडियोलॉजिस्ट, एनीथीसिया डाक्टर की भी मांग की ताकि लोगो को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके। जशपुर विधायक विनय भगत ने कहा कि कोरोना संक्रमण की सुरक्षा को देखते हुए लोगों को पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा और हर संभव मदद की जाएगी ताकि जरूरतमंद लोगों तत्काल मदद पहुंचाई जा सके।

932 बेड हैं अभी खाली

कलेक्टर महादेव कावरे ने प्रभारी मंत्री को अवगत कराते हुए बताया कि जशपुर जिले के कोविड केयर सेंटर में लगभग 1200 बेड की सुविधा उपलब्ध है। 281 बेड भरे हैं और वर्तमान में 932 खाली बेड है। 2347 कोविड सक्रिय मरीज हैं। साथ जरूरमंद मरीजों को सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जा रही है।

फल, सब्जी किराना व्यवसाय का समय सुबह 8 से 10 बजे तक

पायनियर संवाददाता < कुरुद
www.dailypioneer.com

सम्पूर्ण जिले में 11 से 26 अप्रैल तक सम्पूर्ण लॉक डाउन किया गया है। जिसमें फल, सब्जी किराना व्यवसाय खोलने का समय सुबह 8 से 10 बजे तक निर्धारित किया गया है। किंतु नगर पंचायत कुरूद की टीम द्वारा नगर निरीक्षण में हरिओम किराना व्यवसायी द्वारा दोपहर 01 बजे तक दुकान खोलकर सामग्री विक्रय करते पाया गया जो प्रशासन के आदेशो का स्पष्ट उल्लंघन है। उक्त व्यवसायी पर कड़ी कार्यवाही करते हुए 300 रुपये का अर्थदण्ड आरोपित किया गया।

निरीक्षण टीम में सीएमओ मनोज जायसवाल, सनत चन्द्राकर, राजेन्द्र साहू, उमो साहू, गुलाब बघेल, सतीश सिन्हा, विजय यादव, विकास चन्द्राकर, मुकेश पवार शामिल रहे। सीएमओ कुरुद ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण की बढ़ती संख्या को देखते हुए नगर पंचायत प्रशासन द्वारा प्रतिदिनशासन के निर्देश का पालन सुनिचित कराने हेतु अमले के साथ निरीक्षण व मुनादी के माध्यम से प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है साथ ही नागरिकों को कोरोना के लक्षण (सर्दी, बुखार, खासी आदि) होने पर कोविड टेस्ट कराने, तथा मास्क का उपयोग करने, सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने की समझाईश दी जा रही हैं। निकाय क्षेत्रान्तर्गत वार्डो में पॉजीटीव मरीज मिलने पर उनके घर जाकर शासनसन के निर्धारित मापदण्ड अनुसार होम आईसोलेन सुविधा का सत्यापन निकाय कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। जिन मरीजों के यहां पर्याप्त सुविधा नहीं है उन्हें नगर में स्थापित कोविड सेंटर में रखे जाने की व्यवस्था निकाय द्वारा की गई है। बावजूद कुछ लोग शासन के नियमो की धज्जियां उड़ा रहे है।

बाबा अंबेडकर की 130 वीं जयंती प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

पायनियर संवाददाता < भिलाईनगर
www.dailypioneer.com

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में बीती शाम से लेकर बुधवार की सुबह तक भिलाई निगम क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमाओं की साफ-सफाई कराई गई और स-सम्मान प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। बढ़े हुए कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन के चलते अंबेडकर अनुयायियों ने घर पर रहकर 130 वीं जयंती मनाई। निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी के निर्देश पर चौक-चौराहों पर स्थापित सभी मूर्तियों व स्थल के आस पास सफाई व धुलाई कराई गई! जहां अंबेडकर के अनुयायियों ने महज कुछ लोगों की उपस्थिति में कोविड नियमों का पालन करते हुए फूल, माला अर्पित करते हुए कैंडल जलाया साथ ही अपने प्रसाद स्वरूप खीर पूरी अर्पण किया गया! डॉ. भीमराव अंबेडकर की 130 वीं जयंती मनाई गई! कोरोना वायरस के रोकथाम के लिए लगाए गई लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए अंबेडकर अनुयायियों ने अपने-अपने घरों में ही बाबा अंबेडकर जी की जयंती मनाई! भिलाई निगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर डॉ. अंबेडकर जी की प्रतिमाएं स्थापित है, जहां पर सुबह से ही निगम के स्वच्छता अमला पहुंचा और वहां प्रतिमाओं की धुलाई और आसपास की सफाई की, साथ ही परिसर की सफाई कर चूना मार्किंग किया गया। निगम प्रशासन द्वारा नेहरू नगर, स्मृति नगर, कोसा नगर, अंबेडकर चौक पावर हाउस, जवाहर मार्केट, पावर हाउस, बौद्ध विहार सेक्टर 6, कोसा नगर, वार्ड 04 कृष्णा नगर, वार्ड 36 गौतम नगर, वार्ड 29 बापूनगर, कैंप 1 हाउसिंग बोर्ड सहित अन्य स्थानों में स्थापित प्रतिमाओं की सफाई और माल्यार्पण किया गया।

अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति के लिए मंगाए गए आवेदन

जगदलपुर। बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखंड को छोड़कर समस्त 06 विकासखंडों में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय का संचालन शैक्षणिक सत्र 2021-22 से किया जाना है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इस अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में स्वीकृत प्रधान अध्यापक प्राथमिक शाला, प्रधान अध्यापक माध्यमिक शाला, सहायक शिक्षक, शिक्षक, व्याख्याता, सहायक शिक्षक विज्ञान, व्यायाम शिक्षक आदि पदों पर जिले में कार्यरत शासकीय शिक्षक संवर्ग से पदवार, विषयवार प्रतिनियुक्ति पर कार्य किए जाने हेतु विकासखंड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से आवेदन पत्र 26 अप्रैल 2021 तक आमंत्रित किये गए है। अंग्रेजी माध्यम शालाओं में शिक्षक संस्कृत व हिन्दी तथा व्याख्याता संस्कृत व हिन्दी विषय को छोड़कर शेष समस्त विषयों में शिक्षकों के चयन हेतु उनकी समस्त शैक्षणिक योग्यता अंग्रेजी माध्यम से होनी आवश्यक है।

विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ ने राहगीरों को किया निः शुल्क मास्क वितरण

पायनियर संवाददाता < सरायपाली
www.dailypioneer.com

कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए शासन प्रशासन द्वारा सभी लोगों को मास्क लगाने की अनिवार्यता लोगों को समझाइश देते हुए विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ द्वारा सरयपाली नगर में बिना मास्क लगाए हुए राहगीरों को निःशुल्क मास्क वितरण किया गया।

साथ ही लोगों को कोरोना के फैलते प्रभाव ध्यान रखते हुए अति आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलने एवं बाहर निकलने पर मास्क आवश्यक रूप से लगाने एक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए एवं साबुन से हर आधा घंटा एक घंटा में हाथ धोते रहने एवं शासन प्रशासन द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों का पालन करने हेतु लोगों को समझाइश देते हुए नगर में घूम घूम कर लोगों को जो बिना मास्क इधर से उधर जा रहे थे। उन्हें रोककर मास्क देते हुए उक्त समझाइश दिया गया। मास्क वितरण के इस कार्यक्रम में विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ महासमुंद की अध्यक्ष भावना तरुण शर्मा, सचिव राधा शर्मा, सह सचिव लक्ष्मी शर्मा, एवं महामंत्री रेनू शर्मा उपस्थित रहे। उनके इस अनुकरणीय पहल से लोगों द्वारा मास्क लगाने का वादा करते हुए विप्र फाउंडेशन की सराहना की है।

मधु कांत दीक्षित भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त

बलौदाबाजार। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की सहमति प्रदेश संयोजक भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ लाभचंद बाफना द्वारा प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिला संयोजक सहसंयोजको की घोषणा की गयी है जिसमें बलोदा बाजार निवासी मधु कांत दीक्षित को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया है नीति पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मरीजों के लिए 128 बिस्तर उपलब्ध

जगदलपुर। डिमरापाल स्थित शासकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कोरोना मरीजों के लिए 128 बिस्तर उपलब्ध हैं। यहां कोरोना मरीजों के उपचार के लिए आरक्षित 200 बिस्तरों में से 72 बिस्तरों पर मरीजों को भर्ती किया गया है। इनमें 30 मरीजों को आक्सीजन सुविधा युक्त बिस्तर, 10 मरीजों को हाई डिपेंडेंसी यूनिट, आठ मरीजों को आईसीयू और 25 मरीजों को बिना ऑक्सीजन वाले बिस्तरों में भर्ती की गई है।

एक महीने से बंद है पंप, मनोरावासी पेट्रोल लेने जशपुर का लगा रहें चक्कर

लावा पंप के 8 लोगों ने शराब के नशे में पेट्रोल टैंकर, चालक के साथ की मारपीट, 6 महीने के लिए पंप सील

पायनियर संवाददाता < जशपुर/मनोरा
www.dailypioneer.com

कोरबा के इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशनन आईओसी से पेट्रोल टैंकर में भरकर जशपुर जिला के मनोरा विकासखंड मुख्यालय में स्थित लावा पेट्रोल पंप में पेट्रोल लाने वाले चालक को टैंकर से पेट्रोल चोरी कर लेने का आरोप लगाते हुए पेट्रोल पंप में काम करने वाले कर्मचारियों ने बेदम पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि पिटाई करने वाले कर्मचारी शराब के नशे में धुत थे। पिटाई से घायल टैंकर चालक ने घटना की जानकारी अपने यूनियन को कोरबा में डीपो में दी जिसके बाद हड़कंप मच गया। टैंकर चालक यूनियन ने हड़ताल घटना को लेकर तीन दिनों तक हड़ताल कर दिया और पेट्रोल पंप के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और पंप को सील करने की मांग पर अड़ गए। यूनियन का बढ़ते दबाव को देखते हुए मनोरा स्थित लावा पेट्रोल पंप को सील कर दिया गया। अब यूनियन का कहना है कि पेट्रोल पंप को खोलने की अनुमति तभी दी जाएगी जब संचालक कोरबा आकर पीड़ित ड्राईवर से सबके सामने माफी मांगेगे।

13 मार्च की है घटना

मनोरा विकासखण्ड में एक महीने से पेट्रोल पंप बंद है। पेट्रोल के लिए लोग परेशान हैं और पेट्रोल के लिए उन्हें जशपुर जाना पड़ रहा है। घटना 13 मार्च की है, जब टैंकर चालक सुनील पाल आईओसी कोरबा डीपो से टैंकर लेकर खाली कराने मनोरा पहुंचा तभी ड्राइवर को पेट्रोल पंप के स्टॉफ ने पेट्रोल कम होने का आरोप लगाकर मारपीट किया। इतना ही नहीं टैंकर ड्राइवर को बंदी बनाकर रात भर रखा गया था। पेट्रोल पंप की मालिक का कहना है कि टैंकर से पेट्रोल लगातार चोरी होता है जिसका नुकसान हमें भरना पड़ता है।

> पेट्रोल चोरी होने की जानकारी मिलने के बाद से उसकी हम लगातार रेकी कर रहे थे। कोरबा डीपो के सामने से ड्राइवर को पकड़कर लाए डीपी-3 टैंकर ड्राइवर का कहना था कि मुझे छोड़ दो मेरा 6 माह से वेतन नही मिला है। सुबह जब हुई तो टैंकर ड्राईवर नाश्ते के बहाने बाहर निकला और फरार हो गया। चारो दिशा खोजबीन करने पर भी उसका पता नहीं चल पाया।
>
> **अनिकेत बैरागी,** संचालक लावा पेट्रोल पंप

> लावा पेट्रोल पंप के कर्मचारियों ने हमारे टैंकर ड्राइवर साथी सुनील के साथ बेरहमी से मारपीट कर उसे घायल किया है। हमारे यूनियन ने उनके खिलाफ कोरबा में अपराध दर्ज कराया है और पंप को 6 माह के लिए सील कराया है।
>
> **ओमप्रकाश यादव,** टैंकर चालक यूनियन सदस्य कोरबा

कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश, रेमडेसिवीर की कालाबाजारी हुई तो होगी सीधे जेल

पायनियर संवाददाता < दुर्ग
www.dailypioneer.com

-अस्पतालों को उपयोग के लिए मिले स्टॉक की प्रतिदिन ऑडिट करेंगे नोडल अधिकारी

- होगी सख्त मॉनिटरिंग, कलेक्टर ने दिए नोडल अधिकारियों को निर्देश

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं कि रेमडेसिवीर की कालाबाजारी का कोई भी मामला संज्ञान में आए तो संबंधित व्यक्ति को सीधे जेल भेजने की कार्रवाई की जाए।

कलेक्टर ने अस्पताल प्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि मरीजों के परिजनों को वर्तमान में उपलब्ध नहीं होने की वजह से मेडिकल स्टोर्स के लिए रेमडेसिवीर की पर्ची लिखकर ना दें। उपलब्ध होते ही इसकी सूचना जारी कर दी जाएगी। अस्पतालों को जितना स्टॉक उपयोग के लिए दिया गया है उसका उपयोग करें। स्टॉक की कालाबाजारी होने की किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा ऐसी जानकारी मिलने पर सीधे जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी। नोडल अधिकारी हर दिन अस्पताल में इस दवा के स्टॉक की ऑडिट करेंगे, किसी भी तरह की अनियमितता मिलने पर सूचना देंगे और ऐसा पाए जाने पर सीधे जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्टॉक विक्रय के लिए उपलब्ध होने पर इसकी सूचना नागरिकों को दी जाएगी अतः नागरिक बाजार में रेमडेसिवीर दवा खरीदने ना पहुंचे।

डाइटिशियन के मुताबिक फलों व सब्जियों से सबसे ज्यादा प्रोटीन और विटामिन मिलता है

मौसमी फलों के बिना कैसी इम्यूनिटी, त्योहारी सीजन में लोगों को नहीं मिल रहे हैं फल

पायनियर संवाददाता < सरायपाली
www.dailypioneer.com

शहर में लॉकडाउन लगने से बाजार बंद है । इस बार सब्जी बाजार भी बंद है। और फल दुकानों को भी भीड़ को देखते हुए बंद रखा गया है ।यह बढ़ते संक्रमण की रोकथाम के लिए तो वाजिब है। लेकिन कोरोना से पीड़ति लोगों के साथ इस दौर में बुजुर्ग व बच्चों आदि पर भारी पड़ रहा है। डाइटिशियन के मुताबिक फलों व सब्जियों से सबसे ज्यादा प्रोटीन और विटामिन मिलता है। इन्हीं के सेवन से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है ।लेकिन सब्जी बाजार व फल व्यवसाय भी बंद होने से लोगों को सब्जियां व फल नहीं मिल पा रहे हैं .जबकि कोरोना पीड़ति अस्पतालों में उपचारर्थ व घरों में आइसोलेट है। जिन्हें इन की सख्त जरूरत है। कोरोना कॉल मैं सामान्य बुजुर्ग बच्चों व बीमार हुआ गर्भवती महिलाओं को भी फलों का सेवन जरूरी है ।इसके अलावा इन दिनों नवरात्रि पर्व व रमजान का महीना चल रहा है। जिसमें भी व्रत धारियों को फलों की दरकार है। जानकारों का कहना है कि लाक डाउन जारी रहते हुए इसके लिए कोई विकल्प उपाय करने की जरूरत है। नवरात्रि एवं रमजान के सीजन में सीजन युक्त फलों के कारोबार पर तालाबंदी का व्यापक असर देखने को मिल रहा है। जबकि लॉकडाउन लगने के बाद से ही त्योहारी सीजन धार्मिक अनुष्ठानों मरीजों व घरेलू पारिवारिक कार्यक्रमों का काफी महत्व रहता है। इसके चलते फलों की काफी डिमांड होने के चलते जरूरतमंदों की पूर्ति में बहुतायत कमी देखने को मिल रहा है।

नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में सीजन युक्त फलों को लेकर मारामारी की स्थिति नजर आ रही है। आम नागरिक मौसमी फलों के लिए दर दर भटकते देखे जा रहे हैं। गौरतलब हो कि नवरात्रि में उपवास रखने वाले श्रद्धालुओं एवं रमजान में रोजा रखने वाले रोजेदारों के लिए मौसमी फल ही जरूरी होता है। इसमें सेब ,अंगूर, अनार, नाश पत्ती ,मोसंबी, संतरा, केला ,पपीता ,आम, इत्यादि धार्मिक, अनुष्ठानों में काफी उपयोगी होता है। इसके साथ ही मरीजों के लिए काफी फायदेमंद व महत्वपूर्ण माना जाता है। कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के चलते लॉक डाउन का दौर चल रहा है। जिसमें अब फलों की मार ने फल प्रेमियों की चिंता बढ़ा दी है। क्योंकि लॉकडाउन लगे होने से फलों का आयात बंद व प्रभावित है। विभिन्न बीमारियों के रोगियों की जरूरत की पूर्ति के लिए आम नागरिक दूर-दूर तक फलों को ढूंढते फिर रहे हैं ।

जो लॉकडाउन एक बड़ी मुसीबत बन चुका है। इससे अंततः स्थानीय व क्षेत्रीय फलों से ही काम चलाना पड़ रहा है। इसमें मुख्य रूप से तरबूज, खरबूजा, केला, ककड़ी ,पपीता इत्यादि ही अभी ग्रामीण परिवेश में जरूरतमंदों के लिए मिल रहे हैं ।लेकिन मौसमी फल आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चुका है।

बड़े भाई ने छोटे भाई की धारदार हथियार से कर दी हत्या

पायनियर संवाददाता < सरायपाली
www.dailypioneer.com

शहर से लगभग 20 किलोमीटर दूर थाना सिंघोड़ा से 7 किलोमीटर दूर घरेलू विवाद के चलते अंचल के ग्राम मुरमुरी में बड़े भाई ने छोटे भाई की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी। हत्या के बाद फरार आरोपी अब पुलिस की गिरफ्त में हैं। मिली जानकारी के अनुसार 14 अप्रैल को सुबह 8 बजे ग्राम मुरमुरी निवासी सुभाष पिता चित्रसेन बरिहा (22) की उसके बड़े भाई बिरेश बरिहा (24) ने घरेलू विवाद में बसूला (बढ़ाई औजार) से पीठ पर वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल सुभाष को 112 की सहायता से सरायपाली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां उसकी मृत्यु हो गई। बहरहाल सिंघोड़ा पुलिस ने हत्या का अपराध दर्ज कर आरोपी को अपनी गिरफ्त में ले लिया है।

कलेक्टर ने टीकाकरण कार्य में अनुपस्थित शिक्षक को किया निलंबित

जगदलपुर। कलेक्टर रजत बंसल ने कोरोना टीकाकरण कार्य में अनुपस्थित सहायक शिक्षक को निलंबित कर दिया है। बास्तानार विकासखण्ड के बोदेनार माध्यमिक शाला में पदस्थ सहायक शिक्षक मनीराम नेताम की ड्यूटी पांच अप्रैल को टीकाकरण अधिकारी क्रमांक-2 के रुप में कोविड सेंटर प्री मेट्रिक बालक छात्रावास किलेपाल में लगाते हुए 6 अप्रैल तक तहसील के समक्ष अनिवार्य रुप से उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए गए थे। अपने इस दायित्व में उपस्थित नहीं होने पर सहायक शिक्षक को कलेक्टर द्वारा निलंबित कर दिया गया है।

संपादकीय

कोरोना का घातक हमला जीनोमिक परीक्षण आवश्यक

भारत में कोरोना के घातक हमले का कारण वायरस का नया स्ट्रेन हो सकता है। इसका पता लगाने के लिए ज्यादा जीनोमिक परीक्षण जरूरी है। कुछ सप्ताह पहले एक प्रेस बयान में सरकार ने घोषणा की थी कि एक बिल्कुल नया स्ट्रेन भारत में उभरा है जिसे 'दुहरे म्यूटेंट' का नाम दिया गया था। इसका कारण यह था कि कोविड-19 की स्पाइक प्रोटीन में न केवल एक, बल्कि दो बड़े परिवर्तन हुए थे जिनसे यह वायरस कोशिकाओं से जुड़ता है। इसके बाद से कुछ और विस्तृत विवरण सामने आए हैं, पर महामारी विज्ञानियों का मानना है कि संभवतः यह परिवर्तन ज्यादा संक्रामकता का कारण है जैसा कि ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और ब्रिटेन के अन्य स्ट्रेनों से सिद्ध हुआ है। अप्रैल के पहले दो सप्ताहों में यह लगभग निश्चित हो चुका है कि हालांकि, भारतीयों में संक्रमण की समुचित जीनोमिक टेस्टिंग हुई है, पर निश्चित रूप से यह नहीं कहा जा सकता है कि नया स्ट्रेन या संभवतः 'दुहरा म्यूटेंट' ही देश में कोरोनावायरस मामलों में असाधारण वृद्धि का जिम्मेदार है। वास्तव में अब भारत दुनिया का दूसरा सर्वाधिक प्रभावित देश बन गया है तथा संक्रमणों की बढ़ती संख्या ने ब्राजील को वैश्विक कोरोना रैंकिंग में तीसरे स्थान पर धकेल दिया है। डबुल म्यूटेंट का हमला 1950 दशक की एक हालीवुड फिल्म जैसा लगता है, पर शायद अब यह यथार्थ बन गया है। अब केवल इस तथ्य पर आधारित नहीं रहा जा सकता है कि पहले चीन के वूहान में जन्मे वायरस के नए म्यूटेंट मूल वायरस की तुलना में ज्यादा घातक हैं। तथ्य यह है कि जब कुल संख्या बहुत अधिक हो जाए तो कम मृत्यु दर महत्वपूर्ण नहीं रह जाती है, जैसा कि वर्तमान समय में हो रहा है। इसके परिणामस्वरूप मामले अभूतपूर्व रूप से बढ़ रहे हैं और इसके साथ मौतें भी बढ़ रही हैं।

स्वास्थ्य अधिकारियों तथा केन्द्र व राज्य सरकारों को इस बात से ज्यादा चिन्तित होना चाहिए कि हर सप्ताह लाखों भारतीयों को लगाई जाने वाली वैक्सीनों की वायरस के नए स्ट्रेनों, खासकर 'दुहरे म्यूटेंट' के खिलाफ प्रभावशीलता का समुचित परीक्षण नहीं हुआ है। हम निश्चित रूप से नहीं कह सकते हैं कि कोवीशील्ड या कोवैक्सिन या यहां तक की हाल ही में स्वीकृत स्पुतनिक वी या दुनिया में दूसरे स्थानों पर स्वीकृत वैक्सीनें नए स्ट्रेन के खिलाफ प्रभावी होंगी और बीमारी की संक्रामकता या गंभीरता रोकने में सफल होंगी। इनमें एमआरएनए आधारित फाइजर बायोन्टेक व माडर्ना वैक्सीनें शामिल हैं। शवदाह गृहों के पूरी क्षमता से काम करने और उनके उपकरण पिघलने या बेकार होने की खबरों के बीच भारत में जीवन संभवतः अपनी सामान्य गति से चल रहा है। वास्तव में हरिद्वार के कुंभ मेले में मनाया जा रहा उत्सव इस बात का संकेत है कि अनेक भारतीयों का विश्वास सरकार के बजाय ईश्वर के प्रति आस्था में अधिक है। इसके साथ ही सरकार के नेता पश्चिम बंगाल व अन्य स्थानों पर पूरी तरह चुनाव अभियान में लगे हैं, अतः ऐसे में धार्मिक आयोजनों में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं को दोषी कैसे ठहराया जा सकता है। भारत में रोज नए मामले रिकार्ड पैमाने पर बढ़ रहे हैं, पर अभी 15 सितंबर, 2020 को रिकार्ड 1,290 मौतों का आंकड़ा नहीं टूटा है। लेकिन वर्तमान गति जारी रहने पर कुछ ही समय बाद ऐसा भी हो सकता है। ऐसा खासकर कुंभ मेला समाप्त होने और श्रद्धालुओं के अपने घर लौट कर खतरनाक वायरस संपूर्ण भारत में फैलाने पर होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है।

किसानों को सीधे भुगतान जरूरी

राज्य को कृषि उत्पाद एवं मवेशी बाजार कानून, 2017 में संशोधन कर कमीशन एजेंटों के बजाय किसानों को वास्तव में सीधे भुगतान सुनिश्चित करना चाहिए।

सुखपाल सिंह
लेखक आईआईटी अहमदाबाद में प्रोफेसर हैं)

यदि पंजाब का मामला न होता तो देश के अधिकांश अन्य राज्यों की तरह किसानों को उनके उत्पाद के सीधे भुगतान का मामला सुर्खियों में स्थान न पाता। किसी खरीदार को विक्रेता और अपने बीच हुई सहमति के आधार पर भुगतान का अधिकार है जिसमें सीधे भुगतान भी शामिल है। वास्तव में पंजाब में हास्यास्पद रूप से भारतीय खाद्य निगम-एफसीआई जैसी सरकारी एजेंसियों द्वारा भी कृषि उत्पादों का भुगतान कृषि उत्पादन मंडी समिति-एपीएमसी व्यवस्था में कच्चा अढ़तिया-कमीशन एजेंट के माध्यम से किया जाता है। भारत सरकार ने राज्य से भुगतान प्रक्रिया केन्द्र के दिशानिर्देशों के अनुसार किसानों को सीधे आनलाइन करने का अनुरोध किया। 2018 से यह व्यवस्था सार्वजनिक वित्त प्रबंधन व्यवस्था-पीएफएमएस के अंतर्गत आती है। राज्य ने बार-बार अनेक कारणों से व्यवस्था में शामिल होने का समय बढ़ाया। एफसीआई खरीद खर्च कम करने के लिए अढ़तिया को खरीद प्रक्रिया से हटाना चाहती है। पंजाब में कपास किसानों को नए कृषि कानून लागू होने के बाद तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा क्रियान्वयन स्थगित करने से पहले पिछले खरीफ सीजन में अढ़तियों को कमीशन देने के बजाय सीधे भुगतान किया गया था।

पंजाब सरकार ने अब तक केन्द्रीय एजेंसियों को किसानों को सीधे भुगतान से रोका है। एपीएमसी कानून में 2013 के संशोधन के माध्यम से पंजाब सरकारों ने किसानों को सीधे भुगतान का विकल्प दिया था जिसकी मांग किसान यूनियनों ने की थी। लेकिन इसके लिए किसानों को धान या गेंहू की खरीद प्रक्रिया शुरू होने के 45 दिन पहले इसे लिखित में देना होता था कि वह सीधे भुगतान चाहता है। 2017 में राज्य सरकार ने एपीएमसी कानून में संशोधन के माध्यम से किसानों को भुगतान अढ़तियों के माध्यम से करने की व्यवस्था कर दी जिससे एजेंट कृषि उत्पाद पर अपना कमीशन काट कर बाकी किसान के खाते में जमा करता है। अढ़तिया असोसियेशनों का दावा है कि वे बिना कुछ बंधक रखे किसानों को कर्ज देते हैं और एफसीआई को कृषि उत्पाद की बिक्री से प्राप्त धनराशि से इसे प्राप्त करते हैं। यदि किसानों को सीधे भुगतान होने लगे तो वे कृषि उत्पादों से अपना कर्ज नहीं वसूल सकेंगे। अढ़तियों को कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री में सहायता के लिए लाइसेंस लेना होता है, लेकिन उनका दूसरा बिजनेस किसानों को कर्ज देना है जो अनौपचारिक व अवैध है। सरकारी एजेंसियों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी पर खरीद करने पर वे किसानों को मिलने वाले भुगतान से यह कर्ज वसूल करते हैं। वे ऐसे कर्ज पर 18-36 प्रतिशत तक ब्याज तथा हर सीजन के बाद बकाया मूल धन भी वसूलते हैं। इस प्रकार अढ़तिया किसानों का अनेक प्रकार से शोषण करते हैं।

> छोटे किसानों को वित्तीय समर्थन तथा गोदाम रसीद व्यवस्था दी जानी चाहिए ताकि वे अपने उत्पादों पर बैंक से कर्ज प्राप्त कर सकें तथा अढ़तियों के चंगुल में न फंसें। पट्टे वाले किसानों के लिए पंजाब सरकार को कार्पोरेट-समर्थक भूमि पट्टा कानून बनाना चाहिए जिसमें छोटे किसानों को समुचित स्थान मिलता हो।

बड़े किसान तो इससे बचने में सफल होते हैं, लेकिन यह व्यवस्था छोटे व सीमान्त किसानों के लिए बड़ी समस्या है। किसानों के पास किसान क्रेडिट कार्ड या कैश क्रेडिट कार्ड होते हैं जिनसे वे बैंकों या प्राथमिक कृषि कर्ज सोसाइटी-पीएसीएस से कर्ज प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन फसल कर्ज का भुगतान न होने पर अढ़तिए किसानों को कर्ज दे देते हैं ताकि वे अगले सीजन में बकायेदार न रहें। इस प्रकार अढ़तिए किसानों की सहायता करते हैं। वे किसानों को गैर-कृषि व सामाजिक कार्यों के लिए भी कर्ज देते हैं। पंजाब की फल और सब्जी मंडियों में अढ़तियों को पांच प्रतिशत कमीशन मिलता है, जबकि अनाज मंडियों में यह 2.5 प्रतिशत है, लेकिन यहां एमएसपी लागू नहीं होता है। इसलिए सरकारी खरीद न होने पर अढ़तियों द्वारा दिए कर्ज का जोखिम बढ़ जाता है। अढ़तिया असोसियेशनों ने अतीत में बासमती धान किसानों को कर्ज नहीं देने का फैसला किया था क्योंकि इसकी एमएसपी पर सरकारी खरीद नहीं होती है। किसान यूनियनों, अढ़तिया यूनियनों तथा राज्य सरकार का दावा है कि गेंहू व धान की खेती बड़े पैमाने पर पट्टे पर होती है। ऐसे में किसानों को एमएसपी खरीद के लिए भूमि के रिकार्ड देना कठिन हो सकता है। राज्य सरकार अढ़तियों के माध्यम से किसानों को भुगतान को वैध बताती है। केन्द्र ने सुझाव दिया था कि पंजाब पड़ोसी हरियाणा का माडल अपनाए जहां पट्टे वाले किसानों का विवरण एक पोर्टल पर दर्ज किया गया है। हालांकि, किसानों को सीधे भुगतान होने की स्थिति में यह डर भी सता रहा है कि बैंक ऐसे भुगतान से अपनी बकाया धनराशि काट लेंगे।

एपीएमसी बाजारों तथा एमएसपी पर अनाज खरीद नीति से अढ़तियों द्वारा कर्ज देने का बिजनेस फलता-फूलता है। इससे अढ़तिए बिना किसी जोखिम के किसानों को कर्ज देते हैं और एफसीआई समेत खरीदारों द्वारा किए भुगतान से पैसा काट लेते हैं क्योंकि यह भुगतान सीधे किसानों के बजाय अढ़तियों को होता है। प्राथमिकता क्षेत्र कर्ज-पीएसएल नीतियों के अंतर्गत कृषि कर्ज के मानकों में बदलाव किया गया है ताकि कृषि को कर्ज केवल फसलों पर कर्ज न होकर इसमें कोल्ड स्टोरेज व खाद्य प्रसंस्करण के लिए कर्ज को शामिल किया जा सके। यदि बैंक पीएसएल का लक्ष्य पूरा नहीं कर पाते हैं तो वे यह पैसा ग्रामीण ढांचागत विकास फंड में जमा कर अन्य बैंको से प्राथमिक क्षेत्र कर्ज खरीद सकते हैं जिनका लक्ष्य पार हो गया हो। चूंकि राज्य ने दशकों से एपीएमसी संस्थाओं में चुनाव नहीं कराए हैं, इसलिए अढ़तियों का एपीएमसी पर प्रभुत्व है क्योंकि प्रतिनिधियों का चयन नामांकन से होता है। अढ़तिया व्यवस्था समाप्त करने के लिए पंजाब सरकार को सीधे किसानों से खरीद कर उनको उनकी अपनी सामूहिक एजेंसियों से भुगतान सुनिश्चित करना होगा। यह व्यवस्था उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ व ओडिशा में अनाजों की सरकारी खरीद के लिए बनी है। हरियाणा में अढ़तियों की हड़ताल के चलते इस सीजन में 380 एफपीओ व पीडीएस राशन डिपो को अस्थाई एपीएमसी मंडी कमीशन एजेंटों के लाइसेंस दिए गए हैं।

छोटे किसानों को वित्तीय समर्थन तथा गोदाम रसीद व्यवस्था दी जानी चाहिए ताकि वे अपने उत्पादों पर बैंक से कर्ज प्राप्त कर सकें तथा अढ़तियों के चंगुल में न फंसें। पट्टे वाले किसानों के लिए पंजाब सरकार को कार्पोरेट-समर्थक भूमि पट्टा कानून बनाना चाहिए जिसमें छोटे किसानों को समुचित स्थान मिलता हो। राज्य को कृषि उत्पाद व मवेशी बाजार कानून, 2017 में संशोधन कर किसानों को अढ़तियों के बजाय सीधे भुगतान की व्यवस्था करनी चाहिए। वैसे फिलहाल राज्य और केन्द्र सरकार के बीच सहमति बनी है कि कृषि उत्पाद बेचने वाले किसानों की पहचान एक राजस्व क्लर्क या सरपंच द्वारा की जाएगी।

जब अंबर झूम के नाचेगा, जब धरती नगमे गाएगी वो सुबह कभी तो आएगी

हर सदी में महामारी ने मानवता को चुनौतियां दी और हर बार मनुष्यता की जीत हुई

तारण प्रकाश सिन्हा
(लेखक छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के आयुक्त हैं)

महामारियों और मानवता के बीच जंग का इतिहास सदियों पुराना है। हर सदी में किसी न किसी महामारी ने मानवता के सामने चुनौतियां पेश कीं, और हर बार मनुष्यता की ही जीत हुई। अब एक बार फिर एक विषाणु ने मनुष्य के ज्ञान और विज्ञान को चुनौती है। हर बार की तरह इस बार भी हम निश्चित ही जीतेंगे। वह हमारी जिजीविषा ही थी, जिसने हमेशा हमारे अस्तित्व की रक्षा की।

जब कभी संकट गहराया, हमारी जिजीविषा उतनी ही तीव्र होती रही। संकट के बीच जीवन को बचाए रखने की कला हमने विकसित की। कोविड-19 के संक्रमण के इस दूसरे दौर में जो परिस्थितियां निर्मित हुई हैं, उसने कुछ पल के हमें हतप्रभ जरूर कर दिया है, लेकिन हम निराश नहीं हैं। हमारे योद्धा एक बार फिर कोविड के खिलाफ मैदान पर हैं, और इस बार वे ज्यादा कौशल, अनुभव और संसाधनों के साथ जंग लड़ रहे हैं। संक्रमण के पहले दौर की तुलना में हमारे योद्धाओं में कई गुना ज्यादा आत्मविश्वास है। वे कई गुना ज्यादा हौसले के साथ लड़ाई लड़ रहे हैं। कोविड-19 ने इस बार हालांकि ज्यादा तेज हमला किया है, लेकिन उस पर पलटवार भी उतनी ही तेजी से हो रहा है। कोविड-19 की दूसरी लहर की अचनाक हुई शुरुआत के कारण हालांकि शुरुआती बढ़त महामारी के पक्ष में नजर आ रही है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि पिछली बार की तरह इस बार भी बहुत जल्द कोविड को पीछे धकेल दिया जाएगा।

हमें यह देखना होगा कि पिछली बार की तुलना में इस बार कोविड-19 हमें ज्यादा नुकसान क्यों पहुंचा पा रहा है। इस बार देखा जा रहा है कि अपने बदले हुए स्वरूप में यह वायरस ज्यादा संक्रामक है, इस बार युवाओं और बच्चों को भी अपनी चपेट में ले रहा है। हर परिवार में एक से ज्यादा सदस्य इस बार वायरस की चपेट में आ रहे हैं। वायरस की इसी आक्रमकता की वजह से पूरे देश में हालात तेजी से बिगड़े और संसाधनों की किल्लत होने लगी। यह तो तय है कि नयी आवश्यकताओं के अनुरूप शीघ्र ही नये संसाधनों का इंतजाम कर लिया जाएगा, लेकिन तब तक हो रहे नुकसान को टालना हम सबकी जिम्मेदारी है।

सबसे ज्यादा जरूरी है कि परिवार में किसी को संक्रमण ही आशंका होते ही उसे आइसोलेटेड करते हुए टेस्ट कराया जाए ताकि दूसरे सदस्य सुरक्षित रह सकें। जिन सदस्यों की उम्र 45 वर्ष से अधिक है, उनका टीकाकरण करवाया जाए। मास्क का प्रयोग घर के भीतर भी किया जाए। बार-बार हाथों को धोया जाए। उपलब्ध चिकित्सा संसाधनों का लाभ जरूरतमंद लोगों को मिल सके इसके लिए जरूरी है कि अस्पतालों में दाखिले के लिए आपाधापी न मचाई जाए। जिन लोगों का उपचार होम आइसोलेशन में रहते हुए हो सकता है, उन्हें ऐसा ही करना चाहिए। किसी भी दवा की खरीद और उसका उपयोग डाक्टर की सलाह पर ही किया जाना चाहिए, अनावश्यक रूप से की गई खरीदी से भी बाजार में दवाइयों की किल्लत हो सकती है और जरूरतमंद लोग उनसे वंचित हो सकते हैं।

कोरोना से लड़ी जा रही इस दूसरी जंग में संसाधनों के साथ-साथ समझदारी भी एक प्रभावी हथियार साबित हो सकती है। हम लोगों ने पिछली जंग भी इसी समझदारी और एकजुटता के बल पर जीती थी। हालांकि इस समय परिस्थितियां बहुत विकट हैं, लेकिन हम सब मिलकर बहुत जल्द इन पर विजय पा लेंगे।

हम सबके लिए एक-एक जान बहुत कीमती है, हमें इस दूसरी लहर के कारण मिले सामुहिक सदमे की स्थिति से शीघ्र ही बाहर आकर महामारी का मुकाबला पूरी ताकत के साथ करना ही होगा। निश्चित ही यह अंधकार छंटेगा और प्रकाश की नयी किरणें फूटेंगी।

फरमाया

मैं हर किसी से कोविड मानकों का पालन करने एवं जबतक अति आवश्यक न हो तब तक अस्पताल न जाने एवं वैक्सीन लगवाने का आग्रह करता हूं।

– **अरविंद केजरीवाल**
दिल्ली के मुख्यमंत्री

यह नरसंहार है। मैंने तस्वीरें देखी हैं। केंद्रीय बलों ने पैरों की ओर गोली चलाने के बजाए गोलियों की बौछार कर दी।

– **ममता बनर्जी**
पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

हर मौत दुःखद है, लेकिन ऐसा क्यों है कि ममता दीदी को होने वाली प्रत्येक मौत पर राजनीति करनी पड़ती है।

– **अमित शाह**
केंद्रीय गृहमंत्री

आप की बात

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल से
pioneer.editorial@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

www.dailypioneer.com

चिंताजनक हालात

मोदी जी ने मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में रात के कर्फ़्यू का समर्थन किया, किन्तु रात का कर्फ़्यू औचित्यहीन लगता है। ये जनता में भ्रम और पूर्ण लॉकडाउन का डर पैदा करेगा। भले ही मोदी जी कहें की पूर्ण लॉकडाउन नहीं लगेगा मगर वर्तमान हालात पर नज़र डालें तो जहां-जहां रात का कर्फ्यू लगा वहां बाद में लॉकडाउन भी लगा। पिछले अनुभव बताते हैं कि कोरोना से ज्यादा लॉकडाउन सताता है। कुछ हिस्सों से खासतौर पर मुंबई से आ रही पलायन की ख़बरें इसका सबूत हैं। कोरोना भीड़ से ज्यादा फैलता है इसलिए दिन वाली भीड़ को नियंत्रित करने की ज़रूरत है। पूर्ण लॉकडाउन लगाए बिना भी ये काम किया जा सकता है जैसे आईपीएल जैसे गैरज़रूरी आयोजनों को रोकना, न्यायालयों में पुनः वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई शुरू करना, सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में घर से कार्य को बढ़ावा देना, सार्वजनिक और निजी आयोजनों पर पाबन्दी लगाना, शहरी परिवहन में आर्ड-इवन व्यवस्था लागू करना, शिक्षा को पुनः अनिवार्य रूप से ऑनलाइन करना, इत्यादि-इत्यादि। इसके साथ ही चुनावी रैलियों और भीड़ पर भी रोक लगानी होगी। क्योंकि विधान सभा चुनाव भले ही खात्मे की ओर हों मगर निकाय व पंचायत चुनाव लगातार हो रहे हैं।

– **बृजेश माथुर**, गाज़ियाबाद

जल बचाएं, प्यास बुझाएं

गर्मी के तेवर में तेजी आने लगी है। इस वजह से पानी की खपत बढ़ने लगी है। जितना भी जल हमारे घर तक स्थानीय स्रोतों से प्राप्त होता है। कोशिश करें कि उसका अपव्यय ना हो और ना ही वो व्यर्थ जाए। नदियों को जोड़ना, कुएं-तालाबों को गहरा करना या नए निर्माण करना, वनों की रक्षा करना, बरसात के जल को समुद्र में जाने से कैसे बचाना आदि काम तो सरकार का है और वो योजनाबद्ध तरीके से उसे वर्तमान से दीर्घकाल तक करती ही रहती है। किन्तु व्यक्तिगत रूप से हम जल को कैसे बचाएं और उसका सदुपयोग करें इस बारे में हमें स्वयं सोचना है। हर व्यक्ति और हर घर यदि जल के अपव्यय को रोकने के प्रयास करेगा तो अवश्य हमारे गरमी के दिन राहत भरे गुजर सकते हैं। बर्तन, कपडे आदि के लिए वापस पानी क पुनः उपयोग जैसे पौधों में, आंगन की सफाई में कर सकते हैं। नहाने-धोने के समय व्यर्थ नल आदि से पानी ना बहाएं। हम और हमारे परिजन कितना पानी को बचाने के मामले में खुद, परिवारवालों और सेवकों/सेविकाओं को सतर्क कर सकते हैं या सलाह दे सकते है उस पर सोचकर काम करेंगे तो अवश्य हम जल के अपव्यय को रोककर बहुत सारे पानी की बचत कर सकते हैं।

– **शकुंतला महेश नेनावा**, गिरधर नगर, इंदौर

अदृश्य वायरस

यह बात समझ से परे है कि देश में फैल रहे कोरोना के संक्रमण की दूसरी लहर पहले से भी ज्यादा घातक साबित होती दिखाई दे रही है। लेकिन इस स्थिति में भी होने वाली चुनावी रैलियों पर पाबंदी नही लगाई गई। कहां खो गई है देश की कानून व्यवस्था? कोरोना जब विकराल रूप धारण करता जा रहा है, शायद आज के समय मे अपनी और सबकी जीविका बचा लेना ही सबसे बड़ा पुण्य है। लेकिन लोग गंभीरता को समझने के लिए तैयार ही नहीं हैं। वहीं सोमवार को कुंभ मेले में तीस लाख से अधिक लोगों ने स्नान किया है। क्या इससे कोरोना का संक्रमण नहीं फैलेगा? कैसे बचें लोग? केवल दुःख बल्कि चिंता होती है कि कोरोना दिशा निर्देशों के बारे में वहां लोग क्या सोच रहे है। क्या प्रशासन के पास ऐसी क्षमता है कि वह तीस लाख लोगों की कोरोना जांच कर सके ? इसका कोई उपाय नही है। यह समय है जब भीड़ से बचा जाए और कोई खतरा मोल न लिया जाए। स्वस्थ समाज के लिए जरूरी है, स्वास्थ्य सम्बन्धी हिदायतों का पालन हो।

– **खुशबू वेद**, आलोट, मप्र

निरीक्षण करने चंदूलाल चन्द्राकर कोविड हॉस्पिटल पहुंचे कलेक्टर

क्रिटिकल केयर से लेकर जनरल बेड तक सभी में चल रही गतिविधियों पर नजर डाली, अस्पताल प्रबंधन से कहा, ऑक्सीजन बेड की संख्या में निरंतर विस्तार करते रहें, कंसेंट्रेटर भी लाएं

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे नियमित रूप से लगातार कोविड हॉस्पिटल का निरीक्षण कर रहे हैं। वे कचांदुर स्थित चन्दूलाल चंद्राकर मेमोरियल मेडिकल हॉस्पिटल के आकस्मिक निरीक्षण में पहुँचे। यहां उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों एवं नोडल अधिकारी से विस्तृत जानकरी ली। कलेक्टर यहाँ पर कंट्रोल रूम पहुंचे, यहां से अधिकारी सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के माध्यम से पूरे अस्पताल में सुविधाओं की मॉनिटरिंग करते हैं। कलेक्टर ने क्रिटिकल मरीजों वाले सेक्शन एवं अन्य सेक्शन भी देखे। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर अस्पताल की नियमित मॉनिटरिंग कर रहे हैं तथा सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में निर्देश दे रहे हैं। इससे यहां लगातार सुविधाओं में बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने पूर्व निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों के पालन और उस पर हुए अमल की जानकारी ली। इस दौरान निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी भी मौजूद रहे। कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल में कोविड मरीजों की बेहतरी के लिए जिस भी सुविधा की आवश्यकता हो, उसकी अविलम्ब पूर्ति करना सुनिश्चित करें। उन्होंने मरीजों के परिजनों की कॉउंसलिंग की व्यवस्था भी पुख्ता बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने उपचार करा रहे मरीजों एवं रिक्त बेड की जानकारी ली। नोडल अधिकारी द्वारा बताया गया कि अभी कुछ बेड खाली हैं। भर्ती मरीजों की स्थिति के आधार पर अलग अलग वार्डो में उपचार किया जा रहा है। क्रिटिकल मरीजों का आपात सेवा वार्ड में निगरानी के साथ उपचार किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि यहां बेड रिक्त रहने की दशा में किसी भी मरीज को वापस न किया जाए। जो भी मरीज यहां आये उनका समुचित उपचार करना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह कहा कि आपात स्थिति में अगर किसी मरीज को रिफर करने की स्थिति बनती है तो उन्हें एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराये। साथ ही मृत्यु हो जाने की दशा में जिनके पास वाहन की व्यवस्था न हो, उन्हें अस्पताल में उपलब्ध शव वाहन से शव पहुंचाने की व्यवस्था करें।

कलेक्टर ने कहा कि संयम और पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए इस कठिन समय से निपटा जा सकता है। मरीज व परिजन के साथ सहयोगपूर्ण व्यवहार बनाये रखें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आक्सीजन सिलेंडर की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए कहा कि अतरिक्त सिलेंडर रखें । इसके अलावा 10 आक्सीजन कंसेंट्रेटर भी रखने कहा है जिससे मरीज को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि सतत रूप से निगरानी रखने से हालात को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। कलेक्टर ने यहां ड्यूटी कर रहे स्टाफ की भी जानकारी ली। बताया कि स्टॉफ नर्स, एएनएम सहित निगरानी के लिए अतिरिक्त चिकित्सक की ड्यूटी शिफ्टवार लगाई जा रही है। आवश्यकता अनुसार अमले में बढ़ोतरी की जाएगी।

प्राइवेट हॉस्पिटल की व्यवस्थाओं पर नोडल अधिकारी रखेंगे नजर

अपने अकाउंट ऑफिसर के साथ रोज बिलिंग भी देखेंगे

काउंसिलिंग के माध्यम से मिलती रहे जानकारी

फीडबैक का अस्पताल प्रबंधन से समन्वय कर समाधान सुनिश्चित करें

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने प्राइवेट हॉस्पिटल के लिए लगाए नोडल अधिकारियों की मीटिंग ली। मीटिंग में उन्होंने कहा कि नोडल अधिकारी परिजनों की दिक्कतों को दूर करने की भरसक कोशिश करें, उनके फोन से जिस तरह से फीडबैक आते हैं उससे निजी अस्पतालों को अवगत कराएं ताकि व्यवस्था में निरंतर सुधार होता रहे। इसके साथ ही बिलिंग पर भी नोडल ऑफिसर की नजर रहे, शासन ने जो दरें निर्धारित की है निजी अस्पताल उसी तरह की दर से मरीजों से शुल्क वसूल करें यह सुनिश्चित करें। इसके लिए वह नियमित रूप से अपने अकाउंटेंट्स के साथ बिलिंग पर नजर रखें। नियमित रूप से इन हॉस्पिटल का निरीक्षण करें और व्यवस्था के संदर्भ में निर्देश दें। अस्पतालों के प्रबंधकों से सीधी बातचीत करें। मरीज के परिजन अपने मरीज के स्वास्थ्य संबंधी स्थिति को लेकर चिंतित रहते हैं अस्पतालों में परिजनों की कॉउंसिलिंग की नियमित व्यवस्था होती रहे। साथ ही यदि नोडल अधिकारी से परिजन मरीज की स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानना चाहते हो तो उन्हें अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रबंधन मरीजों के परिजनों की नियमित काउंसलिंग करें, उनके द्वारा किए जा रहे इलाज की जानकारी दें, साथ ही किसी तरह का एडवांस इलाज किया जाना है तो इसकी जानकारी भी प्रदान करें। कलेक्टर ने कहा कि अभी दुर्ग जिला कोविड के गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। इस दौर में यह आवश्यक है कि नोडल अधिकारी 24 घंटे अपने कार्य की मॉनिटरिंग करें। उन्हें रात में दिन में हर समय मरीजों के फोन आ सकते हैं उनके फीडबैक मिल सकते हैं, उनके फीडबैक के अनुसार हॉस्पिटल प्रबंधन से समन्वय करना आवश्यक है। यदि निजी अस्पताल प्रबंधकों द्वारा समन्वय में किसी तरह से दिक्कत आ रही है तो इस संबंध में भी अवगत कराया जाए ताकि आवश्यक कार्रवाई प्रशासन द्वारा की जा सके। उन्होंने कहा कि रिफर की स्थिति में अथवा अस्पताल में जगह न होने की स्थिति में नोडल अधिकारी अन्य नोडल अधिकारियों से संपर्क में रहें ताकि यदि किसी अन्य अस्पताल में बेड की उपलब्धता हो तो परिजन को इससे अवगत कराया जा सके।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर पर्ची बांट कर बचाव के लिए कर रहे प्रेरित

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

जिले के दुर्ग ग्रामीण परियोजना क्षेत्र में रसमड़ा सेक्टर के गनियारी ग्राम पंचायत को कंटेनमेंट जोन घोषित करने के बाद हेल्थ वर्कर, फ्रंट लाइन वर्कर घर-घर जाकर सर्वे कर रहे हैं। इस दौरान वह लोगों को कोरोना के लक्षण सर्दी, खांसी बुखार सहित कोई भी समस्या होने पर कोरोना जांच कराने के लिए प्रेरित कर रहे है। साथ ही कोरोना की वैक्सीन लगवाने के लिए लोगों के घर-घर जाकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व मितानिन द्वारा गृहभ्रमण कर फार्मेट भर कर जागरुकता के लिए पर्ची भी बांटी जा रही है । 45 से 65 उम्र के लोगों को वैक्सीनेशन सेंटर पर टीका लगवाने के लिए भी प्रेरित कर रहे हैं। जो लोग घर पर नहीं मिले, उन्हें फोन करके वैक्सीनेशन कराने की सूचना दी जा रही है। ग्राम पंचायत गनियारी की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मिथलेश देवदास ने बताया, गांव के लगभग 500 से अधिक घरों में सर्वे का कार्य पूरा हो चुका है। इनमें सर्दी खांसी के मरीज मिलने पर 2 अप्रैल से लगातार ग्रामीणों को अलर्ट पर रखकर जांच व इलाज कराया जा रहा है। पिछले दिनों 70 से अधिक ग्रामीणों के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद गनियारी को कंटेंमेंट जोन घोषित कर दिया गया है'। सर्वे में ग्राम पंचायत गनियारी की सरपंच पुष्पा ठाकुर, सचिव भोजकुमारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मिथलेश देवदास व मीना देवदास, मितानिन रेखा साहू व ममता धनकर, महिला पुलिस, रोजगार सहायक एवं सहायिका का भी सहयोग लिया जा रहा है। इस दौरान ग्रामीणों को गर्म पानी पीने, मास्क लगाने, सेनेटाइजर का प्रयोग करने, कंटेंमेंट जोन में नहीं जाने, भीड़भाड़ से बचने, लक्षण नजर आने पर जांच कराने व वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। रसमड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को वैक्सीनेशन केंद्र भी बनाया गया है। ताकि लोग अपने नजदीकी केंद्र पर सुरक्षित टीकाकरण करा सकें। टीकाकरण के लिए हितग्राहियों को प्रथम डोज के बाद दूसरे डोज लगवाने के लिए टीकाकरण कार्ड में 28 दिन बाद का समय भी दिया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास परियोजना दुर्ग ग्रामीण के रसमड़ा सेक्टर की महिला पर्यवेक्षक शशी रैदास ने बताया, रसमड़ा सेक्टर के अंतर्गत 10 ग्राम पंचायतों की 24 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की टीम ग्राम पंचायत के सदस्यों सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, मितानिन, महिला पुलिस के साथ मिलकर घर-घर सघन सर्वे कर रहे हैं। अभियान के तहत रसमड़ा सेक्टर के 4,000 घरों में 23,000 व्यक्ति यों का स्वास्थ्य सर्वे कर कोरोना को हराने को लक्षणों के आधार पर जांच की जा रही है।

कोरोना वायरस संक्रमण से निबटने कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर शिव अनंत तायल ने आज गुरुवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष मे अधिकारियों की बैठक लेकर कोरोना संक्रमण की रोकथाम एवं इससे निपटने के लिए आवश्क निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि विभागीय अधिकारी परस्पर समन्वय से कार्य करते हुए उन्हे जो दायित्व सौंपा गया है उसका बखुबी निर्वहन करें। बैठक मे पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल, जिला पंचायत सीईओ रीता यादव, अपर कलेक्टर संजय कुमार दीवान, एएसपी विमल कुमार बैस, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बेमेतरा/नवागढ़ दुर्गेश वर्मा, बेरला संदीप ठाकुर, साजा रश्मि ठाकुर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सतीश कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान कलेक्टर ने नोवेल कोविड-19 अस्पतालों मे ऑक्सीजन सप्लाई व्यवस्था, सिलेंडर रिफलिंग, ऑक्सीजन युक्त बेड की रिक्तता की जानकारी अपलोड करने, जिला के सभी शासकीय एम्बुलेंस की मैनेजमेंट एवं आवश्यक समन्वय, महिला स्टॉफ, वैक्सीनेटर ड्यूटी, हॉस्पीटल मैनेजमेंट ड्यूटी रोस्टर, कोविड-19 अस्पतालों मे अपातकालीन व्यस्था एवं मरीजों के परिवहन हेतु वाहनों की व्यवस्था, कन्ट्रोल रुम प्रभारी की नियुक्ति आदि की समीक्षा की जिसके लिए जिला स्तर के अधिकारी नियुक्त किये गये है। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए की कोविड वैक्सीनेशन के लिए शिक्षकों की ड्यूटी रोस्टर के अनुसार लगाई जाए। सेनेटाईजर करने के लिए कृषि विभाग के उपसंचालक को दवा छिड़काव स्पेयर पम्प उपलब्ध कराने निर्देशित किया। बैठक मे बताया गया कि सीएचसी स्तर पर 20-20 नग आक्सीजन युक्त बिस्तर की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा सिविल अस्पताल थानखम्हरिया मे भी 20 नग आक्सीजन युक्त बिस्तर की व्यवस्था की गई है। जिलाधीश ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) खण्डसरा, नवागढ़, बेरला एवं साजा मे आक्सीजन सिलेंडर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बन्धित अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को दिए।

तृणमूल कांग्रेस के नेता के द्वारा अनुसूचित जाति के लोगों को खिलाफ दिए गए बयान के विरोध में राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की नेता सुजाता मंडल खान ने अनुसूचित जाति समुदाय के लोगो को भिखारी कहकर अपमानित किया है! भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी के निर्देशानुसार भाजयुमो जिलाध्यक्ष परमेश्वर वर्मा, भाजयुमो प्रदेश कन्याशक्ति संयोजिका निशा चौबे, भाजयुमो पुर्व जिलाध्यक्ष विकास घरडे, योगेश वर्मा द्वारा जिलाधीश बेमेतरा के द्वारा महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा गया! ओमप्रकाश जोशी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की नेता ने पश्चिम बंगाल के अनसूचित जाती समुदाय के लोगो के लिए कहा कि भिखारी स्वभाव से होते है या अभाव से होते है, पश्चिम बंगाल में अनुसूचित जाति स्वभाव से भिखारी है! ममता दीदी के इतना करने के बाद भी भाजपा के पास पहुंच गए! पश्चिम बंगाल के अनुसूचित समुदाय के लोगो को भिखारी कहकर अपमानित करने वाला तृणमूल कांग्रेस की नेता का यह बयान अत्यंत निंदनीय है! यह निंदनीय बयान पश्चिम बंगाल के सभी अनुसूचित जाति के लोगो को इरादतन अपमानित करने वाला है! हमारे देश के संविधान में देश के सभी नागरिकों के लिए सामाजिक एवं आर्थिक न्याय, अवसरों में समानता और व्यक्ति की गरिमा व सम्मान की रक्षा की भावना अंतर्निहित है!

सर्दी, खांसी, बुखार होने पर तुरंत करायें जांच- आयुक्त हरेश मंडावी

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने पार्षद, निगम अधिकारियों के साथ शहर के वार्डो में घूम-घूमकर लाउडस्पीकर के माध्यम से को संक्रमण के खतरे से आगाह किया। उन्होनें आम जनता को जानकारी देते हुये बताया कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन, निगम प्रशासन, पुलिस प्रशासन पूरी तरह से प्रयास कर रहे हैं। परन्तु शहर के नागरिक लॉकडाउन का पालन नही कर सुबह और शाम के समय अधिक संख्या में घरों से बाहर निकलकर आवाजाही कर रहे हैं। जिला प्रशासन और निगम प्रशासन बार-बार उनके अनुरोध कर घर से बाहर नहीं निकलने की अपील कर रहे हैं। घरों से बाहर निकलकर आवाजाही करने से संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। इस दौरान वार्ड पार्षद नरेन्द्र बंजारे, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, सहा0 अभियंता जितेन्द्र समैया, उपअभियंता आसमा डहरिया, कोविड नोडल संजीव दुबे एवं अन्य मौजूद थे।

अपील- आयुक्त मंडावी ने उपरोक्त वार्डो में भ्रमण कर दौरान आम नागरिकों को सूचित करते हुये अपील कर कहा कि कोरोना के वायरस को खत्म करना आवश्यक है। और यह तभी हो सकता है जब सभी व्यक्ति अपने-अपने घरों से निकलना बंद कर दें। प्रायः यह देखा जा रहा है कि सुबह और शाम के समय अधिक संख्या में लोग घर से निकलकर अधिक संख्या में आवाजाही कर रहे हैं।

निगम कर्मी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं और जनप्रतिनिधि प्रशंसा के पात्र

85 प्रतिशत टीकाकरण पूर्ण, शेष 15 प्रतिशत लोग जल्द लगवायें टीकाः आयुक्त

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

आयुक्त हरेश मंडावी ने बुधवार को गयानगर एवं अन्य वार्ड क्षेत्रों में संचालित वैक्सीनेशन सेंटरों में पहुँचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिक से अधिक वैक्सीनेशन के कार्य में निगम कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों, और वार्ड के जनप्रतिनिधियों का पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त हो रहा है। इसके लिए उन्होनें उनकी प्रशंसा की।

जिसके कारण अब तक शहर में 85 प्रतिशत लोगों को कोरोना का टीका लगाया जा चुका है शेष 15 प्रतिशत लोगों से अपील है कि वे भी टीकाकरण केन्द्रों में जाकर टीका अवश्य लगवायें। भ्रमण के दौरान वार्ड पार्षद नरेन्द्र बंजारे, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, सहा0 अभियंता जितेन्द्र समैया, उपअभियंता आसमा डहरिया, कोविड नोडल संजीव दुबे एवं अन्य मौजूद थे।

वैक्सीनेशन सेंटरों की स्थिति का लिया जायजा

आयुक्त मंडावी गयानगर मुक्ति धाम, गयाबाई स्कूल, कायस्थ पारा ब्राम्हण पारा, तिलक स्कूल आदि वार्ड क्षेत्रों में स्थापित टीकाकरण केन्द्रों का निरीक्षण कर केन्द्रों में टीका लगवाने आने वाले हितग्राहियों के लिए शुद्ध पेयजल, वेटिंग रुम, पंखें, की व्यवस्था के साथ सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराते हुये मास्क पहनाकर टीकाकरण केन्द्रों में प्रवेश देने के निर्देश दिये। उन्होनें आम जनता से अपील कर कहा कोरोना संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए यह आवश्यक है कि जो भी व्यक्ति बीमार हो रहा है वह टेस्टिंग अवश्य करायें, बाहर से कोई व्यक्ति आ रहा है उसका टेस्टिंग हो, और उस मरीज का ट्रीटमेंट के साथ टीका लगाने पर विशेष पहल होनी आवश्यक है।

कोरोना संक्रमण की चैन तोड़ना जरुरीः तायल

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर शिव अनंत तायल ने आम जनता से कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिये सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होने कहा है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिये सबसे बेहतर उपाय इसके प्रभाव में आने से स्वयं को बचाना ही है। कलेक्टर ने कहा है कि कोरोना की दूसरी लहर का कोविड वायरस पहले से अधिक खतरनाक है जो बहुत तेजी से लोगों को संक्रमित कर रहा है। उन्होंने लोगों को अनावश्यक यहॉ-वहॉ जाने से बचने तथा सार्वजनिक रूप से इकट्ठा होकर भीड़ जैसी स्थिति नहीं बनाने की सलाह दी है। तायल ने कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर सोशल मीडिया सहित अन्य संचार माध्यमों में प्रसारित होने वाली कथित भ्रामक सूचनाओं से भी सावधान रहने की अपील आमजनों से की है। उन्होंने इस तरह की किसी भी सूचना को बिना आधिकारिक पुष्टि के सोशल मीडिया में वायरल नहीं करने की भी सलाह लोगों को दी है। कलेक्टर ने सभी व्यक्तियों से यह अपील भी की है कि वे लॉकडाउन के नियमों का पालन करें, अपने घरों में रहें, कोरोना संक्रमण से खुद को और अपने परिजनों तथा आसपास के लोगों को भी बचाएं। तायल ने अपील की है कि अति आवश्यक होने पर ही सामाजिक कार्यक्रमों को सादगीपूर्ण तरीके से एवं जिला प्रशासन द्वारा अनुमति लेकर निर्धारित संख्या में लोगों की उपस्थिति में आयोजित किया जाये।

कलेक्टर ने आम नागरिकों से अपील करते हुये कहा कि यदि किसी ने कोरोना वायरस प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण किया है या किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आये हैं, जिन्होंने कोरोना वायरस प्रभावित प्रदेश या क्षेत्र की यात्रा की है।

कोरोना संक्रमण से बचने घर में रहे, सुरक्षित रहें, निगम की टीम लगातार कर रही है मॉनिटरिंग

लॉकडाउन में बेच रहे थे सामान, निगम की टीम ने लगाया 5900 जुर्माना

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाईनगर
www.dailypioneer.com

बढ़ते हुए कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए लॉकडाउन के नियमों का सख्ती से पालन आवश्यक है। निगम की मोबाइल टीम लगातार दोनो पालियों में निगम क्षेत्रों का निरीक्षण कर लॉकडाउन के नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

टीम ने वैशालीनगर, स्मृतिनगर, सुपेला बाजार, नंदीनी रोड, नेहरू नगर, कोसानगर, राधिका नगर, अंडा चौक, शास्त्रीनगर सहित भिलाई निगम के विभिन्न क्षेत्रों निरिक्षण किए! निरीक्षण के दौरान चार दुकानदार से 5900 रूपए अर्थदंड वसूला गया। छूट प्राप्त दुकानों में भी भीड़ न लगे इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। निगम की टीम आवश्यक कार्य से बाहर निकलने वाले लोग मास्क लगाए है या नहीं यह भी जांच रहे है। भिलाई निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी के निर्देश पर निगम की टीम शहर के सभी क्षेत्रों का निरिक्षण किए और शासन के आदेश का उल्लंघन करने वालों कार्यवाही कर रहे है, घनी आबादी वाले गली मोहल्लों में दुकान न खुल पाए इसकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। निगम की मोबाइल टीम सभी क्षेत्रों में घूम-घूम कर निरीक्षण कर रहे है लॉकडाउन के बाद भी कई लोग बेवजह घर से बाहर निकल रहे जिन्हे रोककर पूछताछ के बाद कई लोगों को लौटाया भी जा रहा है। निरीक्षण के दौरान लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन कर सामान बेचने वाले पांच दुकानदारों से 9650 रूपये अर्थदण्ड वसूलने की कार्रवाई की गई। इसमें हुडको के ताज किराना स्टोर्स को सामान देने की शिकायत पर निगम का अमला पहुंचा और 3000 हजार अर्थदंड वसूले इसी प्रकार मॉडल टाउन में दूध का दुकान चलाने वाला व्यापारी दूध के आड़ में किराना व गुटका सिगरेट बेच रहा था जिससे 2500, जोन 03 संतोषी पारा में एक व्यक्ति घर के सामने पसरा लगाकर सब्जी विक्रय कर रहा उनसे 200 रूपए तथा एक और दुकानदार से 200 रूपए अर्थदंड वसूलते हुए दोबारा ऐसा न करने की समझाईश दी गई। निगम की मोबाइल टीम ऐसे लोगों पर कार्रवाई करने के लिए निगम क्षेत्र में लगातार मॉनिटरिंग कर रही है, ताकि कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए लॉकडाउन का सख्ती से पालन किया जा सके। अनावश्यक बाहर निकलने वालों से सघन पूछताछ की जा रही है और उल्लंघन करने वालों पर सख्ती दिखाई जा रही है।

10 बेड और बढ़ेंगे जिला अस्पताल में, औचक निरीक्षण पर पहुंचे कलेक्टर

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

जिला अस्पताल में 10 अतिरिक्त बेड की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही बढ़ते मरीजों को देखते हुए जितनी अतिरिक्त इंफ्रास्ट्रक्चर एवं मानव संसाधन की जरूरत है। जिला अस्पताल को सभी मुहैया कराए जाएंगे। यह बात कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने जिला अस्पताल के औचक निरीक्षण में कही। कोरोना के रोकथाम व संक्रमण को रोकने जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी से कार्य कर रहा है। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे कोरोना संक्रमण के रोकथाम की नियमित मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जिले में कोरोना के उपचार के लिए तय किये गये शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों की लगातार मॉनिटरिंग कर रहें है। संचालकों से वस्तुस्थिति की जानकारी व फीडबैक लेकर स्थिति पर नजर रख रहे है।

कलेक्टर स्वयं अस्पताल पहुंचकर व्यवस्था देख रहे हैं। आज उन्होंने जिला अस्पताल पहुंचकर व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने यहाँ भर्ती मरीजों के उपचार के साथ-साथ यहां उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर एवं व्यवस्था की भी समीक्षा की। लगातार बड़ रहे कोरोना मरीजों की संख्या को ध्यान में रखते हुए 10 आक्सीजन बेड बढ़ाने के निर्देश भी दिए। साथ ही 10 आक्सीजन कंसेंट्रेटर की व्यवस्था भी करने कहा है। उन्होंने जिला अस्पताल के सिविल सर्जन एवं निगरानी हेतु नियुक्त प्रभारी अधिकारी से कहा है कि लगातार मरीजों के स्वास्थ्य पर नजर रखकर फीडबैक लेते रहें जिससे अन्य सुविधा और संसाधनों की व्यवस्था समय पर किया जाकर हालात को नियंत्रित किया जा सके।

किसान की व्यथा सुनने वाला कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं

■ अफसरशाही और भाजपा नेता के रसूख के आगे किसान मजबूर

पायनियर संवाददाता < मुगेली/पथरिया
www.dailypioneer.com

जहां बीत दिनो तखतपुर पटवारी की कारगुजारियों से त्रस्त किसान को अपनी जान गंवानी पड़ी थी वही जिले के पथरिया विकासखंड में भी एक ऐसा ही मामला प्रकाश में आया है जिसमें रसूखदार पटवारी और भाजपा नेता की कारगुजारियों से त्रस्त होकर एक गरीब किसान फिर कोई बड़ा कदम न उठा बैठे, महज कागजी कार्यवाहियों के बीच आफिसों का चक्कर लगा रहे किसान की व्यथ सुनने वाला आज कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं मिल पा रहा जो उसे न्याय दिला सके । ज्ञात हो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर किसानों को खुशहाल बनाने के लिए प्रदेश सरकार अनेको योजना चला रही है वही दूसरी ओर कुछ नेता अपनी नेतागिरी और राजनीति का गलत फायदा उठा कर किसान को आत्महत्या के लिए उकसा रहे है । मामला नगर पंचायत पथरिया का है, जहाँ नगर के वार्ड क्रमांक 11 के पूर्व पार्षद और भाजपा नेता गोपाल डड़सेना ने एक गरीब किसान की जमीन को पटवारी के साथ मिलकर अपने नाम कर लिया । उसके बाद किसान के करोड़ो की जमीन को अपने परिचित को बेच कर अपने जेब गर्म कर लिए।इस बीच किसान अपने जमीन को वापस पाने के लिए न्याय की गुहार लगाते घूम रहा है । स इस तरह चढ़ा ली अपने नाम जमीन-नगर पंचायत पथरिया के किसान रामकुमार की माँ घसनिन बाई की मृत्यु के पश्चात फौती उठाने के लिए आवेदन किया गया । जिस पर तत्कालीन पटवारी सालिकराम राठौर द्वारा किसान के 3.36 एकड़ खेत में से 40 डिसमिल जमीन को बिना किसी रजिस्ट्री एवं कागजात के अपनी पत्नी के नाम पर चढ़ा लिया गया । इसके बाद पटवारी ने भाजपा नेता गोपाल डड़सेना के साथ कपटसन्धि करके की जमीन का बिक्रीनामा कुछ रुपयों में ही तैयार कर लिया और गोपाल डड़सेना के नाम पर उक्त जमीन को चढ़ा दिया । जब इस बात की जानकारी रामकुमार को मालूम पड़ी तो उसने तहसील न्यायालय और एसडीएम न्यायालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर भाजपा नेता गोपाल डड़सेना और संबंधित पटवारी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए रिकार्ड दुरुस्त करने की मांग की । जिस पर तत्कालीन एसडीएम आराध्या कमार द्वारा जून 2019 में संबंधित जमीन के अधिकार अभिलेख दुरुस्त करते हुए किसान के नाम जमीन चढ़ाने हेतु तत्कालीन पटवारी नरेंद्र टांडे को आदेश भी जारी किया गया । साथ ही उक्त जमीन के खरीदी बिक्री पर रोक लगाने के लिए भी आदेश जारी किया । इस बीच आवेदक रामकुमार की मृत्यु हो गई ,जिसके बाद रामकुमार के पुत्र और पुत्री आवेदक बने । एसडीएम द्वारा आदेश जारी होने और समय निकल जाने के बाद भी उक्त रिकार्ड को नही सुधारा गया ,जिसका फायदा उठा कर भाजपा नेता गोपाल डड़सेना ने उन सारी जमीनो को भारी दामो में बेचकर अपने जेब गरम कर लिये और गरीब किसान न्याय की गुहार लगाये कार्यलय और न्यायलय के चक्कर काट रहा है।

जालसाजी से आधा दर्जन लोगों को बेच दी किसान की जमीन

जून 2019 में एसडीएम कार्यालय द्वारा किसान के नाम जमीन चढ़ाने और इसके खरीदी बिक्री पर रोक लगाने का आदेश जारी किया गया । लेकिन इसके बावजूद तत्कालीन पटवारी नरेंद्र टांडे ने भी कूटरचना करते हुए अनुविभागीय अधिकारी के आदेश की अवहेलना की और भाजपा नेता गोपाल डड़सेना के नाम जमीन चढ़ा दिया । साथ ही नियमविरुद्ध जाकर उसे जमीन बेचने के लिए चौहद्दी की जारी कर दी । उल्लेखनीय है कि नरेंद्र टांडे हमेशा से ही विवादों में रहा है और उसी की चलते अभी हाल ही में उसका स्थानांतरण दूसरे हल्के में किया गया है। इसके बाद गोपाल डड़सेना ने किसान की उक्त जमीन को भारी दामो में बेच दिया। उक्त जमीन को सचिन वर्मा पिता लक्षमण वर्मा निवासी सेंदरी, ओमकार राजपूत पिता देवसिंह निवासी निगरबन्द, चितगोविंद वर्मा पिता उधोराम निवासी भारतीनगर बिलासपुर, नम्रता वर्मा, जितेंद्र वर्मा निवासी डाकाचाका ने खरीद लिया । कार्यालयों के चक्कर काट काट कर किसान ने मानी हार, आत्महत्या को हुआ मजबूर - पूर्व पार्षद और भाजपा नेता गोपाल डड़सेना के दवाब और पटवारिओ के मिली भगत की शिकायत लेकर आवेदक रामकुमार यादव और रामकुमार की मृत्यु के बाद उसका पुत्र प्रहलाद यादव ने अनेको कार्यालयों के चक्कर काटे , लेकिन उसे कही भी न्याय नही मिला । आवेदकों ने पुलिस थाना , पुलिस अधीक्षक कार्यालय, तहसील, एसडीएम, अतिरिक्त कलेक्टर और कलेक्टर तक के यहाँ न्याय की गुहार लगाई , लेकिन राजनीतिक दबाव के चलते उसे अब तक अपनी जमीन नही मिल पाई है और अब वह क्षुब्ध और निराश होकर न्याय नही मिलने की स्थिति में अपने प्राण त्यागने की बात कहते फिर रहा है ।

क्विक न्यूज

लॉकडाउन के साथ सीमावर्ती क्षेत्र सील, महापल्ली में लगा बेरियर

रायगढ़। वैश्विक महामारी कोरोना के दूसरे दौर छत्तीसगढ़ में द्रुतगति से बढ़ रहा है। रायगढ़ जिले में 14 से 22 अप्रैल तक पूर्ण लॉक डाउन कर दिया गया है। रायगढ़ जिले की सीमावर्ती इलाकों को सील कर दिया गया है। ओडिशा राज्य से लगे जिले के रायगढ़ जनपद पंचायत क्षेत्र के तहत 6 सीमावर्ती गांव को सील कर दिया गया है। इनमें शकर बोगा, बेहेरा पाली ,सपनाई, जामगांव और महापल्ली हैं। महापल्ली में अंतर्राज्यीय कोरोना चेक पोस्ट शुरू कर दिया है जिनमें 3 पालियों में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। बाहर से आने वाले तथा बेवजह घूमने वाले लोगो पर नजर रखी जाएगी। डिप्टी कलेक्टर सागर सिंह राज ने बताया कि कोरोना संक्रमण के चैन को तोड़ने के लिए लॉक डाउन का पालन कराने कलेक्टर भीमसिंह के निर्देशन में बेरियर बना कर ड्यूटी लगाई गई है। बेरियर निर्माण में जनपद सदस्य अशोक निषाद, सरपंच अनन्त राम, ब्रजेश गुप्ता पंच, सचिव रमेश गुप्ता ने बैठक व्यवस्था सहित प्रकाश व अन्य बेरियर निर्माण सम्बंधित कार्य निष्पादित किए।

निगम चुनाव के री-काउंटिंग आदेश पर लगी रोक

रायगढ़। विगत नगरीय निकाय चुनाव में वार्ड क्रमांक 23 के कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी राजू मिश्रा ने हार के बाद री-काउंटिंग की मांग को लेकर चुनाव याचिका लगाई थी। जिस पर पिछले दिनों री-काउंटिंग का आदेश जारी किया गया था। जिसके विरूद्ध विजयी प्रत्याशी पंकज कंकरवाल ने हाईकोर्ट में अपील की थी जिस पर विद्वान न्यायाधीश ने री-काउंटिंग के आदेश के खिलाफ स्टे आदेश जारी किया है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश रायगढ़ के न्यायाधीश रमाशंकर प्रसाद ने फैसला सुनाते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर को 19 अप्रैल को री काउंटिंग करने का आदेश जारी किया है। जिस आदेश के विरूद्ध विजयी प्रत्याशी पंकज कंकरवाल द्वारा अपने अधिवक्ता ईशान वर्मा एवं अशुतोष मिश्रा के माध्यम से रिट याचिका माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गई। यचिका मे मुख्य रूप से पर्याप्त साक्ष्य एवं विशिष्ट कथनों के आभाव के आधार पर चुनौती दी गयी। जिस पर विचार करते हुए न्यायमूर्ति राजेन्द्र चंद्र सिंह सामन्त की एकलपीठ द्वारा मतो के पुर्नगणना आदेश के निष्पादन पर रोक लगाते हुए नोटिस जारी किया गया है।

निधन
राजेश श्रीवास

मुंगेली। नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी राजेश श्रीवास का 52 वर्ष की उम्र अकासमिक निधन हो गया, वे थानू हेमंत राहुल श्रीवास क चाचा था, उनका अंतिम संस्कार कोरोना नियमो के अनुसार किया गया।

15 लोगों पर एफआईआर, कोरोना गाइड लाइन की अनदेखी

पायनियर संवाददाता < रायगढ़
www.dailypioneer.com

लॉकडाउन के पहले दिन मार्निंग वॉक पर निकले लोगों पर सभी थानाक्षेत्र में 500-500 रूपये का चालान कर जुर्माने की कार्रवाई की गई है। इनमें से कुछ व्यक्ति जुर्माना रकम अदा करने पर बहस करने लगे। जिन्हें थाने लाया गया। इसके बाद उदंड व्यक्ति को घरवालों से रूपये मंगवाकर जुर्माना देना पड़ा। पुलिस की चौंक-चौबंध व्यवस्था व भारी जुर्माने की कार्रवाई के बाद केवल आवश्यक सेवाओं के लिए बाहर निकलने वालों की आवाजाही रही। पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के दिशा निर्देशन पर मंगलवार व बुधवार को मिलाकर कुल 15 व्यक्तियों पर कोविड-19 गाइडलाइन का उल्लंघन करने पर एफआईआर दर्ज किए गए हैं। बीते दिन थाना प्रभारी सारंगढ़ निरीक्षक जीएस दुबे द्वारा निर्धारित समय के बाद बस स्टैण्ड सारंगढ़ में राजेश अग्रवाल की किराना दुकान, साप्ताहिक बाजार सारंगढ़ में संतोष गुप्ता तथा सुशांत केशरवानी की दुकान एवं सम्राट चौक में घनश्याम अग्रवाल की किराना दुकान खुली पाये जाने पर चारों दुकान मालिकों पर धारा 269, 270 के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। इसी क्रम में बुधवार की सुबह छाल पुलिस द्वारा ऐडू में वैभवी आटो पाटर्स की दुकान में भीड़ किए जाने तथा लालू चन्द्रा हॉटल के खुले होने पर संचालक पर अपराध कायम किया गया है। इसी प्रकार खरसिया पुलिस ग्राम भैनापारा, पुसौर पुलिस द्वारा ग्राम कोड़पाली, महलोई में किराना दुकान खोलकर सामान बिक्री करते पाए जाने पर धारा 269, 270 के तहत अपराध कायम किया गया है।

कोरोना वारियर्स के कर्मचारियों के लिए 50 लाख के बीमा का प्रावधान सरकार को करना चाहिए : तिवारी

पायनियर संवाददाता < सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे कोरोना मरीजों की संख्या को देखते हुए प्रदेश के अधिकांश जिलों में जिलाधीशों के द्वारा अपने अपने जिलों में लाक डाउन किया जा रहा है । लगभग हर जिले में कार्यरत शासकीय कर्मचारियों को कोरोना काल में अपने विभागों के साथ साथ कोरोना टीकाकरण, बेरीगेट्स में ड्यूटी लगाई जा रही है,साथ ही कांटेक्ट ट्रेसिंग के लिए हर पंचायत में शिक्षकों का ड्यूटी लगाया गया है जो कोरोना पॉजिटिव पाए जाने वाले व्यक्ति एवं विगत दिनों में उसके संपर्क में आने वाले लोगों की जानकारी इकट्ठा करने में लगे है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की तरह ही सभी विभागों के कर्मचारियों के लिए भी राज्य सरकार को 50 लाख रुपए की बीमा का प्रावधान इन कर्मचारियों के लिए करना चाहिए । प्रदेश में वर्तमान समय में अनेक विभागों के कर्मचारी कोरोना से पीड़ित हो रहें हैं, और कालकल्वित हो जा रहे हैं ना तो उनके आश्रितों को कोरोना वारियर्स के तहत बीमा का लाभ मिल रहा है और ना ही पूरानी पेंशन का लाभ । छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक फेडरेशन के प्रदेश संगठन सचिव और छत्तीसगढ़ अंशदायी पेंशन कर्मचारी कल्याण संघ जिला जांजगीर चांपा के जिला अध्यक्ष अजय सिंह सिदारने प्रदेश सरकार से मांग किया है कि एन पी एस के जगह पर फिर से पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू किया जावे।

दड़ाई में 3 युवकों ने लूट की नीयत से चाकू मारकर कर दी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता < सक्ती
www.dailypioneer.com

प्रार्थी राजेश कुमार जायसवाल निवासी- सेंदरी, थाना नगरदा के द्वारा सकती थाने मे रिपोर्ट दर्ज कराया कि 13अप्रैल की रात्रि में उसके बड़े भाई खिलेश्वर कुंमार जायसवाल मोटर सायकिल से अपने छोटे भाई दुर्गेश जायसवाल के साथ घर वापस जाते समय करीब 10.50 बजे वह ग्राम डड़ाई बस स्टैंड मुख्य मार्ग के पास पहुंचा था ,उसी समय उनके मोंटर सायकिल का पेट्रोल खत्म हो जाने पर रोड मे खड़े थे, इसी बीच तीन अज्ञात व्यक्ति मोटर सायकिल से आये और आकर उनसे पैसे की मांग करने लगे नहीं देने पर मारपीट कर खिलेश्वर जायसवाल से पर्स छिनकर पर्स में रखे 500 रूपये को लूट लेने पर खिलेश्वर जायसवाल के द्वारा अपने मोबाईल से बात करने पर अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा मोबाईल को लूट कर चाकू मारकर हत्या कर भाग गए,प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध कमांक 112/21 धारा 302, 394, 34 भादवि . पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया,उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन मे उप पुलिस अधीक्षक सक्ती रजत नाग के मार्गदर्शन मे निरीक्षक रविन्द्र अनंत के नेतृत्व में टीम गठित कर अज्ञात आरोपियो की पतासाजी हेतु हमराह स्टाफ रवाना होकर घटना स्थल पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया घटना स्थल से रक्त रंजीत जुता एवं एक मैटल का पिस्टल नुमा लाईटर जप्त किया प्रार्थी के बताये हुलिया अनुसार तीनों संदेहियो को हिरासत में लेकर कार्यपालक दण्डाधिकारी न्यायालय सक्ती के समक्ष संदेहियो की शिनाख्तगी कराई गई,प्रार्थी द्वारा उक्त संदेहियों की पहचान किए जाने से आरोपी (1) पुष्पेन्द्र उर्फ प्रथम नायक पिता महेन्द्र नायक (2) यश ठारवानी पिता मनोहर ठारवानी (3) सलमान खान उर्फ चीनी उर्फ गोलू पिता जुम्मन खान उम्र 23 वर्ष साकिन वार्ड नं. 05 पुरेन्हापारा सक्ती थाना सक्ती जिला जाजगीर चाम्पा (छ.ग.) को 14.अप्रैल को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

ऑक्सीजन कांसंट्रेटर की मशीनें बढ़कर हुई 21

पायनियर संवाददाता < सक्ती
www.dailypioneer.com

मन में हो संकल्प जहाँ कोई नहीं विकल्प वहाँ की, कहावत को चरितार्थ होते हुए देख रहे हैं ,हम छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन में 14 अप्रैल को छपी ख़बर का असर व सेवाभाव का जज़्बा देखिये ,मात्र दो ही दिनों में दस मशीनें अग्रवाल समाज के बेड़े में और शामिल हो गई। पिछले वर्ष ग्यारह मशीनों से चालू हुई यह सेवा इस वर्ष दो ही दिनों में संगठन के आह्वान करते ही नई दस मशीनों के दानदाताओं के सहयोग से उनके बेड़े में तत्काल प्रभाव से शामिल हो गई। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के चेयरमैन अशोक अग्रवाल रायपुर ने बताया कि 14 अप्रैल को ही उन्होंने सूचना जारी की थी कि, इस संगठन के बेड़े में चार नई मशीनें शामिल हो रही हैं,परंतु रात होते होते तक 6 मशीनों की सूचना उन्हें और प्राप्त हुई ।ईश्वरीय कृपा देखिए, रात 12 बजे सुखद समाचार मिला कि कोरियर में अटकी वे सारी मशीनें रायपुर पहुँच गई हैं।रात को ही 1 बजे एक मरीज़ को और प्रात~ होते तक पाँच और मरीज़ों को इन सभी मशीनों की सेवाएँ भी जारी कर दी गई,ऑक्सीजन कॉन्संट्रेटर मशीन के संयोजक अनूप अग्रवाल रायपुर ने बताया कि,इस स्थिति की भयावहता का एहसास करते हुए ही उन्होंने एडवांस में मशीनों का आर्डर दे रखा था, लाक डाउन की वजह से कूरियर वालों ने मशीन उपलब्ध कराने में अपनी असमर्थता ज़ाहिर कर दी थी परंतु जहाँ चाह वहां राह निकलती ही है,ये मशीनें महासमुंद पहुँच चुकी थी। जिसे रात को ही रायपुर लाया गया, इस प्रकार बग़ैर समय गंवाए सेवाएँ सुचारू की जा सकी,माताजी की स्मृति में चार मशीनें देने वाले डॉक्टर जितेंद्र सर्राफ ने कहा कि,मन में संकल्प था माता जी की स्मृति में मुझे ये मशीनें देनी है तो समता कालोनी स्थित उनके हास्पिटल से इन 4 मशीनों की सेवाएँ सुचारु चालू कर दी गई है।

कोरोना मरीजों के स्वास्थ्य लाभ के लिए करें गायत्री मंत्र का जाप : गंगा अग्रवाल

■ गंगा अग्रवाल ने कोरोना काल के दौरान लोगों को दी थी अन्न सेवाएं

पायनियर संवाददाता < सक्ती
www.dailypioneer.com

वर्तमान समय में पूरे देश में कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए हमें लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं शांति के लिए प्रतिदिन संध्या काल 7.00 बजे 11 बार गायत्री मंत्र का जाप एवं यथासंभव एक- एक बार महामृत्युंजय मंत्र का जापकर दिया जलाना चाहिए, उक्तआशय की बातें छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला पतंजलि योग समिति की राज्य प्रभारी, छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल युवा मंच की महिला इकाई की प्रदेश संयोजिका, अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई की छत्तीसगढ़ प्रदेश महामंत्री, छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन की रक्तदान- नेत्रदान प्रकल्प की राष्ट्रीय संयोजक तथा कर्मठ सामाजिक कार्यकर्ता गंगा अग्रवाल रायपुर ने कही है, श्रीमती गंगा अग्रवाल रायपुर ने कहा है कि आज पूरे देश में कोविड-19 का संक्रमण पुनः जिस तरह से लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है, यह काफी चिंताजनक है, एवं हम सभी शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कोविड-19 के संक्रमण से स्वयं बचे एवं अपने परिवारजनों तथा लोगों को बचाने के लिए उन्हें जागरूक करें तथा सुरक्षा मास्क अनिवार्य रूप से अति आवश्यक होने पर घरों से बाहर निकलने पर जरूर लगाएं, हाथों को सैनिटाइजर से धोते रहें तथा हम सभी को ईश्वर से भी इस देश की शांति तथा लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करनी चाहिए, गंगा अग्रवाल कहती हैं कि विगत मार्च 2020 के बाद से पूरी दुनिया में कोविड-19 के संक्रमण ने जहां लोगों को अपनी चपेट में ले लिया था तथा लोगों की जागरूकता के चलते कोरोना कि यह महामारी वापस लौटने लगी थी, किंतु पुनः कहीं न कहीं आप हम-सभी की लापरवाही के चलते ही यह पुनः अपना पैर पसार रही है, एवं छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में कोविड-19 के संक्रमण की स्थिति बहुत भयावह है, तथा इस स्थिति में जहां विभिन्न स्वयंसेवी,सामाजिक संस्थाएं बढ़-चढ़कर अपना सहयोग दे रही हैं।

बत्ती हुई गुल तो एक किमी दूर से लाते हैं पानी

पायनियर संवाददाता < रायगढ़
www.dailypioneer.com

गोमर्डा अभ्यारण्य के घने जंगलों के बीच ऐसा भी गांव है, जहां लोग पानी को लेकर परेशान हैं। गर्मी आते ही यहां पानी की समस्याएं लोगों को घेर लेती है, पर यहां रहने वाले ग्रामीणों की इस परेशानी को सूनने वाला कोई भी नहीं है। महज एक पानी टंकी के भरोसे पूरा के पूरा गांव है और वह गांव रायगढ़ जिला मुख्यालय से तकरीबन 45 किमी की दूरी पर सारंगढ़ ब्लॉक का कोर्रापानी गांव है, जहां रात होते ही वन्यप्राणियों की दस्तक गांव तक हो जाती है और इस गांव में पानी की समस्या गर्मी आते ही शुरू हो जाती है। पिछले दिनों जब इस गांव के ग्रामीणों से पानी की समस्या को लेकर जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि कई दफे ऐसा भी होता है कि अगर गांव में किसी कारणवश बिजली गुल हो जाती है, तो उन्हें इस पानी टंकी से एक बूंद पानी भी नहीं मिल पाता है और उसके बाद ग्रामीणों की समस्या पहले से अधिक बढ़ जाती है। महिलाओं व ग्रामीणों को तकरीबन एक से डेढ़ किमी दूर तक पानी के लिए जाने पड़ता है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि गर्मी के दिनों में बिजली गुल की समस्या अधिक होती है। ग्रामीणों ने बताया कि पानी के लिए लोगों को यहां काफी मशक्कत करनी पड़ती है।

शिकायतों का भी असर नहीं- ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी में पानी की समस्या यहां काफी है और इसे लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को इसकी जानकारी दी जा चुकी है, पर विडबंना है कि कोई भी सूनने को तैयार नहीं है। जनप्रतिनिधि इस समस्या को दूर करने के लिए आश्वसन तो जरूर देते हैं, पर परेशानी को दूर करने का कोई स्थायी व ठोस प्रयास नहीं करते हैं।

पानी को लेकर यहां काफी समस्या है। गांव में एक पानी टंकी है और उसी के भरोसे पूरा गांव रहता है। करीब सौ आबादी वाले इस गांव में पानी की समस्या को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को अवगत करा दिया गया है, पर कोई सूनने वाला नहीं है।

रामलाल, ग्रामीण

गांव में जब बिजली गुल हो जाती है, तो पानी नहीं मिल पाता है और तकरीब एक से डेढ़ किमी दूर से पानी लाना पड़ता है। कई दफे इस पानी टंकी से सभी ग्रामीणों की पानी पूर्ति भी नहीं हो पाती है। इसके लिए प्रशासन को ध्यान देना चाहिए।

नदंनी बरिहा, स्थानीय ग्रामीण

पेज 1 के शेष...

कोरोना संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए ...

आने के बाद इलाज प्रारंभ करें। उन्होंने लोगों को मास्क का उपयोग करने, फिजिकल डिस्टेंस और हाथों की साफ-सफाई का ध्यान रखने के संबंध में भी जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि शासकीय अस्पतालों में मरीजों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना और आयुषमान योजना से इलाज कराने वाले लोगों पर कम से कम आर्थिक बोझ पड़े, इसके लिए टेस्ट और इलाज की दरें निर्धारित की गई हैं। प्रदेश में ऑक्सीजन की कोई कमी नही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है कि प्रदेश के ऑक्सीजन प्लांट में उत्पादित होने वाली 80 प्रतिशत ऑक्सीजन का उपयोग छत्तीसगढ़ में ही हो। उद्योगों को ऑक्सीजन उत्पादन के लिए चार लाईसेंस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण और टेस्टिंग में छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय औसत से बेहतर स्थिति में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सीमावर्ती इलाकों में विशेष अभियान चलाकर टेस्टिंग और इलाज की व्यवस्था की जाएगी। प्रदेश में 88 प्रतिशत हेल्थ वर्कर्स को टीके की पहली डोज तथा 58 प्रतिशत हेल्थ वर्कर्स को दूसरी डोज दी जा चुकी है। इसी तरह 84 प्रतिशत फ्रंट लाईन वर्कर्स को प्रथम डोज तथा 48 प्रतिशत को दूसरी डोज दी जा चुकी है। इसी तरह 45 वर्ष से अधिक आयु वाले 61 प्रतिशत लोगों को टीके लगाए गए हैं। टेस्टिंग के संबंध में उन्होंने जानकारी दी कि राष्ट्रीय स्तर पर जहां प्रति 10 लाख पर एक लाख 92 हजार 650 टेस्ट किए जा रहे हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में प्रति 10 लाख पर दो लाख 21 हजार 356 टेस्ट किए जा रहे हैं। वर्तमान में प्रतिदिन 53 हजार टेस्ट किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आरटीपीसीआर और ट्रू नॉट लैबो की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। आरटीपीसीआर टेस्ट के लिए वर्तमान में 7 शासकीय और 5 निजी क्षेत्र में लैब हैं। इसी तरह 31 शासकीय ट्रू नॉट लैब और 5 लैब निजी क्षेत्र में हैं। शासकीय और निजी अस्पतालों में 815 वेन्टीलेटर उपलब्ध हैं। प्रदेश में बिस्तरों की संख्या, आईसीयू बेड, ऑक्सीजन युक्त बेड की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। मेडिकल स्टॉफ की भर्ती की जा रही है। साथ ही सभी जिलों को कोविड प्रबंधन के लिए लगातार राशि उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि रेमडेसीविर इंजेक्शन के लिए रायपुर के मेकाहारा में काउंटर शुरू किया जा रहा है। इस इंजेक्शन की सुचारू आपूर्ति के लिए महाराष्ट्र और हैदराबाद वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा गया है। सभी जिलों में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं और इनके नम्बर जारी कर दिए गए हैं। प्रवासी मजदूरों के लिए ग्राम पंचायतों को क्वारेंटाईन सेंटर स्थापित करने के निर्देश दे दिए गए हैं। कोरोना से बचाव और रोकथाम के उपायों की समीक्षा जिले के प्रभारी मंत्रियों और प्रभारी सचिवों द्वारा वर्चुअल मीटिंग लेकर की जा रही है। जरूरतमंदों को कोई परेशानी न हो, इसका भी ध्यान रखा जा रहा है। बैठक में विभिन्न दलों के नेताओं ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने विकासखण्ड स्तर पर हास्टल और सामाजिक भवनों में बेड की व्यवस्था करने, अन्य स्थानों पर भी शासकीय और निजी हास्टल में बेड की व्यवस्था करने का सुझाव दिया। भारतीय जनता पार्टी के शिवरतन शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग के रिक्त पदों पर जल्द भर्ती करने, आयुषमान योजना में अन्य अस्पतालों को जोड़ने का सुझाव दिया। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि उनके दल द्वारा हर जिले में कंट्रोल रूम स्थापित कर लोगों की सहायता की जा रही है। दल के विधायक, महापौर, पार्षद मुख्यमंत्री सहायता कोष में एक माह का वेतन देंगे। जरूरतमंदों को सूखा राशन और दवाईयां पहुंचाने का काम भी किया जा रहा है। बुजुर्गों को टीकाकरण स्थल तक पहुंचाने के लिए गाड़ियों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राहत कोष में छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठानों द्वारा सीएसआर मद से दी गई राशि छत्तीसगढ़ को मिलनी चाहिए। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नीलकंठ त्रिपाठी ने ऑक्सीजन की कमी, निजी अस्पतालों द्वारा उपचार में अत्यधिक शुल्क लेने जैसी समस्याओं पर ध्यान आकृष्ट किया गया। जनता कांग्रेस के अमित जोगी ने 18 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं के टीकाकरण, कोरोना मरीजों की टेस्टिंग और ट्रेकिंग के संबंध में सुझाव दिए। शिवसेना के धनंजय परिहार ने रेमडेसीविर इंजेक्शन के उपयोग के बारे में जागरूक करने की जरूरत पर बल दिया। सीपीआईएम के धनराज महापात्र ने चिकित्सा के क्षेत्र में ढांचागत सुविधाएं विकसित करने के लिए पीएम केयर फण्ड से विशेष राहत की मांग की। गोण्डवाना गणतंत्र पार्टी और समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि ने भी बैठक में सुझाव दिए। बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार विनोद वर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, स्वास्थ्य विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी.पिल्ले, मुख्यमंत्री के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, सामान्य प्रशासन विभाग और जनसम्पर्क विभाग के सचिव डी. डी. सिंह, संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. प्रियंका शुक्ला, संचालक स्वास्थ्य नीरज बंसोड़ उपस्थित थे।

कोरोना महामारी से निपटने सामाजिक ...

के सात शासकीय और पांच निजी लैबों में आरटीपीसीआर पद्धति से कोरोना सैंपलों की जांच की जा रही है। इस महीने कोरिया, महासमुंद, कांकेर और कोरबा में चार नए लैब शुरू होने से जांच में तेजी आएगी और रिपोर्ट जल्दी मिलेगी। शासकीय क्षेत्र के 31 और निजी क्षेत्र के चार लैबों में ट्रूनाट पद्धित से भी सैंपलों की जांच की जा रही है। रैपिड एंटीजन किट से भी सभी जिलों में सैंपल की जांच हो रही है। उन्होंने बताया कि टीकाकरण में भी छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। प्रदेश की 14 प्रतिशत आबादी को कोरोना से बचाव का पहला टीका लगाया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग की अपर मुख्य सचिव रेणु जी. पिल्लै ने पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रदेश में कोरोना संक्रमण की स्थिति, टेस्टिंग, इलाज की व्यवस्था और टीकाकरण की जानकारी दी। जनसंपर्क विभाग के सचिव डी.डी. सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं नीरज बंसोड़ और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला भी वीडियो कॉन्फ्रेंस में मौजूद थीं। मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने बताया कि वे लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ ही ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कन्सेन्ट्रेटर और दवाईयां उपलब्ध कराने में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि वे कोविड-19 के प्रबंधन में अपने सामाजिक भवनों, छात्रावासों, वालिंटियर, भोजन उपलब्ध कराने, ऑक्सीजन आपूर्ति एवं अन्य किसी भी प्रकार के सहयोग के लिए सहर्ष तैयार हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंस में मनवा कुर्मी समाज, छत्तीसगढ़ कंवर समाज, राजपूत-क्षत्रिय महासभा, माहेश्वरी समाज, छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत, महाराष्ट्र मंडल, साहू समाज, मसीही समाज, जैन समाज और देवांगन समाज के प्रमुख शामिल हुए।

कोरोना की जंग में जीत हासिल करने सामाजिक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : रजत बंसल

लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंद लोगों को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने कलेक्टर ने ली बैठक

पायनियर संवाददाता ◀ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

बस्तर कलेक्टर रजत बंसल ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना की लड़ाई में जीत हासिल करने में समाज के सभी वर्गों के साथ-साथ सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बस्तर जिले के सभी सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को इस महामारी की विभीषिका से निपटने हेतु हरसंभव मदद करने की अपील की। बंसल ने कलेक्टोरेट जगदलपुर के प्रेरणा कक्ष में बस्तर जिले में 15 अप्रैल को शाम 6 बजे से लेकर 22 अप्रैल को रात्रि 12 बजे तक लगाए जाने वाले लॉकडाउन के दौरान सभी जरूरतमंद लोगों को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में सहयोग के लिए जिले के सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि लॉकडाउन के अवधि के दौरान सभी जरूरतमंद लोगों को चावल, सब्जी, राशन, दवाईयां इत्यादि अतिआवश्यक सामग्री के लिए परेशानियों का सामना न करना पड़े इसके लिए योजना बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है। बंसल ने कहा कि जिला प्रशासन के द्वारा इस अवधि में अतिनिर्धन वर्ग के लोगों के अलावा दिहाड़ी मजदूर तथा जिले में रूकने वाले बाहर के मजदूर आदि सभी जरूरतमंद लोगों तक आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाएगी। बैठक में अपर कलेक्टर अरविंद एक्का, सहायक कलेक्टर सूरूचि सिंह, अनुविभागीय दण्डाधिकारी जीआर मरकाम सहित अन्य अधिकारी तथा जिले के सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। कलेक्टर बंसल ने कहा कि कोरोना वायरस का दूसरा चरण बहुत ही खतरनाक है। बस्तर जिले में सभी के सहयोग से इसके संक्रमण के प्रसार को अब तक बेहतर तरीके से नियंत्रित किया गया है, किन्तु अन्य क्षेत्रों में कोरोना के निरंतर प्रसार की खबरें आ रही हैं। एहतियातन जिला प्रशासन द्वारा बस्तर जिले में आने वाले समय में भी इसके प्रसार के नियंत्रण हेतु पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने हेतु आज शाम 6 बजे से 22 अप्रैल तक सम्पूर्ण बस्तर जिले को कन्टेमेंट जोन घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान सभी जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराने हेतु खाद्य पदार्थों की सर्वाधिक आवश्यकता पड़ेगी। बंसल ने सभी सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के यथासंभव भोजन एवं अन्य आवश्यक सामग्री के वितरण में जिला प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाने पर उनके अंतिम क्रिया-कर्म के लिए आवश्यक सामग्री की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए भी उन्होंने सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को मदद की अपील की। कलेक्टर ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान भी कोरोना वायरस की रोकथाम हेतु टीकाकरण का कार्य निरंतर जारी रहेगा।

असंगठित 107 पंजीकृत हितग्राहियों को मिले 29 लाख 3 हजार 500 रूपए

पायनियर संवाददाता ◀ कवर्धा
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप श्रममंत्री डॉ. शिव डहरिया के नेतृत्व में श्रम विभाग द्वारा पंजीकृत असंगठित कर्मकारों के कल्याण और उनके आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में कबीरधाम जिले के श्रम विभाग द्वारा पंजीकृत असंगठित कर्मकार प्रसूति सहायता योजना, असंगठित कर्मकार मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना और सफाई कर्मकार छात्रवृत्ति योजना के तहत 107 पंजीकृत हितग्राहियों को सीधे उनके बैंक खाते के माध्यम से 29 लाख 3 हजार 500 रूपए जारी किए गए है।

लाभान्वित्त हितग्राहियों में असंगठित कर्मकार प्रसूति सहायता योजना के 79 हितग्राहियों को 7 लाख 90 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। प्रत्येक हितग्र्राहियों को योजना के तहत 10-10 हजार रूपए का लाभ दिया गया है। असंगठित कर्मकार मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के 21 हितग्राहियों को 21 लाख रूपए स्वीकृत किए गए है। प्रत्येक हितग्राहियों को योजना के तहत एक-एक लाख रूपए का लाभ दिया गया है। इसी प्रकार सफाई कर्मकार छात्रवृत्ति योजना के 7 हितग्राहियों को 13 हजार 500 रूपए स्वीकृत किए गए है। कोविड-19, कोरोना वायरस के सं मण के बीच असंगठित कर्मकार के हितग्राहियों को योजना के लाभ मिलने से एक बड़ी राहत मिल सकती है। कबीरधाम जिले के श्रम विभाग में पंजीकृत असंगठित कर्मकार प्रसूति सहायता योजना के तहत लाभन्वित्त हितग्राहियों में सरोजनी साहू, उषा चंद्रवंशी, उमा मरकाम, गंगोत्री पंचतिलक, आशा निर्मलकर, नशिरून, बिना पटेल, पूर्णिमा, नीतू साहू, कुलश पटेल, रोशनी जांगड़े, प्रियंका, गायत्री गोस्वामी, अमरीका साहू, अश्वनी साहू, फुलेश्वरी पटेल, नेहा पटेल, शीतल यादव, मंदाकनी, जुगा बाई सिन्हा, रानी साहू, सुनीता पटेल, सरोजनी जायसवाल, डेरहीन जनार्दन, सुनिता साहू, ललिता कौशिक, नीलम साहू, भूमिका साहू, पंचवती, दुर्पती कौशिक, संतोषी राजपुत, गायत्री धुर्वे, हेशमति साहू, हेमलता साहू, लक्ष्मी पटले, दिलेश्वरी यादव, राजेश्वरी, सुप्रिता साहू, सुखयारिन, उषा बाई, रजनी जोशी, मंदाकनी यादव, राजमति साहू, पंची साहू, ललिता, चमेली बाई, अगरोतीन, गनेश्यि निर्मलकर, लक्ष्मी महरा, सबिता बघेल, घुरैया बाई टेकाम, रजनी बाई, सीमा निर्मलकर, फुलकुंवर बाई, आरती साहू, कुबरा खान, परवीन, ठामिनी कोसरिया, रेखा बाई, रोशनी यादव, राजकुमार पटेल, मंती बाई, ममता कौशिक, पुष्पा साहू, संतोषी धुर्वे, शशि सतनामी, जिंदेश्वरी चंद्रवंशी, यमुना बाई, भारती पाली, पूजा मागरे, मनीषा चंद्रवंशी, मीना झारिया, सकुन निषाद, राना बाई साहू, अनिता पटेल, रानू साहू, फुलकैना शामिल है।

वर्षो पुरानी मूलभूत समस्याओं एवं मांगों को लेकर फिर एकजुट हुए वानांचल क्षेत्र के ग्रामीण और जनप्रतिनिधि

पायनियर संवाददाता ◀ अन्तागढ़
www.dailypioneer.com

अपनी विभिन्न मूलभूत समस्याओं व मांगों को लेकर संवेदनशील गांवो के ग्रामीण व जनप्रतिनिधि सैंकड़ों की संख्या में आमाबेड़ा में एकत्रित हुए। जिले में 144 धारा लगने के कारण रैली रद्द करनी पड़ी। ग्रामीणों का प्रतिनिधित्व करने वाले अन्तागढ़ जनपद उपाध्यक्ष भवनलाल जैन व आसपास के पंचायत प्रतिनधियों ने मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को 7 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इसमें तेंदूपत्ता का उचित समर्थन मूल्य सैंकड़ा 500 रुपये करने, वनोपज का संग्रहण साल, महुआ, हर्रा का मूल्य बढ़ाने, जंगल को आग लगने से बचाने वन विभाग द्वारा उचित प्रबंध करने। तेंदूपत्ता क्रेताओं (फंड मुंशी, चेकर, लेबरों) की मानदेय बढ़ाये जाने। अन्तागढ़ से आमाबेड़ा व आमाबेड़ा से कांकेर पहुँच मार्ग को तत्काल बनाने। आमाबेड़ा में राष्ट्रीयकृत बैंक तत्काल खोलने व आमाबेड़ा में स्वास्थ्य सुधार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में एमबीबीएस डॉक्टर उपलब्ध करवाने जैसी मांगें रखी। अन्तागढ़ जनपद उपाध्यक्ष भवनलाल जैन ने बताया कि इस तरह की मांग हम सभी क्षेत्रवासियों द्वारा लगभग 4 बार कर चुके है किंतु आज पर्यंत तक हमारी मांगे नहीं हुई। यदि इस बार भी मांगे पूरी नहीं होती है तो आसपास के क्षेत्र के करीब 90 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण कलेक्ट्रेट का घेराव करने पैदल यात्रा करने बाध्य होंगे,जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

एसडीएम कक्ष में अविश्वास प्रस्ताव को लेकर महिलाओं व पुरुषों ने जमकर हंगामा मचाया

पायनियर संवाददाता ◀ मुंगेली
www.dailypioneer.com

एसडीएम के कक्ष में अविश्वास प्रस्ताव की जानकारी को लेकर महिलाओं व पुरुषों ने जमकर हंगामा मचाया। अफसरों से गालीगलौज कर दुर्व्यवहार किया। चपरासी से मारपीट भी की गई। एसडीमए नवीन भगत की रिपोर्ट पर सिटी कोतवाली पुलिस ने तीन महिला व दो पुरुष के खिलाफ धारा 186, 353, 294, 34 के तहत अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना की जा रही है।

पुलिस के अनुसार एसडीएम कार्यालय में 12 अप्रैल को अपरान्ह लगभग 4 बजे ईशा टण्डन, नीतू परिहार, जितेन्द्र परिहार, गौरव वर्मा तथा एक अन्य महिला पहुंचे। उन लोगों ने ग्राम बिरगहनी के अविश्वास प्रस्ताव के संबंध में जानकारी मांगते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गालीगलौज शुरू कर दी। कार्यालय में पदस्थ भृत्य हरचंदा बंजारे द्वारा बीचबचाव करने पर उन लोगों ने उसकी कॉलर पकड़कर धक्का-मुक्की कर मारपीट शुरू कर दी। करीब आधे घंटे तक एसडीएम चेंबर में हंगामा चलता रहा। काफी समाइश के बाद वे लोग वहां से गए। उसके बाद एसडीएम ने ईशा टण्डन, नीतू परिहार, जितेन्द्र परिहार, गौरव वर्मा तथा उसके एक अन्य महिला साथी के विरूद्ध सिटी कोतवाली थाने में शासकीय कार्य में बाधा, गालीगलौज, चपरासी से मारपीट आदि की जानकारी दी और रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने नामजद सहित एक अज्ञात महिला के खिलाफ धारा 186,353,294, 34 के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मामले में बुधवार को गौरव वर्मा नाम के एक व्यक्ति को थाने में बैठा कर पूछताछ की है। क्या है मामला- दरअसल कुछ लोग बिरगहनी सरपंच को हटाने की मांग कर रहे हैं। मामला हाईकोर्ट में गया। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद बिरगहनी में अविश्वास प्रस्ताव लाया जाना है। बिरगहनी सरपंच को हटाने को लेकर दबाव बनाने लोग भीड़ में एसडीएम कार्यालय पहुंचे। सभी लोग बाहरी एसडीएम कार्यालय के कर्मचारियों ने बताया कि इनमें से कुछ लोग महासमुंद की हैं। महिलाएं एक व्यक्ति के इशारे पर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर बलात दबाव बनाने का प्रयास कर रही थीं। खनिज उत्खनन का मामला-सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पथरिया मोड़ स्थित बिरगहनी के आस-पास में मुरूम की खदान है। मुरूम खदान पर उत्खनन माफिह्रया की नजर है। वर्तमान बिरगहनी सरपंच ने मुरूम माफ्यिा को उत्खनन के लिए मना किया है। यही कारण है कि मुरूम माफ्यिा सरपंच को हटाने के लिए साम दाम दण्ड भेद की नीति अपनानते हुए प्रशासन पर दबाव बना रहे हैं। जब स्थानीय लोगों का समर्थन नहीं मिला तो महासमुंद की महिलाओं को बुलाकर एसडीएम कार्यालय में उत्पात मचाया। अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए दबाव बनाने एसडीएम के साथ गाली गलौज से भी करने से गुरेज नहीं किया। गालीगलौज कर, धमकी दी-घटनाक्रम को लेकर एसडीएम नवीन कुमार भगत ने बताया कि चार महिलाएं और गौरव वर्मा समेत कुछ लोग बिना अनुमति कार्यालय में घुसे। उस समय शासकीय काम में व्यस्त था। सभी ने भृत्य के साथ पहले तो अभद्र व्यवहार किया। ईशा टण्डन, नीतू परिहार, जितेन्द्र परिहार और गौरव ने बिरगहनी सरपंच को हटाने को लेकर जानकारी मांगी। उन्हें बताया गया कि बिरगहनी सरपंच के खिलाफनियमानुसार प्रक्रिया के तहत अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा। कलेक्टर के आदेश पर कार्रवाई की जाएगी। इतना सुनते ही महिलाओं के साथ ही जितेन्द्र और गौरव ने गालीगलौज करना शुरू कर दिया। जान से मारने की धमकी देने लगे। इसी दौरान बीच बचाव करने पहुंचे भृत्य को कालर पकड़कर मारा और धक्का मुक्की भी की।

कार्रवाई की जा रही

- मुंगेली एसडीएम कार्यालय में कुछ लोगों द्वारा जानकारी लेने के नाम पर कार्यालय में गाली-गलौज कर अभद्रता पूर्ण व्यवहार करने कि शिकायत प्राप्त हुई है। इस पर एफआईआर दर्ज कर संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जा रही है।

-टीआर पटेल, एसडीओपी

अमेज़न ने आत्मनिर्भर भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी

10 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात को सक्षम करने और 1 मिलियन नौकरियां पैदा करने के संकल्प की पुष्टि करती है

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

अमेज़न इंडिया ने अपने प्रमुख इवेन्ट, सम्भव, के शुरुआती सत्र मेंआज एसएमबीडिजिटलीकरण, कृषि और हेल्थकेयर में टेक्नोलॉजीइनोवेशन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए स्टार्टअप्स और एंट्रेप्रेन्योर्स में निवेश करने के लिए 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर के अमेज़न सम्भव वेंचर फंड की घोषणा की। वेंचर फंड टेक्नोलॉजी आधारित स्टार्टअप्स में निवेश करेगा जो डिजिटल इंडिया की संभावनाओं को साकार करने के लिए उत्सुक एवं संवेदनशील हैं। वेंचर फंड विशेष रूप से एसएमबी (लघु और मध्यम बिजनेस) को डिजिटाइज़ करने के लिए सर्वोत्तम विचारों को प्रोत्साहित करने, किसानों की उत्पादकता में सुधार करने के लिए कृषि में इनोवेशन करने और उन्हें उपभोक्ताओं के लिए भारत के खेतों से सर्वश्रेष्ठ उत्पादन करने और सभी टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए सार्वभौमिक और गुणवत्तापूर्ण हेल्थकेयर तक उनकी पहुंच बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसके अलावा, अमेज़न ने लोकल शॉप्स ऑन अमेज़न प्रोग्राम के माध्यम से 2025 तक अमेज़न इंडिया मार्केटप्लेस पर 1 मिलियन ऑफलाइन रिटेलसेलर्स और नेबरहुड स्टोर्स को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने और उनको ऑनलाइन लाने की योजना की घोषणा की। इसी इवेंट में, अमेज़न ने 2025 तक भारत के नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र के 8 राज्यों से 50,000 कारीगरों, बुनकरों और छोटे व्यवसायों को ऑनलाइन लाने और उस क्षेत्र से चाय, मसाले, शहदजैसे प्रमुख वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 'स्पॉटलाइट नॉर्थ ईस्ट' पहल की भी शुरुआत की। इन नई पहलों की घोषणा एडब्ल्यूएस सीईओ और अमेज़न के आगामी सीईओ, एंडी जेसी, और अमेज़न इंडिया के ग्लोबल सीनियर वीपी और कंट्री हेड, अमित अग्रवाल के बीच अमेज़न सम्भव में एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान की गई, जहाँ उन्होंने भारत के लिएअनंत संभावनाओं को साकार करने के प्रति अमेज़न की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराया।

सम्भव2021 में अपने विचार रखते हुए, अमित अग्रवाल, ग्लोबल सीनियर वीपी और कंट्री हेड, अमेज़न इंडिया ने कहा कि ÷2020 में, हमने 2025 तक 10मिलियनएसएमबीको डिजिटाइज़ करने, 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात को सक्षम करने और 1 मिलियननौकरियां पैदा करने की प्रतिज्ञा की थी। अपनी पहल के माध्यम से, हम डिजिटल इंडिया के लिए संभावनाओं को साकार करने में उत्प्रेरक औरपार्टनर बनने, और पीएम द्वारा वयक्त किये गये आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमेज़न सम्भव वेंचर फंड के लॉन्च का लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ विचारों को सामने लाना और देश के एंट्रेप्रेन्योर्स को इस दृष्टिकोण में भागीदार बनाना है। इसके अलावा, ,mazon.in पर 1मिलियनऑफ़लाइन शॉप्स को शामिल करने और नॉर्थ ईस्ट क्षेत्र को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की पहल से डिजिटल और आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में तेजी आएगी।

बजाज ऑटो ने एक्स्ट्रा कड़क' फीचर्स के साथ नई सी टी 110 एक्स को लॉन्च किया

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

'पूरी दुनिया में सबसे पसंदीदा भारतीय मोटरसाइकिल ब्रांड' के तौर पर प्रसिद्ध, बजाज ऑटो ने नई सी टी 110 एक्स को भारतीय बाड़ार में लॉन्च किया गया है। सी टी पोर्टफोलियो के सर्वश्रेष्ठ वेरिएंट, सी टी 110 एक्स को 'एक्स्ट्रा कड़क' लुक, प्रदर्शन और मजबूत बनावट के साथ उतारा गया है। इस बाइक को सड़क पर सवारी की विभिन्न परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। अपने चौड़े क्रॉस-सेक्शन, मजबूत गोल हेडलाइट और पूरी तरह काले रंग के वाइज़र के अलावा अपने दमदार एवं सुगठित लुक के साथ, सी टी 110 एक्स इस सेगमेंट में अपनी प्रतिस्पर्धी मोटरसाइकिलों की तुलना में कुछ 'एक्स्ट्रा' प्रदान करता है। ग्राहक और उसकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसमें कई बदलाव किए गए हैं। पहले से ज्यादा मोटे क्रैश-गार्ड और मोल्डेड फुटहोल्ड बाइक की सवारी को बेहद सुरक्षित और अधिक आरामदेह बनाते हैं। इस मोटरसाइकिल में एक रियर कैरियर भी लगाया गया है जो 7 किलो वजन ले जाने में सक्षम है। बाइक की सवारी को और आरामदेह बनाने के लिए इसमें दोहरी संरचना एवं दोहरी सिलाई वाली सीट लगाई गई है। सेमी-नॉबी टायर के साथ एक स्क्वायर-ट्यूब, सेमी-डबल क्रैडल फ्रेम स्थिरता, मजबूती, और सवारी के दौरान बेहतर नियंत्रण को बढ़ाते हैं, जबकि इंटीग्रेटेड टैंक पैड और थोड़े ऊँचे फ्रंट फेंडर कठिन हालात में भी सवारी को सुविधाजनक बनाते हैं।

लॉन्च के अवसर पर सारंग कानाडे ङ्क प्रेसिडेंट, मोटरसाइकिल्स - बजाज ऑटो, ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा ÷सी टी 110 एक्सके लॉन्च के साथ हम एक बिल्कुल अलग प्रोडक्ट पेश कर रहे हैं, जो माइलेज से समझौता किए बिना अपने शानदार फीचर्स, ज्यादा आरामदेह सवारी और जबरदस्त मजबूती के साथ बाइक की अहमियत को बढ़ा देता है। नई सी टी 110 एक्सउन लोगों के लिए है, जिनके मन में शानदार लुक के साथ-साथ बेहद मजबूत बनावट वाली ऐसी बाइक खरीदने की इच्छा है, जो बेहद कठिन सड़कों पर भी ज्यादा आरामदेह सवारी का अनुभव प्रदान कर सके। सी टी ब्रांड की बाइक्स में हम चालक को ध्यान में रखते हुए इनोवेशन पर जोर दे रहे हैं, और हमें पूरा यकीन है कि हमारी नई पेशकश - यानी सी टी 110 एक्स इस सेगमेंट में हमें अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा देने में मदद करेगी।

भटक रहे लोग, टीका खत्म होने की लोगों को नही मिली थी सूचना

कुरुद में को-वैक्सीन हुआ खत्म, सेंटर में लगा ताला

पायनियर संवाददाता ◀ कुरुद
www.dailypioneer.com

प्रदेश में एक तरफ कोरोना के कहर से बचाने के लिए लोगों को अधिक से अधिक संख्या में टीकाकरण कराने को प्रेरित किया जा रहा है, लेकिन दूसरी तरफ अव्यवस्था का आलम यह है कि को-वैक्सीन की डोज ही खत्म हो चुकी है। लापरवाह विभाग इसके लिए न तो कोई सूचना निकाली है और न ही को-वैक्सीनेशन सेंटर में कोई सूचना चस्पा किये है जिसके चलते टीका लगवाने पहुंच रहे लोग निराश होकर वापस लौट रहे है। गौरतलब हो कि कुरुद सिविल अस्पताल में 22 जनवरी से अब तक लाभार्थियों को को-वैक्सीन लगाई जा रही थी। इसी तरीके से उसके अंतर्गत बनाये गए वैक्सिनेशन सेंटर में भी को-वैक्सीन दी जा रही थी। मगर दो दिनों से यहां पर को-वैक्सीन खत्म हो चुकी है। लिहाजा सैकड़ों मरीज वापस हो रहे हैं। बुधवार से यहां कोविशील्ड का टीका खत्म हो चुका है जिसके कारण कोई भी कर्मचारी उक्त सेंटर में उपलब्ध नही है। लेकिन नगर के वार्डो के लोग जानकारी के अभाव में वैक्सिनेशन सेंटर के चक्कर काट रहे थे। ज्यादा तकलीफ 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगो को हो रही है जो भरी दोपहरी में भी टीका लगवाने चक्कर काट रहे है। जानकारी के मुताबिक सिविल अस्पताल ही नही अपितु सिविल अस्पताल कुरुद अंतर्गत आने वाले प्राथमिक एवं उपस्वास्थ्य केंद्रों में भी को-वैक्सीन की स्टॉक अथवा खुराक नही है।

कोवैक्सिनेशन नहीं होने से नाराजगी

एक ओर कोरोना सं मण भयावह रूप दिखा रहा है बावजूद लोग हिम्मत जुटा कर कोरोना का टीका लगाने पहुंच रहे है लेकिन उन्हें टीका नही लग पाने से चेहरे पर मायूसी देखी जा रही है। नगर की महिला सरिता ओझा अपने पति के साथ दोपहर 01 बजे इनडोर स्टेडियम कुरुद में बनाये गए वैक्सिनेशन सेंटर का चक्क र काट रही थी। एक घन्टे तक इधर उधर पता किया तो पता चला कि आज दिनभर से खुला ही नही है। उन्होंने नाराजगी व्यक्त कर कहा कि जब स्टॉक खत्म हो गया है तो इसकी सूचना आम लोगो को देनी चाहिए थी। यहां न तो कोई नम्बर चस्पा है और न स्टॉक खत्म होने की सूचना तो कैसे करे।

हम लक्ष्यपूर्ति की ओर अग्रसर है

इस संदर्भ में बीएमओ डॉ यू एस नवर ने बताया कि कुरुद ब्लाक में हमें 48000 लोगो के को-वैक्सीनेशन का लक्ष्य मिला हुआ है जिसमे से हमने अब तक 42000 लोगो को टीका लगाया दिया है। प्रतिदिन उपलब्धता के हिसाब से 1800 से लेकर 2400 तक का टीकाकरण कर रहे है। रही बात गुरुवार को टीकाकरण बन्द की तो कुछ दवाइयां हमारे पास स्टॉक में थी तो उसे सेंटर में हमारे कर्मचारी लगा रहे थे।

न्यायालय नजूल अधिकारी
कोण्डागांव, जिला-कोण्डागांव

राजस्व प्रकरण क्रमाँक-202104201500005/
अ-6/2020-21

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री तपेन्द्र नेताम पिता स्व. गोरसूराम पति मुरिया निवासी बड़ेजामकोटपारा कोण्डागांव तहसील व जिला-कोण्डागांव के द्वारा नगर-कोण्डागांव के मोहल्ला-बड़ेजामकोटपारा में स्थित भूमि शीट नं. 1 भूखण्ड क्रमांक 336/2 क्षेत्रफल 1742 वर्गफीट भूमि नजूल संधारण खसरा में आवेदक के माता सुपती बाई पति स्व. गोरसू राम के नाम दर्ज होना लेख किया गया है। आवेदक के माता सुपती बाई की मृत्यु दिनांक 28.05.2020 को हो चुकी है। आवेदक के आवेदक अपने माताजी के मृत्यु होने के उपरांत नाम खारिज कर वसीयतनामा अनुसार नाम दर्ज करवाने हेतु वसीयतनाम, तलवाना, नक्शा, खसरा एवं मृत्यु प्रमाण पत्र सहित इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा या आपत्ति करना हो तो वे दिनांक 26.04.2021 तक अपना दावा आपत्ति मेरे समक्ष कार्यालय समय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनां 09.04.2021 को जारी किया जाता है।

मुहर

नजूल अधिकारी
जिला कोण्डागांव (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, महासमुन्द (छ.ग.)

E-mail Id :- eemah-phe-cg@nic.in, Telephone:-07723-223731

// निविदा निरस्तीकरण सूचना//

इस कार्यालय का निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 71 (सिस्टम निविदा क्रमांक 73587), 72 (सिस्टम निविदा क्रमांक 73588), 75 (सिस्टम निविदा क्रमांक 73591), 79 (सिस्टम निविदा क्रमांक 73722), 80 (सिस्टम निविदा क्रमांक 73723), 82 (सिस्टम निविदा क्रमांक 73725), 83 (सिस्टम निविदा क्रमांक 73726), 84 (सिस्टम निविदा क्रमांक 73727), 85 (सिस्टम निविदा क्रमांक 73726), 88 (सिस्टम निविदा क्रमांक 73732), 89 (सिस्टम निविदा क्रमांक 73733) को एकल निविदा हो जाने के कारण निरस्त किया जाता है। शीघ्र ही पुनः निविदा आमंत्रण की कार्यवाही की जावेगी। जी.नं.-87900 एवं 87930 दि. 13.3.21

जी-60249/5

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
महासमुन्द (छ.ग.)

वेंटिलेटर और ऑक्सीजन सपोर्ट साथ में शुरु करना एक चुनौती, तकनीकी समस्याओं में उलझा कोविड अस्पताल

ऑक्सीजन की कम सप्लाई के बीच 20 वेंटिलेटर और ऑक्सीजन सपोर्ट एक साथ शुरु करने में खतरा

- एक-दो दिनों तक सिस्टम का ट्रायल लेकर समस्याए सुलझाने की कोशिश
- नहीं हो सकी दो सौ सिलेंडरों की खरीदी, सरकार ने 90 सिलेंडर मुहैया कराए

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

ऑक्सीजन और वेंटिलेटर सपोर्ट की कमी की वहज से हो रही मौतों के बीच पेंड्री स्थित कोविड अस्पताल में संसाधन बढ़ाने की कोशिशें जारी हैं। यहां गुजरात से मंगाए गए 10 वेंटिलेटर का डेमोस्ट्रेशन बुधवार की देर रात खत्म हुआ। फिलहाल अस्पताल प्रबंधन इनका ट्रायल ले रहा है और शुक्रवार से यह मरीजों के लिए इसे शुरु किए जाने की संभावना है। हालांकि ऑक्सीजन की कमी के चलते इसमें भी एक तकनीकी समस्या सामने आ रही है।

दरअसल, अस्पताल में पहले ही ऑक्सीजन की कमी है। इसके चलते एक साथ 20 वेंटिलेटर और ऑक्सीजन सपोर्ट को शुरु करने में परेशानियां आ रही है। अस्पताल के नोडल अफसर डॉ. अजय कोसम ने बताया कि वेंटिलेटर को काफी ज्यादा ऑक्सीजन की जरुरत होती है। यह भी सेंट्रल सिस्टम से जुड़ा हुआ है। ऐसे में 20 वेंटिलेटर को एक साथ शुरु करने से अन्य बिस्तरों पर ऑक्सीजन की सप्लाई धीमी और कम हो जाती है। इन दोनों सिस्टम को एक साथ चलाने के लिए हमें काफी ज्यादा ऑक्सीजन की जरुरत पड़ेगी।

उन्होंने बताया कि आईसीयू में 40 बिस्तर हैं। यहां 20 वेंटिलेटर काम करेंगे। 10 वेंटिलेटर पहले ही शुरु हैं 10 नए वेंटिलेटर को भी यहां रखा जाएगा। इन नए वेंटिलेटरों का आज ट्रायल लिया जा रहा है। कंपनी के तकनीशियनों ने बुधवार की रात 10 बजे तक इसका डेमोस्ट्रेशन दिया। अब हम ऑक्सीजन की कमी के चलते आ रही तकनीकी समस्याओं को सुलझाने की कोशिशों में लगे हुए हैं।

तो मरीजों को होगा खतरा

डॉ. अजय कोसम ने बताया कि ऑक्सीजन की कमी के चलते सेंट्रल सिस्टम में सभी वेंटिलेटरों को कनेक्ट करने से ऑक्सीजन सपोर्ट में कमी आ सकती है। उन्होंने बताया कि पिछली बार की स्थिति में हमें 4-5 वेंटिलेटर ही इस्तेमाल करने पड़ रहे थे लेकिन इस बार हालात कुछ और हैं। उन्होंने कहा कि अगर कम ऑक्सीजन के साथ सेंट्रल सिस्टम को शुरु किया जाता है और इसमें 20 वेंटिलेटर और ऑक्सीजन सपोर्ट को रन किया जाता है तो ऑक्सीजन वाले मरीज को पर्याप्त ऑक्सीजन मिलेगी ही नहीं। वहीं इससे वेंटिलेटर तक भी पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंचेगी। इससे मरीजों को खतरा हो सकता है।

एक-दो दिनों का वक्त और लगेगा

तकनीकी समस्याओं में उलझा अस्पताल यहां व्यवस्थाएं दुरुस्त करने में लगा हुआ है। चिकित्सकों की माने तो अस्पताल में बिस्तरों की संख्या बढ़ने में अभी एक-दो दिनों का वक्त और लग सकता है। सेंट्रल सिस्टम से ऑक्सीजन और वेंटिलेटर को पर्याप्त ऑक्सीजन की सप्लाई बेहद जरुरी है जिसे लेकर काम चल रहा है। यहां 90 बिस्तरों को बढ़ाने का काम भी तभी संभव है जब यह दिक्कत दूर हो जाए। ऐसे में अस्पताल में अभी एक-दो दिनों तक सिस्टम रन कर समस्याओं को ठीक करने की कोशिशें जारी रहेंगी।

30 बिस्तर ही बढ़ाए गए

इस बीच कोविड अस्पताल में 30 बिस्तर बढ़ा दिए गए हैं। अब यहां 270 बिस्तरों पर मरीजों का ईलाज हो रहा है। हालांकि यहां 120 बेड की व्यवस्था की गई है। स्टॉफ और ऑक्सीजन की कमी और कुछ तकनीकी उलझनों के चलते अभी महज 30 बेड ही बढ़ सकें हैं। इनमें से 16 बिस्तरों पर ऑक्सीजन सपोर्ट है जो कि सेंट्रल सिस्टम से ही जुड़े हुए हैं। प्रशासन और स्वास्थ्य अमला मिलकर ऑक्सीजन की कमी पूरा करने की कोशिशों में लगा हुआ है।

दो सौ सिलेंडर खरीदने की थी तैयारी

ऑक्सीजन की कमी से जूझ रहे कोविड अस्पताल को कई कोशिशों के बाद भी दो सौ सिलेंडर नहीं मिल सके। प्रशासन ने अपने स्तर पर दो सौ ऑक्सीजन सिलेंडर की खरीदी की कोशिशें की लेकिन प्रदेश भर में कमी के बीच कोई वेंडर यह उपलब्ध नहीं करा सका। इस बीच सरकार की ओर से पेंड्री स्थित कोविड अस्पताल को 90 सिलेंडर मिले हैं। इनमें से 30 गुरुवार की रात 8 बजे तक अस्पताल पहुंच जाएंगे। वहीं 60 सिलेंडर शुक्रवार को मिलेंगे।

160 बिस्तर बढ़े, निजी अस्पताल सोमवार से शुरु होंगे

इस बीच मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी ने बताया कि गुरुवार को एबीस ग्रुप का इंदामरा स्थित 120 बिस्तरों का कोविड केयर सेंटर शुरु हो गया है। यहां मेडिकल स्टॉफ उपलब्ध कराया गया है। वहीं शहर में फतेह सिंग हॉल में भी 40 बेड का सेंटर शुरु कर दिया गया है। साई हॉस्टल में 50 बिस्तरों का केयर सेंटर शुक्रवार से शुरु हो जाएगा। उन्होंने बताया कि यहां बगैर लक्षण वाले मरीज ही रह सकेंगे। यहां वे ही मरीज भर्ती किए जाएंगे जिनमें लक्षण नहीं हैं और किसी कारण से होम आईसोलेशन में नहीं रह सकते। उन्होंने बताया कि यहां भर्ती होने वाले मरीजों का ऑक्सीजन लेवल 95 से ऊपर होना जरुरी है। उन्होंने जानकारी दी कि शहर के कुछ निजी अस्पतालों में भी कोविड के ईलाज की तैयारियां जारी हैं जो कि रविवार तक पूरी कर ली जाएंगी। उन्होंने कहा कि सोमवार से यहां और भी बिस्तर कोविड मरीजों के लिए उपलब्ध होंगे।

कोरोना के कहर से कांप रहा घुमका और पूरा क्षेत्र

- कोविड प्रभारी डॉक्टर और लैब टैक्नीशियन संक्रमित, जांच ठप्प होने के कगार पर

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

कोरोना के कहर से कांप रहे घुमका क्षेत्र में भारी अफरातफरी मची हुई है। बुधवार को एक स्थानीय महिला की मौत के बाद पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया है। ग्रामीणों में दहशत देखी जा रही है। सर्दी खांसी बुखार के मरीजों में डर इस कदर हावि है कि अस्पताल में कोरोना जांच के लिए लम्बी कतारें लग रही हैं। इधर पूरे क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। अस्पताल में गिनती के एंटीजन किट उपलब्ध है और आरटीपीसीआर जांच पूरी तरह बन्द है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार एक लैब टेक्नीशियन के कोरोना संक्रमित और दूसरे निजी कारणों से अवकाश पर है। इसके चलते ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यकर्ताओ को कोरोना जांच का जिम्मा सौंपा गया है। वहीं कोविड प्रभारी डॉ बीएल तुलावी भी कोरोना पॉज़िटिव पाये गए हैं। संसाधनों की कमी झेल रहे विभाग के अपने कर्मचारियों के संक्रमित होने से व्यवस्था बुरी तरह लड़खड़ा गई है। लगातार अव्यस्थाओं की शिकायत झेल रहे विभाग के अफसर भी ग्रामीणों की शिकायतों को नजरअंदाज कर रहे हैं। घुमका क्षेत्र में अब तक कुल 8 मौतें हो चुकी हैं। दो महिलाओं की मौत अस्पताल पहुंचते ही हो गई थी। कोरोना मरीजों के रोजाना अस्पताल पहुंचने से पूरे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों में भी संक्रमण को लेकर काफी चिंता बढ़ गई है। अब तक क्षेत्र के जोगीदल्ली, भैंसातरा, खजरी, बोटेपार, पटेवा, गोपालपुर, चारभाठा, टेमरी, भालुकोना में स्थिति काफी नाजुक बताई जा रही है। इसी तरह घुमका में भी कोरोना के दो दर्जन से अधिक मरीज होम आइसोलेशन में हैं और अभी भी संक्रमण की रफ्तार कम नहीं हो रहा है जिसके चलते चौतरफा अफरा तफरी मची हुई है। स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी,विभाग की लापरवाही के बीच ग्रामीणों में जागरूकता के अभाव से स्थिति ज्यादा बिगड़ती जा रही है। ग्रामीण अभी भी सर्दी बुखार के इलाज के लिए झोलाछाप डॉक्टरों के क्लीनिक में भटक रहें हैं। इस चक्कर में मरीजों की स्थिति ज्यादा खराब हो रही है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ये है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के आसपास खुलेआम झोलाछाप डॉक्टरों की क्लीनिक में कोविड नियमो के खिलाफ भीड़ जुट रही है और अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं।

झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से उपसरपंच की मौत

- पुलिस में शिकायत
- आसरा व रुदगांव में कोविड से 2 पुरुषों की मौत

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

नगर व अंचल में कोविड संक्रमण से तांडव मच गया है। सीएचसी अंतर्गत गांवों में लगातार कोविड परीक्षण में पॉजिटिव मरीजो की पहचान हो रही है। सप्ताहभर में संक्रमितों की संख्या में लगातार इजाफे हो रहे हैं। इसी तारतम्य में ग्रामीण इलाके में मौत का क्रम भी जारी है। सीएचसी रिपोर्ट में आसरा व रुदगांव में एक-एक मौत की पुष्टि की गई है। खबर लिखे जाने तक प्रोटोकॉल में अंत्येष्टि की प्रक्रिया जारी थी। विश्वसनीय सूत्रों की माने तो रुदगांव में झोलाछाप डॉक्टर की लापरवाही से कोविड संक्रमित उपसरपंच की मौत हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि 2 दिनों पूर्व ही उपसरपंच सुभाष सोनकर 36 वर्ष की तबियत बिगड़ गई थी। घरेलू उपचार दरम्यान एक दिन पूर्व गांव का किसी छोलाछाप डॉक्टर ने उपसरपंच को 2 इंजेक्शन लगाया था। अंततः उपसरपंच ने दम तोड़ दिया। मृत शरीर का कोविड टेस्ट पॉजिटिव होने पर परिजनों व ग्रामीणों ने पुलिस की सूचना दी। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया है। टीआई केपी मरकाम ने मर्ग कायम कर पंचनामा कराने की पुष्टि की है।

आसरा में मौत का दंश जारी

सीएचसी बीएमओ के मुताबिक कोविड केयर सेंटर में 14 अप्रैल को आसरा की 2 एवं जारवाही की 1 महिला सहित कोटरासरार के युवक की कोविड से मौत के बाद 15 अप्रैल को आसरा व रुदगांव से 1-1 व्यक्तियों की मौत कोविड से मौत हो गई है। रुदगांव के उपसरपंच ने गांव में दम तोड़ दिया। आसरा से केशव नामक व्यक्ति की मौत की खबर है।

कलेक्टर ने शासकीय मेडिकल कॉलेज पेण्ड्री एवं कोविड केयर सेंटर में नोडल अधिकारियों की लगाई ड्यूटी

- डिप्टी कलेक्टर श्रीमती लता उर्वशा होंगी कोविड कंट्रोल रूम नोडल अधिकारी

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

कोविड-19 के संक्रमण की दशा में राजनांदगांव जिले में कोविड संक्रमित मरीजों के उपचार के लिए 1 कोविड ट्रीटमेंट हास्पिटल एवं 3 कोविड केयर सेन्टर स्थापित किया गया है। कोविड ट्रीटमेंट हास्पिटल एवं कोविड केयर सेन्टर में कोविड-19 के उपचार के दौरान मरीजों, परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो इस हेतु रेफरल संबंधी समन्वय, अस्पतालों में उपलब्ध बेड की स्थिति, डेड बॉडी मूवमेंट प्लान संबंधी अथवा अन्य किसी भी प्रकार की शिकायतों के निवारण एवं निजी अस्पतालों से समुचित समन्वय एवं सतत् निगरानी नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। सभी नोडल अधिकारियों को डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी कोविड कंट्रोल रूम राजनांदगांव लता युगल उर्वशा मोबाईल नंबर 9981185311 के निर्देशन एवं नियंत्रण में कार्य करने तथा प्रतिदिन रिपोर्ट प्रस्तुत करने कहा गया है। नोडल, सहायक नोडल अधिकारियों को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी मोबाईल नंबर 9425211974 से समन्वय स्थापित कर अपने दायित्वों का निर्वहन करने कहा गया है। शासकीय अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय पेण्ड्री के नोडल डॉ. कोसम मोबाईल नंबर 8871042041 है। जिसके लिए कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग डीके नेताम मोबाईल नंबर 94242.80055 को नोडल अधिकारी तथा सहायक नोडल अधिकारी सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग जितेन्द्र राजपायली मोबाईल नंबर 9425211077 को बनाया गया है।

शासकीय कोविड केयर सेंटर एकलव्य आवासीय विद्यालय राजनांदगांव संचालक कौशल शर्मा मोबाईल नंबर 9827155567 के लिए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एमएल घृतलहरे मोबाईल नंबर 8120986867 को नोडल अधिकारी तथा श्रम निरीक्षक परछित पटेल मोबाईल नंबर 9340458882 को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। साई स्पोर्ट्स हास्टल कोविड केयर सेंटर के संचालक रूपचंद भिमनानी मोबाईल नंबर 8718840000 के लिए जिला समन्वयक राजीव गांधी शिक्षा मिशन भूपेश साहू मोबाईल नंबर 9425567756 को नोडल अधिकारी तथा जिला खेल अधिकारी ए एक्का मोबाईल नंबर 9424123052 को सहायक नोडल अधिकारी, मेडिकल छात्रावास सोमनी संचालक डॉ. बल्देव सिंह गुलाबी मोबाईल नंबर 9993566105, 7067026211 के लिए सहायक संचालक पंचायत डीके कौशिक मोबाईल नंबर 8770618974 को नोडल अधिकारी तथा सहायक संचालक कौशल विकास नितिन हिरवानी मोबाईल नंबर 9827167200 को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है।

गोंड़वाना युवा प्रभाग ने मनाई अंबेडकर जयंती

पायनियर संवाददाता ◄ छुरिया
www.dailypioneer.com

गाइड लाइन का पालन करते हुए गोंड़वाना युवा प्रभाग के प्रमुख चार पदाधिकारियों ने संविधान निमार्ता डॉ.भीमराव अम्बेडकर के प्रतिमा एवं छायाचित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर डॉ.अंबेडकर जयंती सादगी पूर्ण मनाई।

गोंड़ समाज छुरिया के ब्लाक अध्यक्ष दिनेश कोरेटी ने बताया कि कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए शासन के गाइडलाइन का पालन करते हुए गोंड़वाना युवा प्रभाग तहसील अंबागढ़ चौंकी के प्रमुख चार पदाधिकारियों ने अंबेडकर चौंक अंबागढ़ चौंकी में स्थित संविधान निमार्ता डॉ.भीमराव अम्बेडकर के प्रतिमा एवं छायाचित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर के पदचिन्हों पर चलकर शोषितों, पीड़ितों, गरीबों एवं महिलाओं को न्याय दिलाने हेतु हर संभव मदद करने तथा डॉ.भीमराव अम्बेडकर के जनकल्याणकारी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। डॉ.अंबेडकर जयंती मनाने वाले गोंड़वाना युवा प्रभाग तहसील अंबागढ़ चौकी के चार प्रमुख पदाधिकारियों में सुरेन्द्र घावड़े, राकेश नेताम, शेखर छेदैहा एवं लक्की कुंजाम शामिल थे।

14 दिनों में ही सामने आए 12 हजार 445 मरीज

पखवाड़े भर में 43 फीसदी बढ़ी मौतें, 503 फीसद बढ़े सक्रिय मामले

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

मौत, संक्रमितों की तादाद और 14 अप्रैत के कुल जमा सक्रिय मरीजों के आंकड़े भयावह स्थिति की ओर इशारा करते हैं। कोरोनाकाल का सबसे बुरा दौर देख रहे जिले में इन सभी आंकड़ो में रोजाना बढ़ोतरी दर्ज हो रही है। बुधवार को जिले में 14 सौ 81 मरीज मिले। यह मार्च 2020 से लेकर अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले भी अप्रैल माह के पहले ही पखवाड़े में यह रिकॉर्ड कई बार टूट चुके हैं। बीत कुछ दिनों शहर से रोजाना 400 से ज्यादा मामले सामने आ रहें हैं। एक दफा तो यह आंकड़ा 5 सौ का भी आंकड़ा पार कर चुका है।

43 फीसद बढ़ी मौतें : मार्च 2020 से लेकर 31 मार्च 2021 तक जिले में कोरोना से 213 मौतें दर्ज की गई थी। अप्रैल माह के पहले ही पखवाड़े में यह आंकड़ 306 तक पहुंच गया। 1 से 14 अप्रैल के बीच 93 मौतें हो चुकी हैं। अनाधिकृत रुप से यह आंकड़ा और भी ज्यादा बताया जाता है। अगर अधिकृत आंकड़े की ही बात करें तो मौतों में लगभग 43 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। यह आंकड़े चिंताजनक है। दूसरी ओर जिले में गुरुवार की शाम तक खैरागढ़ में 5 डोंगरगांव क्षेत्र में 2 मौतों की खबर सामने आई है।

503 फीसद सक्रिय मामले बढ़े

31 मार्च 2021 की स्थिति में जिले भर में 1761 कोरोना के सक्रिय मामले थे। 14 अप्रैल तक यहा आंकड़े 10 हजार 629 तक पहुंच गए। बढ़त की बात करें तो इसमें 503 फीसद की भयावह बढ़त दर्ज हुई है। शहरी ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्र से भी लगातार मामले बढ़ रहे हैं। जांच और उपचार के बीच डिस्चार्ज होकर घर लौटने वाले मरीजों की संख्या बेहद कम है। अलबत्ता रोजाना हजार से ज्यादा संक्रमित मिल रहे हैं जिससे सक्रिय मामले बढ़ते ही जा रहे हैं।

56.16 बढ़ी मरीजों की संख्या

मार्च 2020 से लेकर 31 मार्च 2021 तक जिले में कुल संक्रमितों की संख्या 22 हजार 692 थी। लेकिन अप्रैल के पहले पखवाड़े में ही यह संख्या 35 हजार 437 तक पहुंच गई। 14 अप्रैल की स्थिति में इस संख्या में 56.16 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। यह आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं। देखा जाए तो 1 अप्रैल से 14 अप्रैल के बीच ही जिले में 12 हजार 445 मरीज बढ़ चके हैं। यह एक माह में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है।

क्विक न्यूज

जयंती पर बाबा साहेब को दी श्रद्धांजलि

मुंगेली। जिला भाजपा कार्यालय में संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती कोरोना लॉकडॉउन के चलते माल्यार्पण व पूजा अर्चना कर सादगी पूर्ण ढंग मनायी गई। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष शैलेश पाठक ,नगर भाजपा अध्यक्ष राणाप्रताप सिंह ठाकुर,जिला मीडिया एवं आईटी सेल प्रभारी सुनील पाठक,नगर भाजपा उपाध्यक्ष व जिला आईटी सेल सह संयोजक प्रदीप पाण्डेय उपस्थित रहे। मुंगेली विधायक एवं पूर्व खाद्यमंत्री पुन्नूलाल मोहले ने अपने निवास पर डॉ भीमराव अंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित किया।

बाबा साहेब को याद किया गया

मुंगेली। ग्राम पंचायत रोहरा खुर्द वहीं कोरोना वायरस व लाकडाउन के मद्देनजर सामाजिक दूरी सोशल डिस्टेंस का विशेष ध्यान रखकर मनाया गया। सर्वप्रथम बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करने के पश्चात बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी को याद किया गया। इस समय देश में कोरोना वायरस फैल हुआ है। वही इसके बचाव के लिए शासन प्रशासन के द्वारा अनिवार्य रूप से सभी लोगों को सोशल डिस्टेंस का विशेष ध्यान रखना, और अपने-अपने घरो में रहने और मास्क, पहनने की अपील की गई है।' इस मौके पर धर्मेन्द्र खुटे, रोहित बघेल, उमेश बंजारा, नंदकुमार खुटे, तुकप्रसाद बंजारा, धर्मेन्द्र मिरे, नवीन मंगेशकर, जागदीश जांगडे, साधेलाल मंगेशकर, बिशन बारमाते, अजय जांगड़े, सोनू नवरंग, समीर बघेल, सूरज बघेल, खेलन आहिरे, उमाशकर बारमाते, राजेंद्र खांडेकर, सुखचंद खुटे, उपथित रहे।'

डेडीकेटेड कोविड अस्पताल में 50 ऑक्सीजन बेड और बढ़ाया जायेगा

- कलेक्टर ने तत्काल सेवा शुरू करने के दिए निर्देश
- ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण , तैयारियों का लिया जायजा

पायनियर संवाददाता ᐸ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए, जिला चिकित्सालय बिलासपुर में संचालित डेडीकेटेड कोविड अस्पताल में 50 आक्सीजन सपोर्टेड बिस्तर और बढ़ाया जा रहा है। आज कलेक्टर डॉ सारांश मित्तर ने अंतिम चरण की व्यवस्था का जायजा लेकर 48 घंटे के भीतर सेवा शुरू करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों को दिए। जिला अस्पताल में कोविड मरीजों के लिए 100 आक्सीजन सपोर्टेड बिस्तर है। आवश्यकता को देखते हुए डेडीकेटेड कोविड अस्पताल के तृतीय तल में 50 आक्सीजन सपोर्टेड बिस्तर और बढ़ाया जा रहा है। जिसकी तैयारी अंतिम चरण में है। कलेक्टर डॉ सारांश मित्तर ने की जा रही तैयारियों को देखा। उन्होंने परिसर का गहन निरीक्षण करते हुए मरीजों को दी जाने वाली सभी सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने मेटरैस, साफ - सफाई, ऑक्सीजन पाइप लाइन आदि की व्यवस्था स्वयं देखी।

ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण- कलेक्टर ने जिला अस्पताल स्थित ऑक्सीजन प्लांट का भी निरीक्षण किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ महाजन ने वर्तमान में ऑक्सीजन प्लांट की क्षमता के विषय में कलेक्टर को जानकारी दी। वर्तमान में कोविड मरीजों को सप्लाई की जा रही ऑक्सीजन लाइन व्यवस्था को एवं अन्य व्यवस्थाओं को भी देखा। इस पर कलेक्टर ने संतुष्टि जतायी। उन्होंने सिलेंडर की रिफलिंग एवं बैकअप की भी जानकारी ली।

कलेक्टर ने लॉक डाउन का जायजा लिया- कलेक्टर डॉ सारांश मित्तर ने आज लॉक डाउन के दूसरे दिन शहर का जायजा लिया। इस दौरान लोग अनावश्यक घरों से तो नहीं निकल रहे हैं और जरूरी काम वालो को कोई दिक्कत तो नहीं हो रही है, इसका जायजा उन्होंने लिया। उन्होंने लोगों से अपील की है कि लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए बढ़ते कोरोना संक्रमण की चेन रोकने में सहयोग करें।

दो दिनों में बिलासपुर में कोरोना से हुई 70 लोगों की मौत

पायनियर संवाददाता ᐸ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

दिन ब दिन बिलासपुर की हालात बिगड़ता जा रहा है दो दिनों में 70 कोरोना संक्रमितों की मौत हो गई है वही 15 दिनों के आंकड़ों को देखा जाये तो कोरोना से 238 लोगों की जाने जा चुकी है । यह संख्या अब बढ़ता जा रहा है । ऐसा ही संक्रमितों की संख्या रोजाना सामने आ रही है। वही स्वास्थ्य विभाग शहरीय क्षेत्रों में 19 कोविड जांच केंद्र खोल रखा है । दूसरी ओर निरंतर टीकाकरण जारी है। परन्तु मौतों का आंकड़ा दिल दहला देने वाला है । कोरोना संक्रमितों की बिलासपुर में कोरोना से मौत का बढ़ता आंकड़ा अब संक्रमितों की धड़कन बढ़ रहा है। आज और कल में 70 संक्रमितों की मौत हो गई । पिछले 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक इसी माह में कोरोना ने जिले शासकिय और निजी हॉस्पिटलों में 238 लोगों की जान ले ली है। मौत के बढ़ते आंकड़े ने प्रशासन की नींद उड़ा दी है। जिले में लागू 144 और लॉकडाउन का भी सख्ती से पालन नहीं होना संक्रमण के साथ मौत के आंकड़े को बढ़ा रहा है। हर दिन जिले में संक्रमण भी तेजी से बढ़ रहे है। हालात बेकाबू हो गए हैं। आज भी जिले में कोरोना से हुए 40 लोगों की मौत की खबर ने दहशत बढ़ा दी है। गंभीर बात तो यह है कि कोरोना से मरने वालों में शहर के अलावा अन्य जिले के हैं ।

घरों में गंभीर हो रहे संक्रमित- जिले में गंभीर लक्षण वाले मरीजों की संख्या हर रोज बढ़ रही है।

होम आइसोलेशन में रहने वाले संक्रमित मरीजों की तबीयत भी हर रोज बिगड़ने लगी है। ऐसे मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए काफी मशक्कत उठानी पड़ रही दरअसल सिम्स - जिला अस्पताल कोविड अस्पताल सहित निजी हॉस्पिटलों में बेड खाली नही हैं । मरीजो को अस्पताल दाखिल में दाखिल होने लंबा इंतजार भी करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य कर्मियों का वर्क लोड बढ़ने के कारण समय पर एंबुलेंस भी संक्रमितों के घर तक नहीं पहुंच पा रहा है। ऐसे में हालात और भी गंभीर हो रहे हैं।

सभापति राहुल टिकरिहा ने अपने पूरे जिला पंचायत निधि को कोविड-19 के लिए खर्च करने शासन-प्रशासन से मांगी अनुमति

पायनियर संवाददाता ᐸ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

प्रदेश में लगातार कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। मरीजों की बढ़ती संख्या प्रदेश के लिए घातक है। लगातार मरीजों की संख्या उम्मीद से ज्यादा बढ़ रहे है, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा रही है। कोविड-19 संक्रमित मरीजों के ब?ने से स्वास्थ्य विभाग पर लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। दबाव बढ़ने से संक्रमित मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पाती है। वर्तमान समय में संक्रमित मरीजों को ऑक्सीजन और दवाई समय पर उपलब्ध कराना नितांत आवश्यक है।

जिला पंचायत सभापति एवं भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा ने बेमेतरा जिलाधीश शिव अनंत तयाल और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रीता यादव को पत्र लिखकर 15वें वित्त द्वारा जारी अपनी जिला पंचायत निधि को बेमेतरा जिला में ऑक्सिजन व कोविड-19 दवाई सेंटर स्थापित कर खर्च करने की अनुमति मांगी है।

जिला पंचायत सभापति टिकरिहा ने पत्र में लिखा है सरकार द्वारा जिला पंचायत निधि में 15 वें वित्त की राशि भेजी गई है। जिसे खर्च करने के लिए जिला पंचायत के सामान्य सभा में प्रपोजल भी मांगा गया था। प्रपोजल भी दे दिया गया है। कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप और लॉकडाउन के मद्देनजर जिला पंचायत की बैठक नहीं हो पाई है। जिसके कारण उक्त राशि अभी तक खर्च नहीं हुआ है।

इस संकटकाल में हमें सबसे ज्यादा जरूरत ऑक्सीजन और कोविड-19 की दवाइयों की है। वर्तमान समय में कोविड-19 दिनों दिन भयावह रूप लेता जा रहा है। कोविड-19 कि रोकथाम के लिए आप लोगो के द्वारा किए जा रहे कार्य बेहद सराहनीय है। कोविड-19 से पीड़ित नागरिकों के ईलाज के लिए अस्पतालों में ऑक्सीजन और दवाई की कमी हो रही है साथ ही बाजारों में भी ऑक्सीजन की कमी है और दवाईयों की कालाबाजारी हो रही है। अनेक जगहों पर किम्मत से अधिक मूल्य में दवाई बेची जा रही है। इस कमी को थोड़ा दूर करने के लिए मेरे जिला पंचायत निधि से जो राशि मुझे अपने क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए प्राप्त होने वाले है। उक्त राशि को खर्च करते हुए एक ऑक्सीजन और दवाई सेंटर बनाना चाहता हूं, जहां से आम नागरिकों और अस्पताल में भर्ती व होम कोरेन्टीन में रह रहे मरीजों को ऑक्सिजन और दवाई की उपलब्धता हो सके। वर्तमान समय को देखते हुए अस्पताल के साथ-साथ ऑक्सिजन और दवाई हमारी प्रमुख प्राथमिकता है।

संक्रमितों को ऑक्सीजन सिलेंडर मिलने में मदद मिलेगी- इस राशि को खर्च कर ऑक्सीजन सिलेंडर भी मंगाया जाएगा। जिससे जरूरतमंदों को आसानी से सिलेंडर प्राप्त हो जाएगा। वर्तमान समय में सिलेंडर के अभाव में ही बहुत से नागरिक अपने परिवार से बिछ? रहें है। ऑक्सीजन गैस के लिए ही अनेक व्यक्ति दर-दर भटकने को मजबूर हो जाते है। ऑक्सीजन गैस के आ जाने से संक्रमित मरीजों और उनके परिवारों को राहत मिल जाएगी।

जिला पंचायत सभापति ने जताई चिंता, कहा-सबको करना होगा लॉकडाउन का पालन, प्रशासन और जनता के सहयोग से टूटेगा कोरोना चैन

पायनियर संवाददाता ᐸ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

जिला पंचायत स्वास्थ्य विभाग सभापति अंकित गौरहा ने बिलासपुर वासियों से लाकडाउन के निर्देशों का पालन की अपील की है। अंकित ने कहा..जनता के सहयोग से ही लाकडाउन को सफल बनाया जाएगा।जिला पंचायत सभापति ने कहा कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि लाकडाउन के दौरान आम जनता के साथ है। किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तत्काल प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनियों से सम्पर्क करें। अपना समस्याओं को खुलकर सबके सामने रखे।गौरहा ने वीडियो संदेश जारी करते हुए बताया कि बिलासपुर में कोविड़ 19 का प्रकोप दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। इसलिए जिला प्रशासन को जनहित में लाकडाउन जैसा सख्त कदम उठाना पड़ा है। सभी लोगों से सहयोग की उम्मीद है। अंकित ने कहा कि जरूरत मंदों के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहे। ऐसा कर मानव सेवा की मिसाल पेश करते हुए बिलासपुर को विकास और प्रगति की नई दिशा प्रदान करें।

मानवता शर्मसार है, टूटती सांसों का भी सौदा हो रहा, दवाइयों की कालाबाजारी रोकने में सरकार नाकाम : योगेश तिवारी

पायनियर संवाददाता ᐸ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

मानवता आज शर्मसार है, टूटती सांसों का भी सौदा हो रहा है । कोरोना महामारी में अपनों को बचाने की जद्दोजहद के बीच जीवन रक्षक दवाईओ की कालाबाजारी ने शर्मसार किया है, लेकिन ऐसी संकट की घ?ी विभिन्न समाज के लोग आगे आकर मानवता को बचाने हर सम्भव मदद कर रहे हैं । उक्त बातें किसान नेता योगेश तिवारी ने कही है । उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कोरोना संक्रमण के रोकथाम में विफल रही है । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश में कोरोना संक्रमण के फैलने के लिए महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र को दोषी बता रहे हैं । समय पर राज्य की सीमाएं सील नही की गई । जिसका खामियाजा प्रदेश के लोग भुगत रहे हैं । आज सरकार सरकारी अस्पतालों में कोरोना मरीजो के सही इलाज, ऑक्सीजन की उपलब्धता, दवाइयों की कालाबाजारी समेत अन्य मोर्चो पर फेल हो गई है ।

अपनों को बचाने रोजाना आ रहे दर्जनों फोन, सरकार व्यवस्था बनाने में नाकाम- किसान नेता के अनुसार बेमेतरा विधानसभा समेत अन्य क्षेत्रों से रोजाना दर्जनों लोगो के फोन आते हैं । वे जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहे अपनो को बचाने ऑक्सीजन, रेमडेसिविर इंजेक्शन, बेड के लिए मदद की गुहार लगाते हैं । लेकिन सरकारी अव्यवस्था के कारण हर किसी की मदद कर पाना सम्भव नही हो रहा है । सरकार मरीजो को इलाज मुहैया कराने में नाकाम रही है ।

कालाबाजारी कर रहे मनमानी, 5 गुना दाम पर बेच रहे दवाई- गम्भीर कोरोना मरीज के परिजन रेमडेसिविर इंजेक्शन के लिए भटक रहे हैं । कुछ दवा व्यापारियों की सवेंदनहीनताका आलम यह है कि करीब 1 हजार रूपए में मिलने वाले इंजेक्शन को 6-10 हजार रूपए तक बेचा जा रहा है । सरकार कालाबाजारियो को कार्रवाई करने में असफल रही है।

अनुसूचित जाति के लोगों को खिलाफ दिए गए बयान के विरोध में राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ᐸ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की नेता श्रीमती सुजाता मंडल खान ने अनुसूचित जाति समुदाय के लोगो को भिखारी कहकर अपमानित किया है ! भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी के निर्देशानुसार भाजयुमो जिलाध्यक्ष परमेश्वर वर्मा , भाजयुमो प्रदेश कन्याशक्ति संयोजिका निशा चौबे , भाजयुमो पुर्व जिलाध्यक्ष विकास घरडे , योगेश वर्मा द्वारा जिलाधीश बेमेतरा के द्वारा महामहिम राष्टपति को ज्ञापन सौंपा गया ! ओमप्रकाश जोशी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की नेता ने पश्चिम बंगाल के अनसूचित जाती समुदाय के लोगो के लिए कहा कि ÷ भिखारी स्वभाव से होते है या अभाव से होते है , पश्चिम बंगाल में अनुसूचित जाति स्वभाव से भिखारी है ! ममता दीदी के इतना करने के बाद भी भाजपा के पास पहुंच गए। पश्चिम बंगाल के अनुसूचित समुदाय के लोगो को भिखारी कहकर अपमानित करने वाला तृणमूल कांग्रेस की नेता का यह बयान अत्यंत निंदनीय है ! यह निंदनीय बयान पश्चिम बंगाल के सभी अनुसूचित जाति के लोगो को इरादतन अपमानित करने वाला है ! हमारे देश के संविधान में देश के सभी नागरिकों के लिए सामाजिक एवं आर्थिक न्याय , अवसरों में समानता और व्यक्ति की गरिमा व सम्मान की रक्षा की भावना अंतनिर्हित है।

राजस्थानी मूल के निवासियों ने भगवान शंकर व पार्वती के स्वरूप को होलिका के दूसरे दिन , चैत्र मास की तीज पर गणगौर के रूप में पूजा कर समापन किया

पायनियर संवाददाता ᐸ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

देश के विभिन्न प्रांतों के मूल निवासियों के रहने से देश के हर व्रत व त्यौहार बिलासपुर में मनाए जाते है। फिर व गुजरात का गरबा, बिहार की छठ पूजा, पंजाब की लोह?ी, सिंध का चेटीचंड, बंगाल की दुर्गा पूजा या फिर राजस्थान का गणगौर उत्सव उत्सव पूर्वक मनाए जाते है। लेकिन कोरोना वे ब?ते संक्रमण व बिलासपुर में लॉकडाउन होने से राजस्थानी मूल के निवासियों ने शंकरजी व पार्वतीजी के स्वरूप को होलिका के दूसरे दिन से प्रारंभ कर आज चैत्र मास की तीज पर गणगौर के रूप में पूजा कर समापन किया। कोरोना के प्रभाव ने लोगों की आस्था को भी बदलने पर मजबूर कर दिया हैं। छोटे बच्चो व बुजुर्गों के स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुए आज महिलाओं ने सामूहिक पूजा करने के बजाय अपने अपने घरों में गणगौर बना कर पूजा कर परम्परा का निर्वहन किया। जे पी हाईट्स में श्रीमति विमला देवी हीरालाल अग्रवाल ने अपनी पुत्रबहू श्रीमति निशा ललित अग्रवाल व पौत्रबहु श्रीमति मोनिका निलेश अग्रवाल के साथ प?ौसन श्रीमती पायल शब्द लाठ व श्रीमती रश्मि मोहन अग्रवाल के साथ अपने निवास पर पारंपरिक रूप से ईशर देव व गणगौर की पूजा अर्चना की। दरअसल हिंदु धर्मो में परम्पराओ के नाम पर प्रकृति से जु?ने के रास्ते बताये गए है। जरूरत इस बात की हैं कि हम अपनी सनातन परम्पराओ के वैज्ञानिक कारणों को जानकर समय काल व परिस्थितियों के आधार पर उनका अनुकरण करे।

कलेक्टर ने ली समाज प्रमुखों की बैठक

जिले के विभिन्न सामाजिक संगठन कोरोना से निबटने सहयोग देने तत्पर

पायनियर संवाददाता ᐸ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर शिव अनंत तायल ने आज दोपहर कलेक्टोरेट सभाकक्ष मे विभिन्न समाज के प्रतिनिधियों की बैठक लेकर कोरोना संक्रमण से निपटने विचार विमर्श किया और जिला प्रशासन द्वारा किये जा रहे प्रयासों के संबन्ध मे जानकारी दी। सामाजिक संगठनों ने भी कलेक्टर को आश्वस्त किया कि वैश्विक महामारी कोरोना से निपटने के लिए संकट के समय जिले के सामाजिक संगठन मदद के लिए हमेशा तत्पर हैं। बैठक मे विधायक बेमेतरा आशीष कुमार छाब?ा, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव, अपर कलेक्टर संजय कुमार दीवान, एएसपी विमल कुमार बैस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक मे सिन्धी समाज बेमेतरा द्वारा जरुरत पड़ने पर सामाजिक भवन को कोविड केयर सेन्टर के रुप मे उपलब्ध कराने की सहमति दी। इसी तरह सिक्ख समाज द्वारा भी सामाजिक भवन उपलब्ध कराये जाने के लिए भी अपनी सहमति दी। कलेक्टर ने कहा कि कोरोना संक्रमण से निपटना इस समय सबसे ब?ी चुनौती है। जिला प्रशासन द्वारा इसके लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे है। आम नागरिकों का भी दायित्व बनता है कि वे शासन प्रशासन द्वारा जारी किये गये कोरोना गाइडलाईन का पालन करें। सर्दी, खांसी को हल्के मे न लेवें, कम्युनिटी ट्रांसमिशन को ब?ने से रोकें तभी हम इस पर विजय पा सकेंगे। विधायक छाब?ा ने कहा कि जिले के व्यापारियों की मांग पर कलेक्टर द्वारा जिले मे लॉकडाउन लगाया गया है। इससे कोरोना संक्रमण की चैन (सर्किल) को तो?ने मे मदद मिलेगी। हम उम्मीद करते हैं कि जल्द ही इस महामारी से मुक्ति मिलेगी। कोरोना से बचने के लिए हमें मास्क का उपयोग करना बहुत जरुरी है और सावधान रहने की जरुरत है, बेवजह भीड़-भाड़ वाली जगह मे न जायें। पुलिस अधीक्षक पटेल ने कहा कि भारत के बड़े महानगर दिल्ली, कोलकाता, मुम्बई जैसे शहरों मे बड़े-बड़े अस्पताल है फिर भी वहां कोरोना नियंत्रित नही हो पा रहा है। निकटतम परिजनों को खोने का दुख सदैव रहता है। इस समय सबसे बड़ी चुनौती वैश्विक महामारी से निपटना है। इसके लिए आम नागरिक सोशल डिस्टेंस का पालन करें।

बिना मास्क घूमने वाले 41 लोगों से 20500 का लिया गया समझौता शुल्क

बेमेतरा। लॉकडाउन का जायजा लेने भ्रमण पर निकले बेमेतरा एसपी दिव्यांग पटेल, अति.पुलिस अधीक्षक बेमेतरा विमल कुमार बैस, एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा, डीएसपी रामकुमार बर्मन, डीएसपी तोमेश वर्मा, रक्षित निरीक्षक वैभव मिश्रा, सउनि संतोष ध्रुर्वे व नगरपालिका बेमेतरा अशोक ठाकुर के साथ प्रशासनिक अधिकारियों के टीम ने आज बुधवार को थाना नवागढ और नांदघाट के शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लॉकडाउन का जायजा लिया। नियम तोडऩे वालों पर कार्रवाई भी की गई। जिसमें 11 लोगों से 7500/- रुपए समझौता शुल्क लिया गया। चालानी कार्रवाई के बाद इन सभी लोगों को अगली बार नियम न तोडऩे की सख्त हिदायत भी दी गई। एसपी ने आम नागरिकों को संक्रमण के प्रसार के रोकथाम हेतु रक्षात्मक उपायों को अपनाने एवं उसका पालन करने की अपील की। अतिआवश्यक होने पर मास्क लगाकर अपने घर से बाहर निकलने समझाईस भी दी गई।

अस्पताल से लापता हुई महिला व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

अब परेशान घर वाले ढूंढ रहे, उन्हें रेफर किया, मगर कहां ये नहीं पता

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

फुंडहर स्थित कोविड अस्पताल से 10 अप्रैल से एक महिला लापता है। 14 अप्रैल की देर रात घर वालों को इस बात की जानकारी मिली। इस बीच घर वाले कोविड सेंटर पहुंचकर संक्रमित महिला के लिए नाश्ता पहुंचा रहे थे। उसका हाल-चाल फुंडहर अस्पताल के स्टाफ से पूछ रहे थे और कर्मचारी घर वालों से रोज झूठ बोल रहे थे। जब महिला के बेटे ने उससे फोन पर बात करने की जिद की तो पता चला कि अस्पताल में जिस महिला के लिए 4 दिनों से वे नाश्ता भेज रहे थे, वह तो वहां है ही नहीं। पूरे प्रदेश में कोरोना के भारी संकट के बीच ऐसी लापरवाही का ये पहला मामला है। महिला के परिवार के लोग परेशान हैं और अब सरकारी अस्पतालों में जाकर उन्हें ढूंढ रहे हैं।

निर्मला बरमाल जो सरकारी सिस्टम की लापरवाही की शिकार हुई

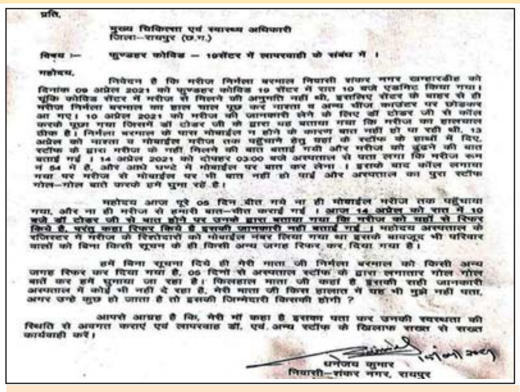

प्रति,
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला-रायपुर (छ.ग.)

विषय :- फुण्डहर कोविड - 19सेंटर में लापरवाही के संबंध में ।

महोदय,

निवेदन है कि मरीज निर्मला बरमाल निवासी शंकर नगर खम्हारडीह को दिनांक 09 अप्रैल 2021 को फुण्डहर कोविड 19 सेंटर में रात 10 बजे एडमिट किया गया। चूंकि कोविड सेंटर में मरीज से मिलने की अनुमति नहीं थी, इसलिए सेंटर के बाहर से ही मरीज निर्मला बरमाल का हाल चाल पूछ कर नाश्ता व अन्य चीज काउंटर पर छोड़कर आ गए। 10 अप्रैल 2021 को मरीज की जानकारी लेने के लिए डॉ टोंडर जी से कॉल करके पूछा गया जिसमें डॉ टोंडर जी के द्वारा यह बताया गया कि मरीज का हालचाल ठीक है। निर्मला बरमाल के पास मोबाईल न होने के कारण बात नहीं हो पा रही थी. 13 अप्रैल को नाश्ता व मोबाईल मरीज तक पहुँचाने हेतु वहां के स्टॉफ के हाथों में दिए. स्टॉफ के द्वारा मरीज के नहीं मिलने की बात बताई गयी और मरीज को ढूंढने की बात बताई गई । 14 अप्रैल 2021 को दोपहर 03:00 बजे अस्पताल से पता लगा कि मरीज रूम नं 54 में है, और आधे घण्टे में मोबाईल पर बात कर लेना । इसके बाद कॉल लगाया गया पर मरीज से मोबाईल पर भी बात नहीं हो पाई और अस्पताल का पूरा स्टॉफ गोल-गोल बातें करके हमें घुमा रहे है।

महोदय आज पूरे 05 दिन बीत गये ना ही मोबाईल मरीज तक पहुँचाया गया, और ना ही मरीज से हमारी बात-चीत कराई गई । आज 14 अप्रैल को रात में 10 बजे डॉ टोंडर जी से बात होने पर उनके द्वारा बताया गया कि मरीज को यहाँ से रिफर किये है, परंतु कहा रिफर किये है इसकी जानकारी नहीं बताई गई । महोदय अस्पताल के रजिस्टर में मरीज के रिश्तेदारों को मोबाईल नंबर लिया गया था इसके बावजूद भी परिवार वालों को बिना किसी सूचना के ही किसी अन्य जगह रिफर कर दिया गया है।

हमें बिना सूचना दिये ही मेरी माता जी निर्मला बरमाल को किसी अन्य जगह रिफर कर दिया गया है, 05 दिनों से अस्पताल स्टॉफ के द्वारा लगातार गोल गोल बातें कर हमें घुमाया जा रहा है। फिलहाल माता जी कहां है इसकी सही जानकारी अस्पताल में कोई भी नहीं दे रहा है, मेरी माता जी किस हालात में यह भी मुझे नहीं पता, अगर उन्हे कुछ हो जाता है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी ?

आपसे आग्रह है कि, मेरी माँ कहा है इसका पता कर उनकी स्वस्थता की स्थिति से अवगत कराएं एवं लापरवाह डॉ. एवं अन्य स्टॉफ के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करें।

धनंजय कुमार
निवासी-शंकर नगर, रायपुर

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से की शिकायत

लापता महिला के पीड़ित पुत्र ने बताया कि हमने इस पूरे मामले की जानकारी चीफ मेडिकल अफसर को दी गई है। मैंने फुंडहर अस्पताल के डॉक्टर से पूछा तो उन्होंने कहा कि 9 तारीख को एडमिट होने के बाद 10 तरीख को मरीज को रेफर किया गया है। कहां रेफर किया गया इसकी जानकारी हॉस्पिटल के स्टाफ ने नहीं दी। पीड़ित ने बताया कि पिछले 4 दिनों से अब मेरी मां कहां हैं, किस हाल में हैं मुझे नहीं पता। इसका जिम्मेदार कौन होगा।

आंबेडकर अस्पताल में होने की जानकारी

धनंजय ने बताया कि जिला प्रशासन के किसी अफसर और डॉक्टर्स ने हमारी कोई मदद नहीं की। मैंने फुंडहर के अस्पताल में पता किया तो एक CCTV फुटेज में मेरी मां को ले जाने का फुटेज दिखा है। पता ये चला है कि उन्हें आंबेडकर अस्पताल ले जाया गया है। हालांकि सुबह रिश्तेदार आंबेडकर अस्पताल जाकर भी पता करके लौट चुके हैं। वहां भी कुछ पता नहीं चला। गलत नाम से एंट्री किए जाने की बातें भी सामने आ रही हैं। मैं अपने स्तर पर ही मां से जुड़ी जानकारी जुटा रहा हूं।

भाजपा के सांसद और केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के प्रति अपने दायित्व को नहीं निभा पा रही है : शैलेश

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

कांग्रेस संचार प्रमुख शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि महामहिम राज्यपाल की उपस्थिति में हुई आज की सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राज्य के मुख्य सचिव के साथ-साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम और जनता कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने भाग लिया। या बैठक करो ना से लड़ाई को लेकर बेहद अहम बैठक थी और इसमें सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और प्रशासनिक तंत्र के मुखिया मुख्य सचिव उपस्थित रहे।

कांग्रेश संचार प्रमुख शैलेश नितिन त्रिवेदी ने भाजपा से पूछा है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने आज की सर्वदलीय बैठक में क्यों भाग नहीं लिया? करोना महामारी से आज छत्तीसगढ़ी नहीं पूरा देश और पूरा विश्व जूझ रहा है। ऐसी विकट स्थिति पर चर्चा के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का भाग न लेना बेहद दुखद है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के स्थान पर शिवरतन शर्मा को भेजना यह स्पष्ट दिखाता है कि भाजपा की रूचि राजनीति करने में है और करोना के खिलाफ लड़ाई में भाजपा छत्तीसगढ़ वासियों के साथ किसी प्रकार का कोई सहयोग नहीं करना चाहती है। कांग्रेस ने यह भी पूछा है कि भाजपा के एक भी सांसद और विधायक ने करोना के खिलाफ लड़ाई में एक फूटी कौड़ी भी देना क्यों मुनासिब नहीं समझा? प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि भाजपा के जनप्रतिनिधि छत्तीसगढ़ के मतदाताओं के वोटों से ही चुनाव जीत कर आए हैं लेकिन छत्तीसगढ़ में करोना के खिलाफ लड़ी जा रही लड़ाई में सहयोग नहीं करते और भाजपा के प्रदेश प्रमुख सर्वदलीय बैठक में भाग लेना तक आवश्यक नहीं समझते। इससे स्पष्ट है कि भाजपा की रुचि सिर्फ गाल बजाने और राजनीति करने में है। छत्तीसगढ़ में भाजपा को 2018 के विधानसभा चुनाव में ले देकर 13 - 14 सीटें मिली है लेकिन यदि भाजपा ने अपना छत्तीसगढ़ विरोधी जनविरोधी रवैया जारी रखा तो भाजपा इकाई के अंक तक सिमट कर रह जाएगी। कांग्रेस संचार प्रमुख शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि राज्य में अभी कोई महत्वपूर्ण चुनाव नहीं है और करोना संक्रमण के रूप में महामारी का सामना करते समय भाजपा को जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए और प्रमुख विपक्षी दल की सकारात्मक भूमिका निभाना चाहिए। केंद्र में भाजपा की सरकार है और लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ से भाजपा के 9 सांसद चुनाव जीते हैं। या बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा भाजपा के निर्वाचित सांसद और भाजपा की केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के प्रति अपने दायित्व को नहीं निभा पा रही है। आज की सर्वदलीय बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का भाग ना लेना इसका जीता जागता सबूत है।

सिर्फ सियासी नौटंकियां कर रही प्रदेश सरकार : विष्णुदेव

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने बस्तर के भनपुरी थाना क्षेत्र के चपका ग्राम में गोपाल स्पंज आयरन प्लांट के लिए जनसुनवाई के दौरान हुए पथराव को लेकर एक सौ लोगों पर एफआईआर होने के बाद प्रदेश सरकार से सवाल किया है कि जब प्रदेश कोरोना संक्रमण की महाविभीषिका से जूझ रहा है, तब जिले में लागू धारा 144 की अनदेखी कर जनसुनवाई कराके प्रदेश सरकार किसका हित साधना चाहती थी? धारा 144 के लागू रहते इतनी बड़ी संख्या में लोगों को एक स्थान पर एकत्रित करके सरकार अपने ही कानून की धज्जियाँ उड़ा रही थी। साय ने कहा कि प्रदेश सरकार और कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों समेत जिला और पुलिस प्रशासन के वे तमाम अधिकारी भी इसके दोषी मानकर जाँच के दायरे में लिए जाएँ, जिन्होंने इस जनसुनवाई के लिए अनुमति प्रदान की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष साय ने कहा कि बस्तर ब्लॉक के चपका में प्रस्तावित मिनी इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट के लिए सोमवार को हुई जनसुनवाई में क्षेत्रीय विधायक चंदन कश्यप के सामने फूटे जनाक्रोश को प्रदेश की कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली, बदनीयती और कुनीतियों का नतीजा बताया है। अपने पूरे कार्यकाल में कांग्रेस ने झूठ, छलावे और वादाखिलाफी की जो मिसालकायम की है, उसके चलते अब जनाक्रोश मुखर होकर व्यक्त होने लगा है और हर मुद्दे पर सिर्फ सियासी नौटंकियाँ करके लोगों को भरमाने में लगी प्रदेश सरकार के कृत्यों का नतीजा अब कांग्रेस के ही जनप्रतिनिधियों को भुगतना पड़ रहा है। साय ने कहा कि बस्तर से इसकी शुरुआत हो चुकी है और अब पूरे प्रदेश में कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों व नेताओं को जनता से मुँह छिपाकर भागना पड़ेगा। चपका की घटना इस तथ्य और सत्य की तस्दीक कर रही है कि सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है।

जोगी कांग्रेस के शहर जिला अध्यक्ष बने विजय बहादुर

कहा, पक्ष-विपक्ष की राजनीति से परे हम लोगों के हित के लिए खड़े हैं

पायनियर संवाददाता < राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जोगी) के प्रमुख अमित जोगी ने पार्टी में बड़ा फेरबदल किया है। इसके तहत राजनांदगांव शहर जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी विजय बहादुर सिंह को मिली है। पिछले काफी दिनों से इस बदलाव की तैयारी थी। पुनर्गठन में जिले के अन्य नेताओं को भी जिम्मेदारी मिली है। इस नए जिम्मेदारी को लेकर जिला शहर अध्यक्ष विजय बहादुर ने कहा कि कोविड - 19 के मौजूदा हालात को देखते हुए हमारी पहली प्राथमिकता जरुरतमंदों तक राहत पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सहित जिले में हालात बेहद बुरे हैं। मुझे नई जिम्मेदारी

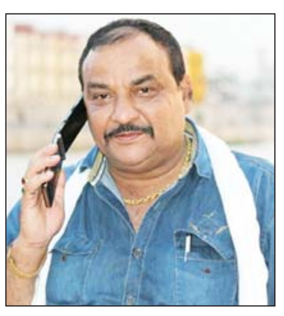

मिली है और मैं अपनी पार्टी के हर एक कार्यकर्ता के साथ जमीनी स्तर पर काम करुंगा। उन्होंने कहा कि पक्ष-विपक्ष की राजनीति से परे यह तीसरा धड़ा लोगों की मदद के लिए खड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रेरणास्त्रोत व राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री रहे स्व. अजीत जोगी ने जिन उद्देश्यों को लेकर इस पार्टी का गठन किया था हम उससे कोई समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि जकांछ (जोगी) जनहित के लिए सबसे आगे खड़ी है और खड़ी रहेगी। हमारा हर कार्यकर्ता इस संकल्प को लेकर समर्पित है।

केदार कश्यप के झुंझलाये बयान से स्पष्ट है भाजपा असम में बड़े अंतराल से हार रही है चुनाव : विकास

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं सचिव विकास तिवारी ने भाजपा के पूर्व मंत्री एवं भाजपा प्रवक्ता केदार कश्यप के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि कोरोना महामारी के समय केदार कश्यप दूषित राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं और जब पूरा प्रदेश कोरोना संक्रमण से गुजर रहा है तो वह दोयम दर्जे की राजनीति कर जनता को गुमराह करने का काम करने का प्रयास कर रहे हैं छत्तीसगढ़ राज्य में जहां एक ओर रेमडेसीविर इंजेक्शन आइवरमेकटीन,फेबिपिरावीर टेबलेट की कमी है जिसका उत्पादन केंद्र की मोदी सरकार करवाती है और लगातार इन दवाओं का प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में सप्लाई संकट हो गया है कोरोना संक्रमित मरीजों को आज इन जीवन रक्षक दवाओं की आवश्यकता है तो पूर्व मंत्री केदार कश्यप को बयानबाजी छोड़कर देश के प्रधानमंत्री और अपने पार्टी के नेता नरेंद्र मोदी से अनुरोध कर छत्तीसगढ़ वासियों को रेमडेसीविर इंजेक्शन को ज्यादा से ज्यादा मात्रा में दिलवाने हेतु प्रयास करना चाहिए और केदार कश्यप के बयान से स्पष्ट है कि भाजपा ने असम में अपनी बड़ी अंतर की हार मान चुकी है इस कारण केदार कश्यप तिलमिलाहट भरे लहजे में बयानबाजी कर रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी ने कहा कि भाजपा आईटी सेल के राष्ट्रीय संयोजक अमित मालवीय द्वारा ट्विटर में छत्तीसगढ़ राज्य की जनता को अपमानित करने का प्रयास किया और कहा कि

छत्तीसगढ़ राज्य में लोग नक्सलियों के हाथों मर रहे हैं और कोरोना महामारी से जबकि नक्सलियों से लोहा लेते हुए 22 जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी और नक्सलियों के मांद में घुसकर उनकी उनको चुनौती दी केंद्रीय बलों द्वारा निर्धारित किये गये इस ऑपरेशन को केंद्र सरकार के गृह विभाग ने अमलीजामा पहनाया था जिसमें छत्तीसगढ़ सरकार ने मदद किया था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी के समय कहा था कि नोटबंदी से नक्सलियों की कमर टूट गई है नक्सलवाद खत्म हो जाएगा तो अब भाजपा बताये की नक्सलियों के टूटे कमर में बल कैसे मिल रहा है अमित मालवीय को अपने पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृह मंत्री अमित शाह से पूछना चाहिए कि नोटबंदी से जब नक्सलियों की कमर टूट चुकी थी तो अब उनकी कमर में जान कैसे आ गई और किन कारणों से 22 जवानों की शहादत हुई इसका भी जवाब वह गृह मंत्री अमित शाह से लें।

लगातार दूषित बयान बाजी कर अपने मानसिक अवसाद को प्रदर्शित करने वाले अमित मालवीय को कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी ने कहा कि वह अपना मानसिक अवसाद के संक्रमण का इलाज कराएं और उनके ईलाज में जो भी खर्चा आयेगा उसे वह भुगतान करने के लिये तैयार हैं कोरोना महामारी के कठिन समय में भाजपा नेता दूषित बयानबाजी कर देश की जनता को गुमराह ना करें और छत्तीसगढ़ राज्य का अपमान ना करें।

हेल्पलाइन को व्यवस्थित करने डिप्टी कलेक्टरों को सौंपी जिम्मेदारी

रायपुर। रायपुर में कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिए संचालित ज्यादातर नंबर हेल्पलेस साबित हो रहे हैं। मामले की शिकायत कलेक्टर डॉ. एस. भारतीदासन तक भी पहुंची है। उन्होंने तत्काल दो डिप्टी कलेक्टरों को इसकी निगरानी में लगा दिया है। कलेक्टर ने बताया कि राज्य प्रशासनिक सेवा के पांच अधिकारियों को प्रशासनिक दृष्टिकोण से कोरोना वायरस (कोविड-19) के बचाव एवं रोकथाम के लिए कलेक्टर जिला प्रशासन रायपुर के साथ अस्थायी रूप से तत्काल प्रभाव से संलग्न किया गया है। रायपुर जिले में कोविड-19 महामारी के नियंत्रण और बचाव कार्य के लिए संचालित कंट्रोल रुम मे होम आइसोलेशन के अलावा सामान्य पूछताछ और आपात कालीन खानपान के लिए भी दूरभाष पर संपर्क की व्यवस्था की है। होम आइसोलेशन में कोई समस्या होने पर संपर्क के लिए दिए गए अन्य नंबरों में 0771-2445785, 7880100313, 7880100314, 7880100315, 7566100283, 7566100284 और 7566100285 एक या दो में रिस्पांस मिला बाकी फोन बिजी रहे।

कोविड-19 हॉस्पिटल में बासी भोजन परोसने की खबरें भ्रामक : खाद्य सुरक्षा अधिकारी

पायनियर संवाददाता < गरियाबंद
www.dailypioneer.com

डेडीकेटेड कोविड हॉस्पिटल और कोविड केयर सेंटर में मरीजों को दिये जाने वाला भोजन ताजा और जांच कर दिया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी तरुण बिड़ला ने बताया कि मरीजों को ताजा भोजन दिया जा रहा है। बासी और खराब भोजन देने की खबरें भ्रामक है। उन्होंने कहा कि कलेक्टर के आदेश के पश्चात दोनों समय और नाश्ता की गुणवत्ता का वे स्वयं जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक साथ ढाई सौ मरीजों को खाना दिया जा रहा है यह संभव है कि खाना ठंडा हो लेकिन बासी खाना कतई नहीं है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और कोविड अधिकारियों से मिलने के पश्चात मरीजों को दोनों पहर और नाश्ता गर्म ही दिए जाने की तैयारी है। उन्होंने

कहा कि हम मरीजों के स्वास्थ्य का पूरी तरह देखभाल कर रहे है और उन्हें ताजा और गर्म भोजन उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता में है। डेडीकेटेड कोविड हॉस्पिटल पॉलिटेक्निक कालेज गरियाबंद में उपचार करा रहे ग्राम कोसमी छुरा आमदी, झालबहार, मुड़ागांव छिंदौला और बेलटूकरी के मरीजों ने बताया कि परोसा जाने वाला खाना बिल्कुल बासी नही है। बेहतर और गुणवत्तापूर्ण है उन्हें खाना में किसी तरह के शिकायत नहीं मिली है।

वही कलेक्टर निलेश क्षीरसागर स्वयं इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं और जांच टीम गठित कर भोजन और मरीजों को दिए जाने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करने आदेश दिए हैं । ज्ञात है कि डेडीकेटेड कोविड-हॉस्पिटल में लगभग ढाई सौ मरीज है जिनका उपचार किया जा रहा है।

उन्होंने इस तरह की गलत और भ्रामक खबरों से बचने का आग्रह किए हैं उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी तरह की शिकायत है तो वह खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नंबर पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस संबंध में वेंडर को भी निर्देश दिए गए हैं कि खाना की गुणवत्ता में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर द्वारा मौके पर जाकर जानकारी ली गयी। मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष गफ्फू मेमन, एसडीएम सीएमओ एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कारोबारियों को आरटीजीएस के लिए करना पड़ रहा 300 किमी का सफर

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में कोरोना का कहर जारी है. प्रदेश के ज्यादातर जिलों में लॉकडाउन लगा दिया गया है. ऐसे में बैंक को भी बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं. अब इस निर्देश से कारोबारियों में परेशानी आ खड़ी हुई है. लॉकडाउन के बीच कारोबारी दूसरे प्रदेश जा रहे हैं. सैकड़ों किलोमीटर का सफर करना पड़ रहा है. कारोबारियों की परेशानी को लेकर चेंबर ऑफ कॉमर्स ने भी बैंकिंग सेवाओं में छूट देने की अपील की है। लोहा कारोबारी अनमोल अग्रवाल ने कहा कि उन्हें अपने एक आरटीजीएस कराने अपने अकाउंटेंट को नागपुर भेजना पड़ा है। उनका कहना है कि भले ही लॉकडाउन है, लेकिन सरकार ने कुछ नियमों के साथ प्लांटों को चालू रखा है। लॉकडाउन में बैंक बंद होने की वजह से बैंकिंग से जुड़ा सारा काम बुरी तरफ़ प्रभावित हो रहा है. इसकी वजह से काम पर असर हुआ है। छत्तीसगढ़ में बैंक बंद होने की वजह से कारोबारियों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कारोबारियों ने सरकार से बैंकिंग सेवा बहाल करने की मांग कर रहे हैं. एक दूसरे लोहा कारोबारी सुमित अग्रवाल का कहना है कि उन्होंने अपने स्टाफ को RTGS करने के लिए कांकेर भेजा है, क्यूंकि वहां बैंक खुले हैं।

ऑनलाइन फ्रॉड्स लेकर भय: चेंबर ऑफ कॉमर्स के महामंत्री ने अजय भसीन ने कहा कि मेडिकल संचालक से लेकर लोहा कारोबारी समेत अन्य कारोबारियों को परेशानी हो रही है। कारोबारियों में ऑनलाइन फ्रॉड्स का शिकार होने को लेकर भय है. ऐसे में वे रकम ऑनलाइन ट्रांसफर नहीं कर रहे हैं. अब मेडिकल से जुड़े लोग भी परेशान हैं. मेडिकल संचालक कैश में मेडिसिन बेचते हैं, लेकिन दवाई मंगवाने के लिए ऑनलाइन रकम जमा करना पड़ रहा है।

85 ऑक्सीजन युक्त बेड के साथ साथ 310 बेड की संख्या बढ़ी

फुण्डहर, धरसीवां और तिल्दा में कोविड केयर सेंटर प्रारंभ

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप शासन के दिशा-निर्देश के तहत रायपुर जिले में कोरोना मरीजों के बेहतर इलाज और उनके अच्छे स्वास्थ्य की दृष्टि से व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। जिले में जहां मेडिकल कालेज के साथ-साथ आयुर्वेदिक कॉलेज, माना और लालपुर में कोविड हॉस्पिटल पूर्व से संचालित थे, वहीं अब इसमें फुण्डहर के वर्किंग वूमेन हॉस्टल में बनाए गए कोविड केयर सेंटर और धरसीवां तथा तिल्दा विकासखंड में बनाए गए कोविड केयर भी शामिल हो गये हैं। कलेक्टर डॉ. एस. भारती दासन ने बताया कि इन कोविड सेंटरों में क्रमशः 210, 50 और 50 बेड की व्यवस्था है। इनके शुरु

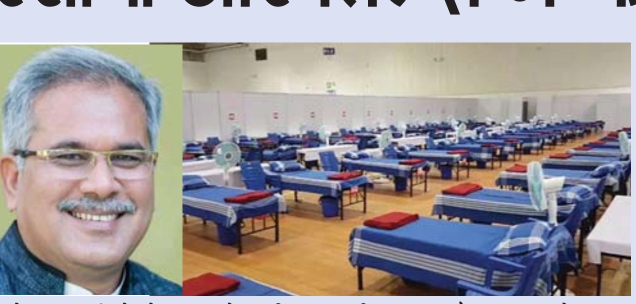

होने से रायपुर जिले में 310 बेड की संख्या और बढ़ गई है। यहां क्रमश ऑक्सीजन एवं कंसुट्रेटर युक्त बिस्तरों की संख्या क्रमशः 40, 15 और 30 है। इस तरह ऑक्सीजन युक्त बेडों की संख्या भी जिले में 85 और बढ़ गई है। इन तीनों सेंटर के शुरू हो जाने से अब रायपुर जिले में मेडिकल कॉलेज के अलावा बेड की संख्या 1274 हो गई है ,जिसमें 391 ऑक्सीजन युक्त और 523 कंसुट्रेटर युक्त बेड है। जिले में मेडिकल कॉलेज के अलावा 915 ऑक्सीजन सुविधा युक्त बेड की अतिरिक्त व्यवस्था की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में कोविड केयर सेंटर प्रारंभ किया गया है। इस सेंटर में कुल 350 बिस्तरों की व्यवस्था है जिसमें 67 ऑक्सीजन सुविधा युक्त बेड है और 219 बेड ऐसे हैं जहां ऑक्सीजन कंसुट्रेटर की व्यवस्था है। इस तरह यहां 286 ऑक्सीजन युक्त बेड है। इस सेंटर में मरीजों के इलाज के लिए 24 घंटे डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ की समुचित व्यवस्था है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मीरा बघेल ने बताया कि यहां मरीजों के लिए सभी आवश्यक दवाइयां जो किसी भी बड़े अस्पताल की तरह यहां भी कोरोना मरीजों के लिए निःशुल्क उपलब्ध है। कोरोना मरीज इन हॉस्पिटल या कोविड केयर सेंटर में भर्ती होने तथा इलाज के लिए जिला कंट्रोल रूम के नंबर में संपर्क कर सकते हैं। वे कंट्रोल रूम में अपनी सुविधा और जरूरत के अनुसार होम आइसोलेशन या कोविड केयर सेंटर का आग्रह कर सकते हैं। कंट्रोल रूम में इन हॉस्पिटल अथवा कोविड केयर सेंटर जाने के लिए एंबुलेंस की मांग भी की जा सकती है। भर्ती होने के लिए कंट्रोल रूम में किया जा सकता संपर्क जिला स्तरीय कंन्ट्रोल रूम में होम आईसोलेसन के मरीजों के सहायता के लिये (24×7)यानी किसी भी समय इन फोन नंबर 7880100313, 7880100314, 7880100315, 7566100283 7566100284,7566100285 में संपर्क किया जा सकता है। कोरोना संबंधी सामान्य जानकारी के लिये (सुबह 8 से रात 10 बजे तक) फोन नं.- 8602270023, 8602290023, 8602780023, 8602920023, 07714320202 पर संपर्क किया जा सकता है।

एनटीपीसी में अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (के.औ.सु.बल) अग्निशमन शाखा इकाई एनटीपीसी सीपत द्वारा 14अप्रैल को अग्निशमन सेवा दिवस मनाया गया। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के उप-कमाण्डेन्ट कमलेश कुमार द्वारा मुख्य अतिथि पदमकुमार राजशेखरन, कार्यकारी निदेशक एनटीपीसी सीपत एवं सभी अनुभावों के वरिष्ठ अधिकारियों का अभिवादन किाय गया। अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर 1944 में हुये बाम्बे डाकयार्ड की भीषण अग्नि दुर्घटना एवं देश भर में प्रत्येक वर्ष होने वाली अग्नि दुर्घटनाओं में अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों को मुख्य अतिथि पदमकुमार राजशेखरन, कार्यकारी निदेशक घनश्याम प्रजापति, महाप्रबंधक (ओएण्डएम), जे.एस.एस.मुर्ति, महाप्रबंधक (अनुरक्षण), अमीताभ रॉय, महाप्रबंधक (एश डाईक प्रबंधन), आर.के.आश, महाप्रबंधक (सी एंड

आई) एस के नाइक, महाप्रबंधक (प्रचालन), विवेक चन्द्र, उपमहाप्रबंधक (मानव संसाधन), के.औ.सु.बल के उप-कमाण्डेन्ट, कमलेश कुमार एवं अन्य अधिकारीगणों द्वारा शहीद स्मारक पर पुष्प माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी गई व शहीदों की याद में दो मिनट का मौन धारण किया गया।

एनटीपीसी सीपत के कार्यकारी निदेशक पदमकुमार राजशेखरन ने सभी को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता की शपथ दिलाई। तदोपरान्त मुख्य अतिथि द्वारा अग्नि शमन सप्ताह के लिये प्रकाशित लीफलेट व पैम्फलेट का विमोचन किया व अपने सम्बोधन में अग्नि सुरक्षा संबंधी दिशा निर्देश दिया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2021-23, दूरभाष नंबर 0771, 2972403